निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

नयी दिल्ली में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मिलते बिहार के सीएम सम्राट चौधरी

• बोकारो, सोमवार 4 मई 2026 • वर्ष : 09 • अंक : 344 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

संक्षिप्त समाचार

एनडीए की तैयारी कर रहे छात्र की मौत

हजारीबाग(नबिटा ब्यूरो)। देहरादून में एनडीए की तैयारी कर रहे हजारीबाग के एक नाबालिग छात्र ने हॉस्टल के कमरे में फंदे से लटककर सुसाइड कर लिया। जब काफी देर तक छात्र बाहर दिखाई नहीं दिया तो दोस्त उसके कमरे में पहुंचे, जहां उन्होंने उसे फंदे से लटका देखा। दोस्तों ने तुरंत इसकी सूचना कोचिंग संस्थान प्रबंधन को दी। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मोर्चरी भिजवाया और मृतक छात्र के परिजनों को सूचित किया। शनिवार शाम को परिजनों के आने के बाद रविवार को पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई पूरी कर शव उन्हें सौंप दिया गया है।

मां-बेटे की मौत मामले में जांच टीम गठित

सरायकेला(नबिटा ब्यूरो)। राजनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव के दौरान मां-बेटे की मौत का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। 30 अप्रैल को हुई इस दुखद घटना के बाद जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है। जहां एक ओर परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाया है, वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य विभाग ने प्राकृतिक आपदा को इस स्थिति का जिम्मेदार बताया है। छुट्टी से लौटने के बाद सिविल सर्जन डॉ. सरयू प्रसाद सिंह ने घटना पर सफाई दी है। वहीं इस मामले की गंभीरता को देखते हुए सरायकेला उपायुक्त ने एक विशेष जांच दल का गठन किया है। यह टीम सोमवार से अस्पताल का दौरा कर मामले की विस्तृत जांच शुरू करेगी।

कुएं में गिरने से महिला की मौत

चतरा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के सिमरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत नवादा गांव में रविवार को एक दर्दनाक हादसे में एक महिला की जान चली गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनिल यादव की 40 वर्षीया पत्नी रिंकी कुमारी अहले सुबह अपने घर के पास स्थित बारी (खेत) में लगी फसल का पटवन करने के लिए गई हुई थीं। इसी दौरान कुएं के पास उनका पैर फिसल गया और वह अनियंत्रित होकर गहरे कुएं में जा गिरीं। कुएं में डूबने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

बिहार कैबिनेट की बैठक 6 को

पटना(नबिटा ब्यूरो)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंत्रिपरिषद का विस्तार करने से पहले कैबिनेट की एक और बैठक बुला ली है। दिल्ली से लौटने के बाद सीएम सम्राट 6 मई को कैबिनेट की बैठक करेंगे। इस बैठक में सरकार विभिन्न विभागों से जुड़े अहम प्रस्तावों पर अपनी मंजूरी दे सकती है।

दिव्यांग बेटे को जिंदा जलाकर मार डाला

मुजफ्फरपुर(नबिटा ब्यूरो)। जैतपुर थाना क्षेत्र स्थित खैरा गांव में झोपड़ी में सो रहे युवक को जिंदा जला दिया गया। घटना को अंजाम देने का आरोप मृतक के पिता और रिश्तेदारों पर लगा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जले हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान राजेश कुमार राय के रूप में हुई है।

जनगणना 2027 को लेकर मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखा पत्र

पृथक कोड देकर सरना धर्म को दें मान्यता : हेमंत सोरेन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जनगणना 2027 में आदिवासी/सरना धर्म को अलग पहचान देने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विस्तृत पत्र लिखा है। इस पत्र की कॉपी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और राज्यपाल संतोष गंगवार को भी भेजी गई है। मुख्यमंत्री ने पत्र में कहा है कि सरना धर्म आदिवासी समाज की आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक पहचान का प्रमुख आधार है, इसलिए इसे जनगणना में पृथक कोड देकर मान्यता दी जानी चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार इस मांग पर गंभीरता से विचार करेगी। सीएम सोरेन ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में जनगणना 2027 की शुरुआत के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि तथ्य आधारित नीति निर्माण

किसी भी राष्ट्र के संतुलित विकास के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि 2021 में प्रस्तावित जनगणना विभिन्न कारणों से टल गई थी लेकिन अब इसे शुरू किया जाना महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार इस प्रक्रिया में पूर्ण सहयोग कर रही है। उन्होंने स्वयं स्व-गणना कर इस अभियान में भागीदारी निभाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सटीक आंकड़ों के अभाव में किसी भी समाज के विकास से जुड़ी नीतियों पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। पत्र में मुख्यमंत्री ने सरना धर्म की विशिष्टताओं का विस्तार से उल्लेख करते हुए कहा कि आदिवासी समाज की अपनी अलग पूजा पद्धति, प्रकृति पूजा, ग्राम देवता, कूल देवता और पारंपरिक त्योहार इस धर्म को अलग पहचान देते हैं। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता पूर्व जनगणना में विभिन्न धर्मों की अलग-अलग पहचान दर्ज की जाती थी लेकिन आजादी के बाद आदिवासी धर्म को अलग श्रेणी में शामिल नहीं किया गया। उन्होंने 2011 की जनगणना का हवाला देते हुए कहा कि अलग कोड नहीं होने के बावजूद देशभर के करीब 50 लाख लोगों ने स्वयं को 'सरना' धर्म से जुड़ा बताया था जो इस मांग की गंभीरता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने पत्र में झारखंड विधानसभा के संकल्प और राज्य की आकांक्षाओं का जिक्र करते हुए कहा कि झारखंड का गठन ही आदिवासी पहचान के आधार पर हुआ है। इसलिए यहां की नीतियों और योजनाओं में आदिवासी समाज की सांस्कृतिक और धार्मिक विशेषताओं को शामिल करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज जब देश डिजिटल तकनीक में आगे बढ़ रहा है तो जनगणना में सरना धर्म को अलग कोड देना तकनीकी रूप से भी संभव और व्यावहारिक है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि जनगणना के दूसरे चरण में धर्म संबंधी कॉलम में सरना धर्म को अलग पहचान दी जाए ताकि आदिवासी समाज की पहचान और अधिकार सुरक्षित रह सकें।

सड़क दुर्घटना में दो दोस्तों समेत तीन लोगों की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गोड्डा। जिले के महागामा में दो दोस्तों की सड़क हादसे में मौत हो गई है। दोनों ही शादी के लिए लड़की देखकर लौट रहे थे तभी बालू से लदे हाइवा के चपेट में आने से दोनों की मौत हो गई। वहीं गोड्डा के सरकंडा के पास एक दूसरे सड़क हादसे में बाइक सवार मोहम्मद सद्दाम की मौत अज्ञात वाहन के चपेट में आने से मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने सड़क जाम कर दिया। जिले के महगामा थाना क्षेत्र में एनएच-133 पर हुए सड़क हादसे में दो की मौत हो गई। यह घटना गम्हरिया के समीप तब हुई जब दोनों बुलेट बाइक पर नुनाजोर से पथरगामा की ओर जा रहे थे। दोनों दोस्त शादी के लिए लड़की देखने गोड्डा की तरफ गए थे। एनएच-133 पर एक हाइवा वाहन की चपेट में आने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद सड़क पर सैकड़ों की संख्या में लोग जमा हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत महागामा थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही महागामा पुलिस दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने दोनों की बॉडी को

महागामा अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं प्रत्यक्षदर्शी शेख नवी ने बताया कि गोड्डा की तरफ से एक बालू से लदा हाइवा आ रहा था और नुनाजोर की तरफ से दो युवक बुलेट पर सवार होकर सड़क की विपरीत दिशा से पथरगामा की ओर जा रहे थे जहां तेज रफ्तार हाइवा ने टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान सत्यम कुमार यादव (22), पिता चंद्रशेखर यादव, ग्राम नूनाजोर, थाना महगामा, जिला गोड्डा, और दूसरा विपिन कुमार मंडल, पिता अनिल मंडल, ग्राम धुआवै, थाना सनोखर, जिला भागलपुर, बिहार के रूप में हुई है। विपिन कुमार मंडल पिछले कई सालों से अपने परिवार के साथ कटिहार में रह रहे थे। वह अपने दोस्त मिथुन यादव की शादी के लिए लड़की देखने आए थे।

नीट यूजी परीक्षा में बड़ी लापरवाही, डेढ़ घंटे तक नहीं मिला प्रश्न पत्र

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। रविवार को देशभर में आयोजित नीट यूजी परीक्षा के दौरान पलामू जिले के मेदिनीनगर स्थित योध सिंह नामधारी महिला कॉलेज परीक्षा केंद्र पर भारी लापरवाही सामने आई। निर्धारित समय के अनुसार परीक्षा दोपहर 2 बजे शुरू होनी थी। सभी अभ्यर्थी समय पर अपने-अपने परीक्षा कक्ष में पहुंच चुके थेलेकिन कमरा नंबर 11 में बैठे परीक्षार्थियों को लंबे समय तक प्रश्न पत्र ही उपलब्ध नहीं कराया गया। परीक्षार्थियों और अभिभावकों ने बताया कि लगभग 48 छात्रों को प्रश्नपत्र के लिए इंतजार करना पड़ा। परीक्षा शुरू होने के करीब डेढ़ घंटे बाद तक भी जब प्रश्न पत्र नहीं मिला तो छात्रों की बेचैनी गुस्से में बदल गई। परीक्षा जैसे संवेदनशील आयोजन में इस तरह की लापरवाही ने व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। करीब 3 बजे तक प्रश्न पत्र नहीं मिलने पर अभ्यर्थियों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। पहले परीक्षा हॉल के अंदर नाराजगी जताई गई लेकिन जब कोई ठोस जवाब नहीं मिला तो छात्र मुख्य गेट तक पहुंच गए। वहां उन्होंने गेट पीटकर अपना विरोध दर्ज कराया और बाहर निकलकर अपनी परेशानी बताई। अभ्यर्थियों का आरोप था कि उन्हें बार-बार आश्वासन दिया गया कि प्रश्न पत्र प्रिंट कराकर दिया जाएगा लेकिन समय बीतता गया और कोई ठोस व्यवस्था नहीं हुई। इस बीच परीक्षा का बहुमूल्य समय बर्बाद होता रहा, जिससे छात्रों का भविष्य दांव पर लग गया। हंगामे की खबर फैलते ही केंद्र के बाहर भी हलचल बढ़ गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन हरकत में आया। सदर एसडीओ, एसडीपीओ और थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभालने की कोशिश की। एसडीपीओ ने अभ्यर्थियों से बातचीत कर उन्हें शांत कराया और दोबारा परीक्षा केंद्र के अंदर भेजा। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम पर अधिकारी कुछ भी स्पष्ट कहने से बचते नजर आए। अधिकारियों ने न तो फोन कॉल का जवाब दिया गया और न ही संदेशों का। इस चुप्पी ने पूरे मामले को और संदिग्ध बना दिया है। फिलहाल परीक्षा केंद्र पर पुलिस बल तैनात है। अधिकारी वहीं डटे हुए हैं।

मुनीडीह वाशरी हादसा : आश्रितों को मिलेगी नौकरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। बीसीसीएल के मुनीडीह स्थित भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की वाशरी में शनिवार को हुए हादसे में चार मजदूरों की जान चली गई थी। स्लरी (कोयले का गीला कचरा) लोडिंग के दौरान यह हादसा हुआ था। हादसे के बाद आक्रोशित परिजन और यूनियन नेता शव को वाशरी गेट पर रखकर मुआवजे और नौकरी की मांग पर अड़े रहे। देर रात से लेकर सुबह करीब 4 बजे तक चली मैराथन वार्ता के बाद बीसीसीएल प्रबंधन और यूनियन के बीच सहमति बन गई। परिजनों को राहत देने के लिए एक और अहम फैसला लिया गया है। हर प्रभावित परिवार के एक सदस्य को मुनीडीह वाशरी की आउटसोर्सिंग में नौकरी दी जाएगी। इसके अलावा बच्चों की पढ़ाई के लिए डीएवी स्कूल में नामांकन के लिए भी मदद की जाएगी। हादसे की गंभीरता को देखते हुए उच्च स्तरीय जांच का भी निर्णय लिया गया है। एक स्वतंत्र टीम गठित कर एसओपी तैयार किया जाएगा ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। फिलहाल इस समझौते से पीड़ित परिवारों को कुछ राहत जरूर मिली है लेकिन अब नजर इस बात पर रहेगी कि बीसीसीएल प्रबंधन अपने वादों को कितनी तेजी से जमीन पर उतारता है। वहीं मामले को लेकर मुनीडीह ओपी प्रभारी मनिता कुमारी ने कहा कि बीसीसीएल प्रबंधन के साथ यूनियन नेताओं और ग्रामीणों की सकारात्मक वार्ता हुई है। समझौते में मृतक के आश्रितों को 20-20 लाख रुपये का मुआवजा, आउटसोर्सिंग में एक की नौकरी, दाह संस्कार के लिए 75 हजार और बच्चों की पढ़ाई डीएवी में बीसीसीएल द्वारा कराए जाने को लेकर सहमति बनी है।

एक किलो सोना और 20 लाख नकद के साथ तीन गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। जिले के सबसे बड़े बैंक डकैती का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। 24 अप्रैल को बरही थाना अंतर्गत बैंक ऑफ महाराष्ट्र बरही शाखा से लगभग चार किलो सोना और चार लाख 22 हजार रुपए का डकैती हुई थी। इस घटना का उद्भेदन के लिए एसआईटी का गठन किया गया था। सदर एसडीपीओ अमित आनंद और बरही एसडीपीओ अजीत कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने टेक्निकल सेल और सीसीटीवी कैमरे की मदद से घटना का उद्भेदन किया है। हजारीबाग एसपी अमन कुमार ने बताया कि घटना का उद्भेदन को लेकर बिहार, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों के पुलिस से मदद ली गई। एसपी अमन कुमार ने जानकारी दिया कि इस घटना का उद्भेदन को लेकर दो टीम लगाई गई थी। सूचना संकलन करने के दौरान घटना के दिन और उसके पहले काले रंग के चार पहिए वाहन को रेकी करते हुए देखा गया। उक्त गाड़ी के पंजीयन नंबर की गाड़ी उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिला अंतर्गत पहुंचने की जानकारी मिली। छापेमारी दल द्वारा उत्तर प्रदेश के एसटीएफ से संपर्क स्थापित किया गया। यूपी एसटीएफ के संयुक्त सहयोग से राजभर बस्ती सिंहपुर स्थित हरुआ रिंग रोड थाना सारनाथ से गुजरते वक्त कार घेर लिया गया। उक्त गाड़ी से तीन व्यक्ति से पूछताछ की गई। सीसीटीवी फुटेज से मिलान करने पर अपराधियों की पहचान कर उन्हें हिरासत में लिया गया। गाड़ी की तलाशी में लूटे गए लगभग एक किलो सोने का आभूषण और 20 लाख रुपया बरामद किया गया। वहीं घटना के उपयोग में लाया गया दो मोटरसाइकिल बिहार के गयाजी रेलवे स्टेशन के पार्किंग से बरामद की गई है।

श्रद्धालुओं की सुविधा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। श्रावणी मेला 2026 को लेकर जिला प्रशासन और राज्य सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। 31 जुलाई से शुरू होने वाले इस राजकीय मेले को लेकर रविवार को झारखंड के पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। देवघर के सर्किट हाउस में आयोजित इस बैठक में देवघर और दुमका के कई वरीय अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के बाद मंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हर वर्ष की तरह इस बार भी श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष और बेहतर इंतजाम किए जाएंगे। बैठक में बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर और बासुकीनाथ मंदिर की व्यवस्था को लेकर विशेष चर्चा की गई। दोनों तीर्थस्थलों में श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को लेकर आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने पर जोर दिया गया। बैठक में देवघर डीसी शशि प्रकाश सिंह, एसपी प्रवीण पुष्कर, दुमका के डीसी अभिजीत सिन्हा और एसपी पीतांबर सिंह ने अपने-अपने जिलों में चल रही तैयारियों की जानकारी मंत्री को दी। वहीं संथाल परगना के आयुक्त संजय कुमार भी इस बैठक में मौजूद रहे। मंत्री ने बताया कि इस बार श्रद्धालुओं के संभावित भीड़ को देखते हुए विशेष दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। श्रावणी मेले के दौरान व्यवस्था की

निगरानी के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा ताकि भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा सके।साथ ही संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ाने के लिए पुलिस प्रशासन को अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं फुटओवर ब्रिज निर्माण को लेकर मंत्री ने कहा कि इसका डीपीआर तैयार हो चुका है। हालांकि यह एक बड़ा प्रोजेक्ट है, इसलिए इसे पूरा होने में समय लगेगा। मंत्री ने भरोसा जताया कि 31 जुलाई से पहले श्रावणी मेले की सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएंगी और मेला शुरू होने तक देवघर और दुमका एक बेहतर और सुव्यवस्थित रूप में देश के सामने होगा।

भारत की जनगणना 2027 CENSUS OF INDIA जनगणना से जन कल्याण

गृह मंत्रालय भारत सरकार सत्यमेव जयते

हमारी जनगणना हमारा विकास

(जनगणना 2027 का पहला चरण)
स्व-गणना (Self Enumeration) से जुड़े सामान्य प्रश्न और उत्तर (भाग-2)

स्व-गणना क्या है?
स्व-गणना एक ऑनलाइन प्रक्रिया है जिसमें आप प्रगणक की प्रतीक्षा किए बिना, स्वयं SE पोर्टल (se.census.gov.in) पर अपने परिवार की जानकारी भर सकते हैं

स्व-गणना के क्या लाभ हैं?
- अपनी सुविधा से जानकारी भर सकते हैं
- गोपनीयता सुनिश्चित
- जनगणना प्रक्रिया को तेज़ और कुशल बनाती है

स्व-गणना पोर्टल में लॉग-इन कैसे करें?
- राज्य / संघ राज्य क्षेत्र चुनें
- मुखिया का नाम, मोबाइल नंबर और ईमेल (वैकल्पिक) भरें
- OTP द्वारा सत्यापन करें
- स्व-गणना शुरू करें

अपने घर का सही स्थान कैसे चिन्हित करें?
- जिला / पिनकोड चुनें
- क्षेत्र / लैंडमार्क दर्ज करें
- मैप पर ज़ूम करें और घर के पास लोकेशन मार्क करें (सटीक पता न दिखने पर घबराएं नहीं)
- सही लोकेशन चिन्हित करना आवश्यक है

क्या मैं अपनी जानकारी बाद में संशोधित कर सकता / सकती हूँ?
- सबमिट करने से पहले एडिट कर सकते हैं
- सबमिशन के बाद, प्रगणक के आने पर ही बदलाव संभव होगा

क्या स्व-गणना (SE) पोर्टल को भारत के बाहर से एक्सेस किया जा सकता है?
नहीं, यह सुविधा केवल भारत की भौगोलिक सीमा के भीतर उपलब्ध है

यदि सबमिशन के बाद गलती पता चले तो क्या करें?
प्रगणक के आने पर SE ID के साथ सुधार करवाया जा सकता है

क्या मैं फॉर्म सेव करके बाद में पूरा कर सकता / सकती हूँ?
हां, आप प्रोग्रेस सेव कर सकते हैं और निर्धारित समय के भीतर फॉर्म पूरा कर सकते हैं

CBC 19108/13/0080/2627

टोल फ्री - 1855

चलो निभाएं अपनी ज़िम्मेदारी, करें जनगणना में भागीदारी CensusIndia2027

खंडोली में बन रहा अत्याधुनिक रिजॉर्ट, पर्यटन को मिलेगा नया आयाम : मंत्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले के खंडोली क्षेत्र में वन विभाग द्वारा निमार्णाधीन अत्याधुनिक रिजॉर्ट आने वाले समय में पर्यटन के क्षेत्र में बड़ी सौगात साबित होगा। रविवार को मंत्री सुदिव्य कुमार ने निर्माण स्थल का निरीक्षण किया और परियोजना की प्रगति का जायजा लिया निरीक्षण के दौरान मंत्री ने कहा कि यह रिजॉर्ट न केवल खंडोली, बल्कि पूरे गिरिडीह जिले के पर्यटन विकास में अहम भूमिका निभाएगा।

उन्होंने बताया कि इस परियोजना के माध्यम से पर्यटकों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त ठहरने की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी। प्राकृतिक सौंदर्य से घिरे इस परिसर में मॉडल कॉटेज, आकर्षक लैंडस्केपिंग और शांत वातावरण इसे खास बनाएंगे मंत्री ने आगे कहा कि दूर-दराज से आने वाले पर्यटक यहां बेहतर आवास, खानपान और अन्य सुविधाओं का आनंद ले सकेंगे। यह पहल जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भविष्य में गिरिडीह को पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान दिला सकता है वहीं, गिरिडीह पूर्वी वन प्रमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार तिवारी ने जानकारी दी कि रिजॉर्ट का निर्माण कार्य तेजी से जारी है और इसे अत्याधुनिक तकनीक के आधार पर विकसित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि निर्माण पूरा होने के बाद यह रिजॉर्ट झारखंड के प्रमुख पर्यटन केंद्रों में शामिल हो सकता है गौरतलब है कि बेंगाबाद-गिरिडीह मुख्य मार्ग (एनएच-114ए) पर खंडोली मोड़ के समीप इस परियोजना का निर्माण किया जा रहा है। पर्यटन मंत्रालय और वन विभाग के संयुक्त प्रयास से विकसित हो रहे इस रिजॉर्ट में कई कॉटेज, रेस्टोरेंट और बैंक्वेट हॉल की सुविधा भी उपलब्ध होगी। इस मौके पर आरएफओ संजीव कुमार, रेंजर एस.के. रवि, बेंगाबाद थाना प्रभारी अमन कुमार सिंह, वनपाल रोहित पंडित, संवेदक रोहित प्रसाद सहित कई अधिकारी और कर्मी उपस्थित रहे।

पवित्री अस्पताल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। शहर के पवित्री अस्पताल में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में समाज के विभिन्न वर्गों की सराहनीय भागीदारी देखने को मिली। शिविर का उद्घाटन महापौर प्रमिला मेहरा ने किया और लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया इस शिविर में कुल 17 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। खास बात यह रही कि कार्यक्रम में उपस्थित कई जिम्मेदार पदों पर आसीन लोगों ने खुद आगे आकर रक्तदान कर समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया डीएसपी कौसार अली ने स्वयं रक्तदान किया, वहीं उनके सहयोगी स्टाफ हवलदार ने भी रक्तदान कर मानवता की सेवा में योगदान दिया। इसके अलावा महापौर प्रमिला मेहरा की महिला गार्ड ने भी रक्तदान कर इस पुनीत कार्य में अपनी भागीदारी निभाई कार्यक्रम में डॉ. सोहेल अख्तर, डॉ. रितेश कुमार, पूनम प्रकाश, राजेश गुप्ता, सतीश कुंदन सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बरही बैंक लूट कांड का खुलासा: एसपी अमन कुमार ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो । हजारीबाग जिले के बरही थाना क्षेत्र में बैंक ऑफ महाराष्ट्रा शाखा में हुई लूटकांड का पुलिस ने सफल उद्भेदन कर लिया है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरी कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सफलता मिली। पुलिस टीम ने उत्तर प्रदेश के सहयोग से वाराणसी के सारनाथ थाना क्षेत्र में घेराबंदी कर स्कार्पियो वाहन के साथ तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अपराधी में पंकज सिंह उर्फ रौनक सिंह (गोरखपुर, यूपी), मो. अफजल (नवादा, बिहार), सौरभ यादव उर्फ सोनू यादव (मऊ, यूपी)। एसपी ने बताया कि सभी अपराधियों

तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है तथा लूटे गए नकद, सोना और वाहन बरामद किए हैं। 24 अप्रैल 2026 को दोपहर करीब 3:15 बजे चार हथियारबंद अपराधियों ने बैंक में घुसकर कर्मचारियों को बंधक बना लिया। अपराधियों ने मारपीट और जान से मारने की धमकी देकर 4,22,492 रुपये नकद और लगभग 3.987 किलोग्राम सोना (78 पैकेट) लूट लिया। इसके बाद सभी कर्मचारियों को स्ट्रांग रूम में बंद कर बैंक को बाहर से लॉक कर फरार हो गए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसपी अमन कुमार ने बताया कि घटना के तुरंत बाद स्क्ष्ठ का गठन किया गया और तकनीकी एवं वैज्ञानिक तरीके से जांच शुरू की गई। उन्होंने कहा कि फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान की गई। अन्य राज्यों की पुलिस से समन्वय स्थापित किया गया। लगातार छापेमारी और निगरानी के बाद का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है और ये विभिन्न राज्यों में लूट की घटनाओं में शामिल रहे हैं। 20 लाख रुपये नकद, 912.22 ग्राम सोना (कुछ पिघलाया हुआ), 06 मोबाइल फोन, स्कार्पियो वाहन, 02 पल्सर मोटरसाइकिल किया गया बरामद। एसपी अमन कुमार ने बताया कि अपराधियों ने सोशल मीडिया के माध्यम से बैंक ऑफ महाराष्ट्रा में गोल्ड लोन की जानकारी जुटाई और करीब 2 महीने पहले बैंक की रेकी की। 7 सदस्यीय गिरोह बनाकर योजना बनाई गई और 24 अप्रैल को घटना को अंजाम दिया गया। एसपी ने बताया कि मामले में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। एसपी अमन कुमार के नेतृत्व में हजारीबाग पुलिस की त्वरित और समन्वित कार्रवाई से एक बड़े बैंक लूटकांड का खुलासा हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड कांग्रेस की नई समिति का गठन, अरुण साहू को मिली बड़ी जिम्मेदारी

बरही/हजारीबाग (नबिटासं)। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी ने झारखंड में संगठनात्मक फेरबदल करते हुए नई समितियों का गठन किया है।महासचिव के.सी. वेणुगोपाल द्वारा 3 मई को जारी पत्र में बताया गया कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इन प्रस्तावों को तत्काल प्रभाव से मंजूरी प्रदान कर दी है। नए गठन के तहत समन्वय समिति, चुनाव अभियान समिति, परिसीमन समिति, चुनाव प्रबंधन समिति और एसआईआर समिति का गठन किया गया है। इसके साथ ही प्रदेश स्तर पर कोषाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव, संयुक्त सचिव और समन्वयकों की भी नियुक्ति की गई है, जिससे संगठन को आगामी चुनावों के मद्देनजर और अधिक मजबूत किया जा सके। इस सांगठनिक फेरबदल में बरही विधानसभा क्षेत्र के युवा कांग्रेस नेता एवं पूर्व प्रत्याशी अरुण साहू को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी ने उनके अनुभव, सक्रियता और संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें इन समितियों में शामिल किया है, जिससे झारखंड में संगठनात्मक मजबूती और चुनावी रणनीति को और धार मिल सके। अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए श्री साहू ने कहा कि वे निष्ठापूर्वक अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए पार्टी को और सशक्त बनाने का कार्य करेंगे। उनकी नियुक्ति को लेकर बरही विधानसभा क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष डॉ निजामुद्दीन अंसारी, बरही प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल मनान वारसी, तौकीर रजा, विष्णुधारी महतो, संतोष रजवार, दीपक गुप्ता, छोटन ठाकुर, बबलू साहू, भोली पासवान, सन्नी गुप्ता, प्रकाश विश्वकर्मा, मो. जमीर उद्दीन समेत कई कार्यकताओं ने खुशी जताते हुए कहा कि अरुण साहू की सक्रिय भूमिका से न केवल बरही, बल्कि पूरे जिले में कांग्रेस संगठन को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी।

10 लीटर देसी शराब के साथ महिला तस्कर सहित पांच गिरफ्तार

हिलसा/नालंदा (नबिटासं)। हिलसा मद्य निषेध थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर शनिवार देर शाम थाना क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर 10 लीटर देसी शराब के साथ एक महिला तस्कर समेत कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। थाना अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि इस्लामपुर थाना क्षेत्र के रोहनियापुर गांव के समीप बाइक सवार जहानाबाद जिले के हुलासगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत झड़ुआ बिगहा गांव निवासी मिंटू कुमार को 5 लीटर देसी शराब के साथ पकड़ा गया। वहीं हिलसा थाना क्षेत्र के लहराडाक के पास एक बाइक पर सवार तीन लोगों को 2 लीटर शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। इनमें पकड़ीया बिगहा गांव निवासी श्रवण कुमार, कृष्ण बिगहा गांव निवासी रंजन कुमार तथा बिंदु कुमार शामिल हैं। इसके अलावा रविवार की सुबह परवलपुर थाना क्षेत्र के छतरपुर मुसहरी टोला में छापेमारी कर 3 लीटर देसी शराब के साथ बृंदेल मांझी की पत्नी प्रमिला देवी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सभी आरोपियों के विरुद्ध हिलसा मद्य निषेध थाना में कांड दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

हिलसा के ऐतिहासिक सूर्य मंदिर तालाब में मछलियों की मौत से फैली दहशत।

हिलसा/नालंदा (नबिटासं)। हिलसा शहर के ऐतिहासिक सूर्य मंदिर परिसर स्थित तालाब में इन दिनों बड़ी संख्या में मछलियों के मरने का मामला सामने आया है। लगातार हो रही इस घटना से पूरे इलाके में तेज दुर्गंध फैल गई है, जिससे स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, पिछले कई दिनों से तालाब में मछलियां मर रही हैं, जिससे किनारों पर मृत मछलियों का ढेर लग गया है। बदबू इतनी तीव्र है कि लोगों का वहां से गुजरना तक मुश्किल हो गया है। कई लोगों ने आशंका जताई है कि इससे संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ सकता है। वहीं उदय कुमार, संतोष कुमार, प्रेम कुमार और छोटू कुमार सहित स्थानीय लोगों का कहना है कि दुर्गंध के कारण खाना-पीना भी प्रभावित हो रहा है। श्रद्धालुओं के लिए मंदिर परिसर में ठहरना कठिन हो गया है। लोगों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है। मछलियों की मौत के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं। कुछ लोगों का मानना है कि तालाब में गंदगी, जलजमाव और ऑक्सीजन की कमी के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है, जबकि अन्य का आरोप है कि किसी रासायनिक पदार्थ के गिरने से यह घटना हो सकती है। बताया जा रहा है कि करीब एक माह पहले तालाब को सुखाकर मछलियां निकाली गई थीं, जिसके बाद पानी में दुर्गंध आने लगी थी। छठ पूजा के दौरान सफाई कर पुनः पानी भरा गया, जिससे कुछ दिनों तक राहत मिली। लेकिन अब फिर से समस्या गंभीर रूप ले चुकी है। हैरानी की बात यह है कि इतनी गंभीर स्थिति के बावजूद अब तक संबंधित विभाग और प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया, तो यह जन स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मृत मछलियां निकलवाकर पानी की सफाई और ऑक्सीजन स्तर बढ़ाने के उपाय करने की मांग है ताकि इस समस्या से राहत मिल सके और श्रद्धालुओं को किसी तरह की दिक्कत ना हो।

सलेमपुर नहर पुल से कभी भी हो सकता है हादसा

औरंगाबाद (नबिटासं)। हसपुरा प्रखंड के सलेमपुर गांव के समीप मुख्य पथ स्थित नहर पुल से कभी भी हादसा हो सकता है। पुल के दोनों ओर घेराबंदी और लाइट लगाने की मांग तेजी से उठ रही है। इस तीखे मोड़ से दिन रात वाहनों का आवागमन होता है जिससे यह कहना मुश्किल है कि कब कौन सा वाहन नहर में गिर जाएगा। यहां अक्सर दुर्घटनाएं होती हैं और जब भी ऐसा होता है ग्रामीण उग्र हो जाते हैं और कई बार सड़क जाम कर देते हैं। इस समस्या के समाधान के लिए केवल आश्वासन ही मिलता है। बता दें कि सड़क से गुजरने वाले विशेषकर लोग हमेशा खतरे में रहते हैं कि कब वे नहर में गिर जाए। रात के वक्त दुर्घटनाओं की संभावना अधिक होती है। स्थानीय राजेंद्र पासवान, चितरंजन सिह ने कहा कि पुल का चौड़ीकरण और दोनों तरफ से घेराबंदी किए बिना समस्या का समाधान नहीं हो सकता है। सलेमपुर नहर पर कई बार वाहन दुर्घटनाग्रस्त होकर नहर में गिर चुके हैं। भगवान का शुक्र है कि ग्रामीणों के सहयोग से अबतक किसी की जान नहीं गई है। लहाल खतरा हमेशा बनी रहती है।

सलैया स्टेशन रोड की बदहाली पर भड़के सामाजिक प्रतिनिधि, आंदोलन की चेतावनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सलैया रेलवे स्टेशन के समीप स्थित रेलवे रोड की जर्जर स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। वर्षो से खराब पड़ी इस सड़क पर अब हालात ऐसे हो गए हैं कि जानवर भी नहीं चल सकते, फिर जनता को क्यों चलाया जा रहा है यह कहना है सामाजिक प्रतिनिधि राजेश सिन्हा का उन्होंने बताया कि सड़क की हालत इतनी खराब है कि छोटी-बड़ी गाड़ियां, स्कूल बस, बाइक, टोटो और ऑटो का चलना तक मुश्किल हो गया है।

इससे स्थानीय लोगों को रोजाना भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है पूर्व सूचना के आधार पर आयोजित बैठक में राजेश सिन्हा ने क्षेत्र के विभिन्न प्रतिनिधियों और युवाओं से चर्चा की। उन्होंने इसे एक सामाजिक मुद्दा बताते हुए सभी दलों के लोगों से एकजुट होकर पहल करने की अपील की।

बैठक में लगभग दो दर्जन प्रतिनिधि और युवा मौजूद थे बैठक की अध्यक्षता पूर्व मुखिया ठाकुर दास ने की। इस दौरान प्रमोद कंधवे, पंचायत सचिव अविनाश कुमार, रवि प्रकाश, तुलसी राणा, आयुष, सुंदर पांडेय समेत अन्य लोगों ने सड़क की समस्या पर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि एक सप्ताह तक स्थिति पर नजर रखी जाएगी, उसके बाद ठोस कदम उठाने की रणनीति बनाई जाएगी युवाओं ने भी नाराजगी जताते हुए कहा कि सड़क खराब होने के कारण यात्री न्यू गिरिडीह रेलवे स्टेशन पर उतरने को मजबूर हो रहे हैं। इससे सलैया स्टेशन का महत्व भी प्रभावित हो रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सड़क रेलवे के अधीन है, लेकिन कई बार शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि न तो वर्तमान जनप्रतिनिधियों और न ही पूर्व प्रतिनिधियों ने इस दिशा में गंभीर पहल की राजेश सिन्हा ने बताया कि गिरिडीह के सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी को इस समस्या से अवगत कराया जाएगा। इसके लिए उनके प्रतिनिधि गुड्डू यादव से फोन पर बात भी की गई है। साथ ही कोडरमा की सांसद एवं केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी को भी आवेदन देकर संज्ञान में लाया जाएगा उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो पुराना जमुआ मार्ग से सैकड़ों लोगों के साथ पैदल मार्च कर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने लोगों से आंदोलन के लिए तैयार रहने की अपील की और कहा कि एक सप्ताह का समय दिया जा रहा है, इसके बाद सड़क पर उतरकर आवाज बुलंद की जाएगी बैठक में राजेश राणा, महेंद्र राणा, सत्यम तरवे, विवेक भदानी, सिद्धार्थ कंधवे, अभिषेक कुमार, सनूप कुमार, दीपक पांडेय, साकेब राम, कन्हैया खेतान, अभय कंधवे, बिट्टू कुमार, मिट्ठू कुमार, कुलदीप कुमार समेत कई लोग उपस्थित थे।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की सूची जारी, धनंजय सिंह बने प्रदेश सचिव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी की नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। इस सूची में गिरिडीह जिले के लिए एक अहम जिम्मेदारी तय करते हुए कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष धनंजय सिंह को प्रदेश सचिव बनाया गया है। धनंजय सिंह के प्रदेश सचिव बनने की खबर से गिरिडीह कांग्रेस कार्यकताओं में उत्साह का माहौल है।

पार्टी नेताओं और समर्थकों ने इसे जिले के लिए गौरव की बात बताते हुए विश्वास जताया है कि उनके अनुभव और संगठनात्मक क्षमता से पार्टी को मजबूती मिलेगी गौरतलब है कि धनंजय सिंह लंबे समय से कांग्रेस संगठन से जुड़े रहे हैं और जिला अध्यक्ष के रूप में उन्होंने संगठन विस्तार और जनसंपर्क को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब प्रदेश स्तर पर नई जिम्मेदारी मिलने से उनके कंधों पर पार्टी को और अधिक सशक्त बनाने की चुनौती होगी स्थानीय कांग्रेस कार्यकताओं ने उन्हें बधाई देते हुए उम्मीद जताई है कि वे प्रदेश नेतृत्व के साथ समन्वय स्थापित कर संगठन को नई दिशा देंगे और आगामी चुनावों में पार्टी को मजबूत स्थिति में लाने का काम करेंगे।

दो दिवसीय पांचवीं जिला स्तरीय योगासना स्पोर्ट प्रतियोगिता का समापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह जिला योगासना स्पोर्ट संघ द्वारा श्री श्याम भवन में आयोजित दो दिवसीय पांचवीं जिला स्तरीय योगासना स्पोर्ट प्रतियोगिता का समापन आज पुरस्कार वितरण समारोह के साथ संपन्न हो गया। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए बाल शिक्षा मंदिर की टीम विजेता बनी, जबकि मोंगिया स्कूल उपविजेता रहा समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में गिरिडीह के डिप्टी मेयर सुमित कुमार उपस्थित रहे।

वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में भारत विकास परिषद के पूर्व अध्यक्ष सरदार देवेंद्र सिंह ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर की गई। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं क्लबों से लगभग 200 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का आयोजन अलग-अलग आयु वर्गों और चार विभिन्न इवेंट्स में किया गया जिला योगासना संघ के महासचिव अमित स्वर्णकार ने बताया कि इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक विजेता जूनियर खिलाड़ी नेतरहाट तथा सीनियर खिलाड़ी जामताड़ा में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे।मुख्य अतिथि सुमित कुमार ने सभी विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि ये खिलाड़ी राज्य स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर गिरिडीह का नाम रोशन करेंगे प्रतियोगिता के संचालन में मुक्ता कुमारी, हर्ष सिंह, सोनम कुमारी, शिवानी कुमारी एवं स्मृति कुमारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही कार्यक्रम को सफल बनाने में संरक्षक राजेश जलान, अध्यक्ष संतोष शर्मा, महासचिव अमित स्वर्णकार, कोषाध्यक्ष दयानंद जायसवाल के अलावा रोहित श्रीवास्तव, नितेश नंदन, आकाश स्वर्णकार, शशिकांत विश्वकर्मा, सोनी कुमारी, पुष्पा शक्ति, रोहित राय, उत्कर्ष गुप्ता, शिवम कुमार, निलय सिन्हा, कन्हैया सिंह, अभिषेक कुमार, अभिजीत कुमार एवं प्रेमांशु गुप्ता का अहम योगदान रहा।

एक दिवसीय फुटबाल टूनामेंट सम्पन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। आदिवासी फुटबाल क्लब की ओर से आयोजित एक दिवसीय फुटबाल टूनामेंट में जिले से कुल आठ टीमों ने भाग लिया। दिलीप कुमार साह उर्फ भोला महा सचिव जिला फुटबाल संघ एवं निगम पार्षद दिनेश पांडे ने फिटा काटकर मैच का उद्घाटन किये बिनोद चौधरी, विजय मेम्बर,आशिस कुमार साह, बिक्रम इत्यादि ने रेफरी की भुमिका निभाई।

फाइनल में विजेता टीम मनसाही और उपविजेता केहुनिया टीम को दिलीप कुमार साह ने पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया जिला फुटबाल संघ के महासचिव ने बताया कि कटिहार जिला फुटबाल टीम पुरुष एवं महिला दोनों टीमें जिला से बाहर बिहार में भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं इसके लिए जिला फुटबाल संघ का कोच बिनोद चौधरी की तारीफ करते हुए धन्यवाद दिया।

सर्विस रोड पर बालू गिरे होने से आवागमन में परेशानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय में बनाए गए सर्विस रोड का तेजी से अतिक्रमण किया जा रहा है। साथ ही बड़े पैमाने पर निर्माण सामग्री गिराकर आवागमन को बाधित कर दिया जा रहा है। इस पर न तो यातायात विभाग के द्वारा कार्रवाई की जा रही है और न ही नगर परिषद के द्वारा ही कार्रवाई की जा रही है। नगर परिषद का इन समस्याओं पर ध्यान नहीं जा रहा है। बता दें कि जिला मुख्यालय से रमेश चौक से लेकर महाराणा प्रताप चौक तक सड़क के दोनों ओर सर्विस रोड का निर्माण कराया गया था ताकि चार पहिया वाहन भी जरूरत के हिसाब से इसका प्रयोग कर सकें। मुख्य सड़क के अलावा यह सड़क बनाई गई थी। बता दें कि सर्विस रोड का निर्माण

पुरानी जीटी रोड व महाराजगंज रोड में हुआ था परंतु इन दोनों जगह पर इसका अतिक्रमण किया जा रहा है। कहीं पर चारपहिया और बाइकों की पाढ्कग कर दी गई है तो कहीं पर दुकान के सामने सामान रखकर आवागमन बाधित कर दिया गया है। इतना ही नहीं लोगों ने सड़क पर ही बालू, गिरी व ईट गिराकर उसे बंद कर दिया है। इस रास्ते से गुजरने वाले लोग इसको लेकर खासे परेशान हैं। सर्विस रोड में ही कई निर्माण भी हो जा रहे हैं परंतु उसे देखने वाला कोई नहीं है। सर्विस रोड के अतिक्रमण मुक्त रहने से लोगों को आवागमन में काफी सहुलियत होती थी परंतु पिछले कुछ समय से इसका अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है।

उपायुक्त ने किया नीट यूजी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 2026 का आयोजन जिले में सफल, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त तरीके से संपन्न हुआ। परीक्षा के दौरान उपायुक्त रामनिवास यादव ने एचई हाई स्कूल, पचंबा हाई स्कूल एवं सर जेसी बोस स्कूल सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों के प्रवेश की प्रक्रिया, बैठने की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय समेत अन्य बुनियादी सुविधाओं का गहन अवलोकन किया।

उन्होंने केंद्र अधीक्षकों एवं प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि परीक्षा की शुचिता बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता या कदाचार पर तत्काल सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए उपायुक्त ने कहा कि नीट उजी जैसी महत्वपूर्ण राष्ट्रीय परीक्षा के संचालन में पारदर्शिता एवं निष्पक्षता अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी जरूरी इंतजाम किए गए थे। जिले में कुल 1451 अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें 98.13 प्रतिशत अभ्यर्थियों की उपस्थिति दर्ज की गई।परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली, जिससे यह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने अभ्यर्थियों से संवाद स्थापित कर उन्हें शुभकामनाएं दीं और पूरी ईमानदारी व आत्मविश्वास के साथ परीक्षा देने के लिए प्रेरित किया परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए जिला नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई थी, जहां से संपूर्ण व्यवस्था की सतत निगरानी की जा रही थी।

आपात स्थिति से निपटने के लिए त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई थी इस मौके पर उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी, सदर अनुमंडल पदाधिकारी श्रीकांत यशवंत विस्पुते, जिला आपूर्ति पदाधिकारी गुलाम समदानी, जिला शिक्षा पदाधिकारी वसीम अहमद, जिला नजारत उप समाहर्ता आशुतोष ठाकुर सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

जंगली जानवरों पर शिकारियों की बुरी नजर, शिकारी के हमले से मादा हिरण की मौत

गिरिडीह, एजेंसी। जिला के बगोदर वन प्रक्षेत्र में जंगली जानवरों पर शिकारियों की नजर है। शिकारियों के द्वारा एक हिरण का शिकार किए जाने का मामला सामने है। शिकारी के द्वारा मादा हिरण पर तीर से हमला किए जाने की संभावना है। चूंकि उसके शरीर पर तीर के हमले जैसे जख्म का निशान है। तीर के हमले से हिरण की मौत हो गई है। घटना शनिवार की है। मृत अवस्था में पड़े हिरण पर ग्रामीणों की नजर पड़ी। इसके बाद वन विभाग को घटना की सूचना दी गई।वन विभाग मौके पर पहुंची एवं हिरण के शव को जब्त कर लिया। पशु चिकित्सा विभाग के द्वारा हिरण के शव का पोस्टमार्टम किया गया। इसके बाद शव को दफना दिया गया। बुढ़ाचांच निवासी सामाजिक कार्यकर्ता राणा प्रताप सिंह ने बताया कि जख्मी हालत में हिरण बुढ़ाचांच जंगल की ओर तेजी से भागते हुए बुढ़ाचांच मंदिर होते हुए अटका की और दौड़ा जा रहा था। इसी बीच अटका खेत में जख्मी हालत में वह खेत में जाकर गिर गया।

गोड्डा में तेज रफ्तार का कहर, सड़क हादसे में हुई दो दोस्तों की मौत

गोड्डा, एजेंसी। झारखंड के गोड्डा जिले के महगामा थाना क्षेत्र में एनएच 133 पर हुए सड़क हादसे में दो दोस्तों की मौत हो गई। यह घटना गम्हरिया के पास हुई, जब दोनों बुलेट बाइक पर नुनाजोर से पथरगामा की ओर जा रहे थे। मृतक अपने एक दोस्त की शादी के लिए लड़की देखने गोड्डा की तरफ गए थे। देर रात लौटते समय एक दोस्त का फोन गुम हो गया था। रात में फोन न मिलने पर दोनों दोस्त सुबह उसे ढूंढने के लिए निकले थे। एनएच 133 पर एक हाईवा वाहन की चपेट में आने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद सड़क पर सैकड़ों की संख्या में लोग जमा हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत महागामा थाना को सूचना दी। सूचना मिलते ही महागामा पुलिस दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने दोनों के बॉडी को महागामा अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शी शेख नवी ने बताया कि गोड्डा की तरफ से एक बालू लदा हाईवा आ रहा था और नुनाजोर की तरफ से दो व्यक्ति बुलेट पर सवार होकर फोर लेन ह॥ 133 पर गलत दिशा से पथरगामा की ओर जा रहे थे, जहां तेज रफ्तार हाईवा ने टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान सत्यम कुमार (22 वर्ष), पिता चंद्रशेखर यादव, ग्राम नूनाजोर, थाना महगामा, जिला गोड्डा और दूसरा विपिन कुमार मंडल, पिता अनिल मंडल, ग्राम धुआवै, थाना सनोखर, जिला भागलपुर के रूप में हुई है।

जंगल में संदिग्ध अवस्था में मिले दो शव, जांच में जुटी पुलिस

जामताड़ा, एजेंसी। जंगल में एक युवक और एक युवति की लाश मिलने से सनसनी फैल गई है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है। यह घटना मिहिजाम थाना क्षेत्र के जीतपुर गांव में हुई। शनिवार को जंगल में दो लाशें मिली। बताया जा रहा है कि जब गांव वाले जंगल में गए तो उन्हें एक युवक और एक युवती की लाश मिली। यह खबर गांव में जंगल में आग की तरह फैल गई और भारी भीड़ जमा हो गई। बाद में पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। घटना की जानकारी मिलने पर मिहिजाम थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों लाशों को पोस्टमार्टम के लिए जामताड़ा सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस को मौके से एक छोटी सीसी बोतल मिली है। पुलिस के मुताबिक, पहली नजर में मामला आत्महत्या का लग रहा है। इस पूरे मामले को लेकर एसपी शंभू कुमार सिंह ने पूरी जानकारी दी। एसपी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके से दोनों के शव बरामद किए। पहली नजर में यह आत्महत्या का मामला लग रहा है, मौके पर मिली बोतल से ऐसा लग रहा है कि दोनों ने आत्महत्या की होगी। एसपी ने बताया कि शवों की पहचान हो गई है।

खरसावां पुलिस का कमाल, पांच लोगों को मिला खोया हुआ मोबाइल

सरायकेला, एजेंसी। झारखंड में खरसावां पुलिस ने पांच लोगों को उनके गुम हुए मोबाइल वापस दिलाए। थाना परिसर में एक साधारण कार्यक्रम में थाना प्रभारी गौरव कुमार ने सभी को उनके मोबाइल सम्मानपूर्वक लौटाए। कई महीनों बाद अपना खोया हुआ मोबाइल पाकर लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे। सीईआईआर पोर्टल की मदद से पुलिस ने सभी मोबाइल बरामद किए और असली मालिकों को वापस सौंप दिए। खरसावां पुलिस ने 13 अक्टूबर 2024 में गुम हुए खरसावां के मणीडीह (पदमपुर) गांव के अमन सामड़ के मोबाइल को बरामद कर वापस लौटाया। अमन सामड़ ने खरसावां पुलिस का आभार जताते हुए कहा कि करीब डेढ़ साल पहले गुम हुए मोबाइल फोन मिलने की उम्मीद ही छोड़ दी थी, लेकिन पुलिस की सक्रियता से उन्हें अपना फोन वापस मिल गया। इसके अलावा, खरसावां के संतारी गांव के रंजन कुमार पाल, जोजोकुड़मा के इस्माइल सिंह बोरमा, कुचाई के बडाचाकड़ी गांव के राम गुंदुवा का मोबाइल फोन दिसंबर 2025 में गुम हुआ था, जबकि रीडिंग के जयप्रकाश हेंब्रमन का मोबाईल फोन फरवरी 2026 को गुम हुआ था। इन्हें भी खरसावां थाना प्रभारी गौरव कुमार ने खोया हुआ फोन वापस किया।

2023 में झारखंड से कालाजार उन्मूलन की घोषणा,
फिर किस बात से परेशान है स्वास्थ्य महकमा!

रांची, एजेंसी। साल 2023 में ही झारखंड से कालाजार को एलिमिनेट किये जाने की घोषणा की जा चुकी है। इसके बावजूद एक बार तेजी से बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है। कालाजार के 'सुपर स्प्रेडर' के भय से झारखंड का स्वास्थ्य महकमा सहमा हुआ है।

सैंड फ्लाई यानी बालू मक्खी के काटने से फैलने वाली जानलेवा और खतरनाक बीमारी कालाजार है। वर्ष 2023 में ही झारखंड से एलिमिनेट हो गया है। इसके बावजूद 2026 का यह वर्ष झारखंड और खासकर यहां के स्वास्थ्य महकमे के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

झारखंड में नेशनल वेक्टर बॉर्न डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम के स्टेट नोडल अधिकारी डॉ। बीके सिंह कहते हैं कि कालाजार हमारे राज्य झारखंड से 2023 में ही एलिमिनेट हो चुका है। कालाजार के उन्मूलन के लिए जरूरी प्रति 10000 की आबादी में 01 या उससे कम कालाजार के मरीज मिलने की स्थिति है। लेकिन इस क्राइटेरिया को राज्य ने वर्ष 2024-2025 में मेंटेन रखा है।

डोजियर और इसके वेरिफिकेशन के लिए ङ्ख॥ह और अन्य इंटरनेशनल एजेंसी रहेंगे। वह अब यहां आकर यह सर्टिफाइड करेंगे कि हमने कालाजार को एलिमिनेट कर लिया है। तब अंतरराष्ट्रीय फलक पर यह मान लिया जाएगा कि झारखंड कालाजार को एलिमिनेट करने वाला राज्य बन चुका है। डॉ। बीके सिंह कहते हैं कि सबसे ज्यादा डर इस बात का है कि राज्य में 61 केस ऐसे हैं जो एचआईवी के साथ कालाजार से भी पीड़ित हुए हैं। चूंकि ऐसे मरीजों में रोग से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है। ऐसे में ये किसी भी समय सुपर स्प्रेडर की भूमिका निभा सकते हैं। कुछ इसी तरह की चिंता क्चष्ठरु यानी पोस्ट कालाजार डर्मल लेशमेनिया के मरीजों को लेकर है।

पीकेडीएल के केस में पूर्व में कभी कालाजार के मरीज रहे व्यक्ति के ठीक होने के एक से तीन साल बाद क्चष्ठरु होने की संभावना रहती है। कालाजार के परजीवी उसके स्किन में छुपे होते हैं और यह सैंड फ्लाई के काटने पर एक से दूसरे व्यक्ति तक जाकर स्वस्थ व्यक्ति को भी संक्रमित कर सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो फिर हम कालाजार एलिमिनेटेड स्टेट का दर्जा खो देंगे। इसलिए विभाग चिंतित है और प्रीवेंटिव मेजरस और सर्विलांस पर खास ध्यान दे रहा है। जिससे ॥ढ्ढङ्क के साथ कालाजार या क्चष्ठरु के रोगी सुपर स्प्रेडर न बन सकें। इसके लिए 14 दिन से अधिक समय तक रहने वाले बुखार में कालाजार की जांच सभी सरकारी अस्पतालों में मुफ्त उपलब्ध कराई जा रही है।

डॉ। बीके सिंह बताते हैं कि संथाल के जिन-जिन गांवों में एचआईवी के साथ कालाजार या फिर पीकेडीएल के मामले हैं। वहां पर फिर से कालाजार के मरीज बड़ी संख्या में मिल सकते हैं। यह एलिमिनेशन के फेज में एक बड़ा व्यावधान हो सकता है, अगर हम चौकस नहीं रहे तो एलिमिनेशन की स्थिति को खो भी सकते हैं।

दरअसल, कालाजार भारत और झारखंड में सार्वजनिक स्वास्थ्य (कम्युनिटी हेल्थ) के सामने वर्षो तक एक गंभीर चुनौती के रूप में बना रहा। कालाजार एक ऐसी बीमारी है, जो दशकों से गरीब और ग्रामीण इलाकों की बड़ी आबादी को प्रभावित करती रही। खासकर बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में इसका प्रकोप कुछ अधिक ही था।

झारखंड, जो भौगोलिक और सामाजिक रूप से एक संवेदनशील माना जाता है। ऐसे में झारखंड के संथाल के चार जिले दुमका, गोड्डा, साहिबगंज और पाकुड़ के 31 ब्लॉक के लोग कालाजार से ज्यादा प्रभावित थे। नेशनल वेक्टर बोर्न डिजीज प्रोग्राम के तहत देश के अन्य कालाजार प्रभावित राज्यों के साथ साथ झारखंड के भी कालाजार प्रभावित चार जिलों में अभियान चलाया गया।

बोकारो पुलिस ने नाबालिग लड़की को कोलकाता से किया बरामद, आरोपी गिरफ्तार

बोकारो, एजेंसी। चास थाना क्षेत्र से नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगाने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने नाबालिग को कोलकाता से बरामद किया है और आरोपी आरियन अली जमान को भी गिरफ्तार किया है। लड़की के पिता मो। जाफर कर्बला रोड, सुल्तान नगर, चास) के लिखित आवेदन के आधार पर 28 अप्रैल 2026 को अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। आवेदन में आरोप लगाया गया था कि दिन के करीब 11 बजे उनकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर भगा लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक, बोकारो के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर, चास) के नेतृत्व में टीम गठित की गई। तकनीकी सहायता के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 1 मई को पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित बेनियापुकुर थाना क्षेत्र से नाबालिग लड़की को सकुशल बरामद कर लिया। छापेमारी के दौरान लड़की को आरोपी आरियन अली जमान के घर से बरामद किया गया। पुलिस ने मौके से ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने नाबालिग को कमरूज जमान, पता- 3/ए, छातु बाबू लेन, थाना- इन्टाली, जिला- कोलकाता स्थित अपने घर में रखा था। पुलिस ने आरोपी का मोबाइल फोन भी बरामद किया है जिसका फॉरेंसिक एनालिसिस करने की बात चास एसडीपीओ प्रवीण सिंह ने कही है। प्रवीण सिंह ने कहा कि नाबालिग की पिता के द्वारा दिए गए सूचना के बाद टीम को टावर लोकेशन एवं अन्य सूचना के आधार पर इनको बरामद किया। पुलिस आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज कर आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है।

पलामू में सड़क हादसा, होमगार्ड जवान की मौत

पलामू, एजेंसी। जिला में शनिवार को हुए अलग-अलग सड़क हादसों में होमगार्ड जवान समेत दो लोगों की मौत हो गई है। वहीं इन हादसों में एक व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी है और उन्हें इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पीटल में भर्ती करवाया गया है।

दरअसल, पलामू में बिश्रामपुर थाना क्षेत्र के लालगढ़ गांव में अज्ञात वाहन के टक्कर में होमगार्ड के जवान जीतू मोची की मौत हो गई। जीतू पलामू के राजहरा कोलियरी में तैनात है। ड्यूटी खत्म करने के बाद बाइक से अपने पंजरी कलाघर जा रहे थे। इसी क्रम में लालगढ़ में अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना के शिकार जीतू मोची को इलाज के लिए एमएमसीएच में भर्ती करवाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इस हादसे की जानकारी मिलने के बाद होमगार्ड के कमांडेंट दीपक कुमार समेत अन्य लोग अस्पताल में पहुंचे और परिवार को आर्थिक सहायता दी। बिश्रामपुर थाना प्रभारी ऋषिकेश दुबे ने इस दुर्घटना की पुष्टि की है।

वहीं दूसरी दुर्घटना पलामू के पड़वा थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे 139 पर हुई। नेशनल हाईवे पर शनिवार दोपहर कार और बाइक की टक्कर हो गई। इस हादसे में करुअसना गांव के रहने वाले विजय ठाकुर और मुनेश्वर ठाकुर गंभीर रूप से जख्मी हो गए। दोनों को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पीटल में भर्ती करवाया गया। जहां डॉक्टरों ने विजय ठाकुर को मृत घोषित कर दिया। पड़वा थाना प्रभारी अंकित कुमार ने बताया कि दुर्घटना में दो लोग जख्मी हुए, जिनमें से एक की मौत हो गयी है।

गिरिडीह में 27 लाख यूनिट पत्थर की हो चुकी है चोरी, ढाई साल में भी जुर्माना नहीं वसूल सका विभाग

गिरिडीह, एजेंसी। वैध खनन पट्टा लेकर पत्थर की बड़े पैमाने पर चोरी कर ली गई। चोरी एक दो टन नहीं बल्कि बल्कि लगभग 27 लाख यूनिट यानी लगभग 1 लाख 8 हजार टन की गई। इसे हम 18 या 25 टन क्षमता वाले हाइवा में बदले तो 18 टन वाला 6000 हाइवा तो 25 टन वाला चार हजार से अधिक हाइवा पत्थर की चोरी की गई। गिरिडीह जिले के अलग-अलग अंचलों में संचालित पत्थर खदानों से लगातार चोरी होती रही और जब उस वक्त के जिलाधिकारी ने जांच करवायी तो चोरी पकड़ में आ गई।

दरअसल, मई 2023 से जनवरी 2024 तक जिलाधिकारी के निर्देश पर खनन विभाग ने जिले के एमएस शिव ज्योति स्टोन, एमएस मां तारा स्टोन, श्रीराम स्टोन चिप्स, गौसिया स्टोन, मुन्ना कुमार सिंह, महादेव साहू, विजय कुमार राय, एमएस मां तारा स्टोन, जय मां गौरी स्टोन समेत कई खदानों की जांच करवायी तो पत्थर की चोरी का खुलासा हुआ।

खुलासा होने के बाद इन खदानों के संचालकों पर लगभग 26।13 करोड़ का जुर्माना लगाया गया। हालांकि लगभग 2 से ढाई वर्ष में मात्र 92।12 लाख जुर्माना ही विभाग वसूल सका है। बाकी वसूली के नाम पर सिर्फ और सिर्फ नोटिस ही जारी किया गया है। विभाग ने जिन माइंस संचालकों पर जुर्माना लगाया है उनमें 12 करोड़ से अधिक का जुर्माना एकतरवा (धनवार) में संचालित एमएस शिव ज्योति स्टोन पर लगाया गया है। जबकि यहीं पर संचालित श्रीराम स्टोन चिप्स पर 30549373 रुपये, एमएस मां तारा स्टोन वर्कस पर 37712785 रुपये, धनवार के माधोपुर में संचालित गौसिया स्टोन पर 3781709 रुपये और जमुआ के करहाडीह में संचालित मुन्ना कुमार सिंह पर 11713834 रुपये का जुर्माना लगा है। यह पूरा आंकड़ा विभाग से मिली जानकारी पर आधारित है।

यहां एक बड़ी बात है कि जिन माइंस संचालकों पर जुर्माना लगाया गया है उनमें से कई का लीज 2025 में ही समाप्त हो चुका है। लीज समाप्त होने के बाद ऐसे माइंस संचालकों से जुर्माना की वसूली चुनौती से कम नहीं है। यहां देखना होगा कि वसूली के लिए विभाग आगे किस तरह का कदम उठाता है या वसूली के नाम पर जो समय काट रहा वैसा आगे भी चलेगा।

बदलने वाला है पलामू के दिल का स्वरूप, छह मुहान को बनाया जाएगा ग्रीन जोन!

पलामू, एजेंसी। प्रमंडलीय मुख्यालय मेदिनीनगर के छह मुहान को पलामू का दिल कहा जाता है। छह मुहान पर छह अलग-अलग दिशा से रास्ता आ कर मिलती है। इस जगह को देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ। राजेंद्र प्रसाद चौक के नाम से भी जाना जाता है।

दरअसल, देश में कुछ ही इलाके हैं जहां छह अलग अलग रास्ते एक जगह पर मिलते हैं। पलामू में छह मुहान की तस्वीर बदलने वाली है। मेदिनीनगर नगर निगम ने इसके लिए एक कार्य योजना तैयार की है करीब पांच करोड़ रुपए की लागत से इसे ग्रीन जोन बनाया जाएगा। इस इलाके में ट्रैफिक में बदलाव किया जाएगा और स्ट्रीट वेंडर के लिए अलग से व्यवस्था की जाएगी। छह मुहान ई-व्हीकल चार्जर के सुविधा उपलब्ध की जाएगी। वर्तमान में नगर निगम के एक भवन को तोड़कर उसे स्ट्रीट वेंडर के लिए मार्केट के रूप में विकसित किया जाएगा। पूरे इलाके को सजाया जाएगा ताकि शहर के लोग इलाके में मॉर्निंग वॉक इवनिंग वॉक कर सके। बच्चों के खेलने और उनके लिए अलग से फूड जोन भी बनाएं जाएंगे।

ग्रीन जोन के लिए टेंडर जारी होने वाला है, डीपीआर तैयार हो गया है। छह मुहान को तीन अलग अलग हिस्सों में बांटा गया है। एक इनर सर्कल होगा जहां नो वेंडर और नो पार्किंग जोन बनाया जाएगा। सेकंड सर्कल भी नो वेंडर जोन रहेगा। थर्ड सर्कल में फुटकर विक्रेता या इन जैसों को रखा जाएगा। ई-व्हीकल चार्जर भी मौजूद रहेगा और ग्रीन पैचेज भी डेवलप किए जाएंगे। अगले छह से आठ महीने में प्रोजेक्ट कंप्लीट हो जाने की उम्मीद है। -जावेद हुसैन, डीडीसी सह प्रभारी नगर आयुक्त, पलामू।

पलामू का छह मुहान देश भर में चर्चित है। यह इलाका काफी व्यस्त माना जाता है और प्रमंडल के सभी इलाके से यहां पर रास्ते आकर मिलते हैं। डालटनगंज रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड इस चौक से काफी नजदीक है। देश के प्रथम राष्ट्रीय डॉ। राजेंद्र प्रसाद के नाम पर इस चौक का नाम रखा गया है।

देश के तत्कालीन राष्ट्रपति आर वेंकटरमण ने 1989 में डॉ। राजेंद्र प्रसाद की प्रतिमा का अनावरण किया था। जानकारी के अनुसार झारखंड के पलामू के अलावा उत्तर प्रदेश के वाराणसी, नई दिल्ली, गुजरात के अहमदाबाद और मध्य प्रदेश के इंदौर में ऐसे चौक मौजूद है जहां छह अलग-अलग रास्ते एक जगह आकर मिलते हैं।

राजनगर में पंडित रघुनाथ मुर्मू की जयंती मनाई गई,
चंपाई सोरेन ने भाषा-संस्कृति संरक्षण पर दिया जोर

सरायकेला, एजेंसी। सरायकेला खरसावां जिले के गामदेसाई (राजनगर) में संथाली भाषा की ओलचिकी लिपि के आविष्कारक पंडित रघुनाथ मुर्मू की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री सह स्थानीय विधायक चंपाई सोरेन उपस्थित रहे, जिन्होंने प्राइमरी स्तर से संथाली भाषा में पढ़ाई शुरू करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने बताया कि उनके कार्यकाल में झारखंड में संथाली समेत सभी आदिवासी/स्थानीय भाषाओं में प्राथमिक स्कूल के स्तर से पढ़ाई शुरू करने का काम शुरू हुआ था, जिसे बाद में रोक दिया गया। प्राथमिक स्तर से ओलचिकी लिपि में पढ़ाई इस भाषा के साहित्य को समृद्ध बनाने की दिशा में मददगार साबित होगी।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी समाज की असली पहचान उसकी माटी, भाषा, संस्कृति और परंपराओं से जुड़ाव में है। उन्होंने कहा कि आज जब बाहरी घुसपैठ और धर्मांतरण जैसी चुनौतियां समाज की जमीन और अस्तित्व पर असर डाल रही हैं, ऐसे समय में अपनी जड़ों को मजबूती से पकड़ना बेहद जरूरी है। उन्होंने जोर दिया कि भाषा, संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण और संवर्धन ही आदिवासी समाज के अस्तित्व की रक्षा कर सकता है।

उन्होंने याद दिलाया कि कई दशकों के संघर्ष और आंदोलन के बाद, केंद्र की तत्कालीन श्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने साल 2003 में संथाली भाषा को भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया था। केंद्र की मोदी सरकार द्वारा संसद के कार्यवाही की संथाली भाषा में अनुवाद की भी व्यवस्था की गई है।

चंपाई सोरेन ने बताया कि इस वर्ष केंद्र सरकार द्वारा ओलचिकी लिपि के 100 वर्ष होने पर शताब्दी समारोह मनाया जा रहा है। भारत सरकार ने पंडित रघुनाथ मुर्मू के सम्मान में और ओलचिकी के 100 वर्ष पूरे होने पर 100 का स्मारक सिक्का और एक विशेष डाक टिकट जारी किया है। इस कार्यक्रम में बड़ी में संख्या भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

विनीत तिवारी हत्याकांडः पुलिस के शिकंजे में मुख्य आरोपी का भाई, साजिश करने का आरोप

पलामू, एजेंसी। जिला के चर्चित विनीत तिवारी अपहरण और हत्याकांड के मुख्य आरोपी प्रदीप तिवारी उर्फ महाकाल के भाई दिलीप तिवारी उर्फ मिंटू को पलामू पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने दिलीप तिवारी उर्फ मिंटू न्यायिक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। दिलीप तिवारी पर अपहरण एवं हत्याकांड के साजिश में शामिल रहने का आरोप है। विनीत तिवारी के परिजनों ने दिलीप तिवारी और प्रदीप तिवारी के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज करवाई थी।

दरअसल, 25 अप्रैल को पलामू के मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र समदा आहर के पास से विनीत तिवारी का अपहरण हुआ था। 26 अप्रैल की सुबह सदर थाना क्षेत्र के जोरकट में विनीत तिवारी का शव बरामद हुआ। विनीत तिवारी की हत्या कर शव को फेंक दिया गया था। पुलिस ने पूरे मामले में कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी दिलीप तिवारी को गिरफ्तार कर लिया है।

टाउन थाना प्रभारी ज्योतिलाल रजवार ने बताया विनीत तिवारी के अपहरण और हत्याकांड की साजिश में दिलीप तिवारी शामिल रहा है। पूरी घटना को जमीन के कारोबार के विवाद में अंजाम दिया गया। पुलिस फरार आरोपियों के खिलाफ छापेमारी कर रही है और आगे की कार्रवाई भी कर रही है।

आरोपी दिलीप तिवारी से पूछताछ के दौरान पुलिस को कई जानकारी भी मिली है। शुक्रवार को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रदीप तिवारी उर्फ महाकाल के घर में मौजूद तीन लग्जरियस गाड़ियों को जब्त किया।

असम में झामुमो को खास उम्मीदें,
केंद्रीय प्रवक्ता ने कहा- जेएमएम के समर्थन के बिना यहां नहीं बन पाएगी सरकार

रांची, एजेंसी। चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे का दिन नजदीक आ गया है। 04 मई को मतगणना के बाद यह साफ हो जाएगा कि किस राज्य में जनता ने किस दल या गठबंधन पर अपना भरोसा जताया है।

इस बीच झारखंड की सत्ताधारी पार्टी और असम विधानसभा चुनाव लड़ने वाली झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय प्रवक्ता ने पांचों राज्यों के चुनाव परिणाम को लेकर खास बात कही है। टीएमसी और ममता बनर्जी के पक्ष में एक तरफा होने की उम्मीद जताते हुए मनोज पांडेय ने कहा कि इस बार बंगाल का चुनाव, बंगाली अस्मिता का चुनाव था। बंगाल पर कोई बंगाली राज करेगा या दो गुजराती, इसी मुद्दे पर पश्चिम बंगाल की जनता ने वोट किया है। मनोज पांडेय ने कहा कि पूरा बंगाल चुनाव में ममता दीदी के साथ एकजुट दिखा है और सबसे बड़ी बात है कि हेमंत सोरेन, ममता दीदी के साथ हैं। ऐसे में पश्चिम बंगाल का परिणाम टीएमसी के पक्ष में आएगा।

असम विधानसभा चुनाव में झामुमो ने 17 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ा है। इस पर केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि असम में इस बार भाजपा अपनी सरकार नहीं बना पाएगी। असम में हमारी पार्टी का बेहतरीन प्रदर्शन होगा। मनोज पांडेय ने कहा कि असम में झारखंड मुक्ति मोर्चा के समर्थन के बिना कोई सरकार नहीं बनेगी। असम में झामुमो पहली बार चुनाव लड़ा है, फिर भी हमारा प्रदर्शन बेहतरीन रहेगा।

केरल विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला स्नढ्ढस्न और ष्ठस्न के बीच होता दिखाई दे रहा है, जिसे भाजपा तीसरा कोण बनाने की कोशिश करती दिख रही है। झामुमो का मानना है कि केरल में दोनों फ्रंट के बीच बेहद नजदीकी मुकाबला है और भाजपा वहां सत्ता की रेस में नहीं है। झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता कहते हैं कि केरल में सेकुलर सरकार ही बनेगी।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय प्रवक्ता ने 04 मई को होने वाली मतगणना से पूर्व नतीजों का पूर्वानुमान लगाते हुए तमिलनाडु के संबंध में कहा कि वहां फिर से द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम गठबंधन की सरकार बनेगी।

झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि इस बार केंद्रशासित प्रदेश पुदुचेरी में कांग्रेस गठबंधन को लाभ मिलेगा और चुनाव परिणाम आने के बाद कांग्रेस की सरकार वहां बनेगी। असम विधानसभा चुनाव में झामुमो के प्रदर्शन को लेकर पूछे गए सवाल पर मनोज पांडेय ने कहा कि पहली बार झामुमो ने असम में व्यापक तरीके से और पूरी गंभीरता से चुनाव लड़ा है। वहां की जनता का हमने दिल जीता है। झामुमो नेता ने कहा कि असम की नई सरकार बिना हमारे समर्थन के नहीं बन सकेगी।

अज्ञात बदमाशों ने दो पोकलेनों में लगायी आग

- फायरिंग से लोगों के बीच दहशत
- पुलिस कर रही मामले की जांच
- छह नामजद लोगों पर प्राथमिकी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। नेमदारगंज थाना क्षेत्र में जहाना और लखमोहना के बीच सकरी नदी बालू घाट में रंगदारी को लेकर अपराधियों का दुस्साहस एक बार फिर सामने आया है। बालू घाट पर काम कर रही दो पोकलेन मशीनों को बदमाशों ने आग के हवाले कर दिया और फायरिंग कर इलाके में दहशत फैला दी। घटना 1 मई की रात करीब 11 बजे की बताई जा रही है। पीड़ित संतोष कुमार के अनुसार, करीब 5-6 हथियारबंद बदमाश बालू घाट पर पहुंचे और रंगदारी की मांग करने लगे।

बदमाशों ने मशीन चालकों और हेल्परों के साथ मारपीट की तथा उन्हें जबरन मशीन से नीचे उतार दिया। इसके बाद दोनों पोकलेन मशीनों में आग लगा दी और फायरिंग करते हुए फरार हो गए।

इस मामले में कुल छह नामजद आरोपित बनाए गए हैं, जिनमें सौरभ कुमार उर्फ बुट्टा, रामनिवास कुमार उर्फ छोटू, कौशल कुमार उर्फ कैला, मोहित कुमार उर्फ भोलु, नितिन कुमार और अंकित कुमार शामिल हैं। सभी पर रंगदारी, मारपीट, आगजनी और जान से मारने की धमकी देने का आरोप है।

घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक दोनों मशीनें बुरी तरह जल चुकी थीं।

बताया जाता है कि इससे पहले भी इन आरोपियों द्वारा रंगदारी को लेकर धमकी दी गई थी और एक अन्य मामले में लैपटॉप छीनने की घटना भी दर्ज है। इस संबंध में नेमदारगंज थाना कांड संख्या 177/26 दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी प्रेम कुमार ने बताया कि त्वरित कार्रवाई करते हुए एक नामजद आरोपी रामनिवास कुमार उर्फ छोटू को गिरफ्तार कर लिया गया है।

घायल को ठेला पर पहुंचाया गया अस्पताल

बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था की खुली पोल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था के बड़े-बड़े दावों के बीच आरा से आई एक तस्वीर ने इंसानियत को झकझोर कर रख दिया है। सड़क हादसे में घायल एक युवक जिंदगी और मौत के बीच तड़पता रहा, लेकिन मदद के लिए जिम्मेदार सिस्टम मानो कहीं गुम हो गया था।घटना नवादा थाना क्षेत्र के धोबी घटवा मोड़ की है। शुक्रवार को अरवल जिले के बलिदाद निवासी बाइक सवार राकेश कुमार सड़क हादसे का शिकार हो गए।

टक्कर के बाद वह सड़क किनारे दर्द से कराहते हुए पड़े रहे। आसपास के लोगों ने फौरन एंबुलेंस सेवा 102 पर कॉल किया, लेकिन करीब 20 मिनट तक कोई सहायता नहीं पहुंची। हालात बिगड़ते देख लोगों ने डायल 112 पर भी संपर्क किया, मगर वहां से भी कोई राहत नहीं मिली।

समय बीतता गया, दर्द बढ़ता गया और उम्मीद टूटती गई। हर गुजरते पल के साथ घायल की सांसें भारी हो रही थीं, लेकिन जिम्मेदार तंत्र की चुप्पी और भी भारी पड़ रही थी।

आखिरकार, जब सिस्टम ने साथ छोड़ दिया, तो इंसानियत ने मोर्चा संभाला। स्थानीय लोगों ने एक ठेला मंगाया और उसी पर लिटाकर घायल राकेश कुमार को किसी तरह शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

यह दृश्य किसी फिल्म का नहीं, बल्कि उस सच्चाई का आईना था, जहां कागजों पर मजबूत दिखने वाली व्यवस्था जमीन पर दम तोड़ देती है।

यह घटना सिर्फ एक युवक की पीड़ा नहीं, बल्कि उस पूरे सिस्टम पर सवाल है, जो संकट की घड़ी में नदारद हो जाता है। आरा की यह तस्वीर साफ बताती है कि आज भी आम आदमी की जिंदगी कई बार सरकारी दावों नहीं, बल्कि हालात और इंसानियत के भरोसे ही चलती है।

'स्वच्छ फल्गु, स्वच्छ गयाजी अभियान' के तहत श्रमदान एवं जनजागरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रविवार को गयाजी के रामशीला घाट पर स्थानीय लोगों के बीच जनजागरण अभियान चला कर छुट्टी के दिन प्रत्येक रविवार को श्रमदान कर घनी आबादी के बीच अवस्थित घाटों की सीढिया सहित फल्गु नदी को साफ रखने का कार्यक्रम चलाया गया।

आज के कार्यक्रम में शामिल अभियान समिति के संयोजक विजय कुमार मिट्ठू, सह संयोजक टिंकू गिरी, सरोज कुमार, मोहम्मद ताहिर हुसैन, मुन्ना मांझी, शिवेंद्र कुमार, पवन कुमार, कुंदन कुमार आदि ने कहा कि विगत एक माह से ज्यादा से प्रत्येक रविवार को स्वच्छ फल्गु, स्वच्छ गयाजी अभियान के बैनर के तले आज छठे रविवार को रामशीला घाट जिसके सीढियों पर भारी गंदगी का अम्बार लगा हुआ है, वहीं पर कार्यक्रम आयोजित कर श्रमदान किया तथा स्थानीय लोगों को श्रमदान हेतु प्रेरित करने का प्रयास भी किया गया तथा गया नगर निगम से इस घाट के गंदगी को साफ करने की भी मांग की गई।

नेताओं ने कहा कि फल्गु नदी के पश्चिम छोर पर बोधगया से चाकन्द तक तथा पूर्वी छोर पर भदेजा से गया इंजीनियरिंग कॉलेज तक मैरीन ड्राइव बनाने की भी मांग दोहराई गई।

नेताओं ने शहर के फल्गु नदी में गिरने वाली नालियों को सुरक्षित रूप से अंदर ग्राउंड पक्का नाला बना कर शहर से बाहर मैदानी इलाकों खेतों में बहने का सुदृढ़ इंतजाम करने की भी मांग दोहराई गई।

गांधी विचार मंच की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। गांधी विचार मंच की बैठक पिछले 2 मई को मंच के लाल बहादुर शास्त्री नगर, पटना स्थित कार्यालय में मंच के महामंत्री प्रमोद शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में प्रोफेसर डॉ मनोज कुमार और डॉ. देशराज वर्मा द्वारा लिखित ₹बिहार में गांधी'पुस्तक के लोकार्पण समारोह के आयोजन पर विचार किया गया।

लोकार्पण समारोह पटना संग्रहालय बुद्ध मार्ग में 5 मई को मध्यान 12:00 बजे से होगी। समारोह की अध्यक्षता अंजनी कुमार सिंह महानिदेशक बिहार संग्रहालय करेंगे मुख्य अतिथि श्री विजय कृष्ण अध्यक्ष सदाकत आश्रम पटना और विशिष्ट अतिथि अशोक कुमार निदेशक बिहार संग्रहालय तथा तारा सिन्हा अध्यक्ष चरखा समिति होगी। स्वागत गांधी विचार मंच के महामंत्री प्रमोद शर्मा, संचालन डॉक्टर प्यारेलाल और धन्यवाद ज्ञापन ललित कुमार सिंह बापू टावर पटना द्वारा किया जाएगा। लेखक द्वय द्वारा पुस्तक से परिचय कराया जाएगा।

इस अवसर पर पुस्तक के विषय वस्तु के संबंध में टंकित प्रति सभी को उपलब्ध कराया जाएगा। बिहार सर्वोदय मंडल के अध्यक्ष चंद्रभूषण द्वारा गांधी स्मृति यात्रा के अनुभव रखे जाएंगे। पुस्तक पर प्रतिक्रिया राजीव कुमार और डॉक्टर मनोज मीता द्वारा दिया जाएगा। लोकार्पण के उपरांत पुस्तक बिक्री हेतु रियायत दर पर उपलब्ध रहेगी।

शादी में आयी डांसर को बधार में ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म

ग्रामीणों ने दी पुलिस को सूचना, तीन हिरासत में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। राजपुर थाना क्षेत्र के रामपुर गांव में शादी समारोह में नृत्य करने आई नर्तकी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किए जाने की घटना सामने आई है। घटना से सनसनी फैल गई है। पुलिस आरोपितों की तलाश में छापेमारी कर रही है। इस बीच तीन युवकों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। अचेतावस्था में नर्तकी को गांव से बाहर एक मठिया के पास पड़ा देख ग्रामीणों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने उसका प्राथमिक उपचार कराया।

होश में आते ही मेडिकल जांच के लिए भेज दिया। घटना की पुष्टि करते राजपुर थानाध्यक्ष निवास कुमार ने बताया कि रामपुर निवासी शिवपूजन राजभर के यहां शुक्रवार को बारात आई थी। उसे डांस करने के लिए कैमूर के कुदरा थाना क्षेत्र के एक गांव की 22 वर्षीय नर्तकी बुलाई गई थी। देर रात कार्यक्रम समाप्त होने के बाद गांव के ही कुछ लड़के नर्तकी को जबरन उठाकर बधार में ले गए।

वहां वारदात को अंजाम दिया और डांसर को वहीं छोड़कर फरार हो गए। सुबह शौच आदि के लिए निकले ग्रामीणों ने अचेत पड़ी युवती को देख पुलिस को सूचना दी।प्राथमिक उपचार के बाद होश में आने पर पीड़िता ने गांव के कुछ लड़कों पर सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाया है। लड़की को मेडिकल जांच के लिए सदर अस्पताल भेजकर आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। इस मामले में शिवपूजन राजभर समेत तीन को हिरासत में लेकर पुलिस की पूछताछ जारी है। जल्द ही सभी आरोपितों को गिरफ्तात कर लिया जाएगा।

बिन दुल्हन लौटी बारात

मुजफ्फरपुर। जिले के बरियारपुर थाना क्षेत्र में शादी की रस्मों के दौरान बड़ा हंगामा हो गया। सिंदूरदान की रस्म से ठीक पहले दूल्हे को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि शादी टूट गई और बारात बिना दुल्हन के वापस लौट गई।

जानकारी के अनुसार, मनियारी थाना क्षेत्र निवासी कपिल सहनी के पुत्र रमेश सहनी की बारात धूमधाम से जगदीश मुखिया के घर पहुंची थी। जयमाला तक सब कुछ सामान्य रहा और दोनों पक्षों में खुशी का माहौल था। लेकिन जैसे ही सिंदूरदान की रस्म शुरू होने वाली थी, लड़की पक्ष ने दूल्हे को लेकर आपत्ति जताई।

लड़की पक्ष का आरोप था कि उन्हें वह दूल्हा नहीं दिखाया गया, जिसे उन्होंने पहले देखा और पसंद किया था। इसके साथ ही उन्होंने दूल्हे को 'मंदबुद्धि' बताते हुए शादी से इनकार कर दिया।

लग्जरी कार से शराब के साथ चार धराये

रजौली । स्थित समेकित जांच चौकी पर उत्पाद विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई में कार समेत चार लोगों को गिरफ्तार की है। उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्र के कुशल निर्देशन और निरीक्षक रामप्रीत कुमार के नेतृत्व में चलाए गए सघन वाहन तलाशी अभियान के दौरान एक सिल्वर रंग की मारुति ऑल्टो कार को रोका गया,जिससे विदेशी शराब बरामद की गई। वाहन की जांच करने पर पुलिस नेस ब्लेंडर्स प्राइड, सिग्नेचर प्रीमियम और स्टर्लिंग रिजर्व बियर जैसे ब्रांडों की कुल 1.860 लीटर विदेशी शराब जब्त की है। इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम ने कार सवार चार लोगों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है, जिनकी पहचान झारखंड के हजारीबाग निवासी आकाश कुमार, बिट्टू कुमार,राहुल कुमार और अमित कुमार के रूप में हुई है।उत्पाद विभाग ने शराब और परिवहन में प्रयुक्त वाहन को जब्त कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिससे इलाके में शादी विवाह के सीजन में मजे लेने वाले शराबियों के बीच हड़कंप मच गया है।

बेली रोड पर शव मिलने से लोगों में सनसनी

एफएसएल की टीम के साथ डॉग स्क्वायड भी पहुंचा घटनास्थल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राजधानी पटना के पॉश इलाके में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब लोगों की नजर सड़क के किनारे पड़े लड़की के शव पर पड़ी। स्थानीय लोगों ने शव मिलने की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। मामला शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र स्थित ललित भवन के पास की है।

घटना के संबंध में इस पूरे मामले पर सचिवालय-2 के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी साकेत कुमार ने बताया कि कुछ लोगों ने लड़की के शव मिलने की सूचना शास्त्रीनगर थाना को दी। सूचना मिलते ही थाना कि पुलिस और एफएसएल की टीम के साथ-साथ डॉग स्क्वायड भी घटनास्थल पर पहुंची। फिलहाल लड़की की पहचान नहीं हो पाई है। मामले को सुलझाने के लिए आसपास के सीसीटीवी भी खंगाले जा रहे हैं, ताकि लाश यहां कैसे पहुंची, इसका पता लगाया जा सके। घटना के संबंध में इस पूरे मामले पर सचिवालय-2 के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी साकेत कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल मृतका की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। एफएसएल की टीम साक्ष्य संकलन कर रही है और जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। फिलहाल इलाके में इस घटना के बाद से सनसनी फैली हुई है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी साकेत कुमार ने बताया कि घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है और मामले की गुत्थी सुलझाने के लिए वैज्ञानिक साक्ष्यों का सहारा लिया जा रहा है।

अयोध्या में चमका 'नालंदा सूरज'

कई राज्यों के घोड़े ने लिया था हिस्सा, सात को दौड़ेगा लखनऊ में

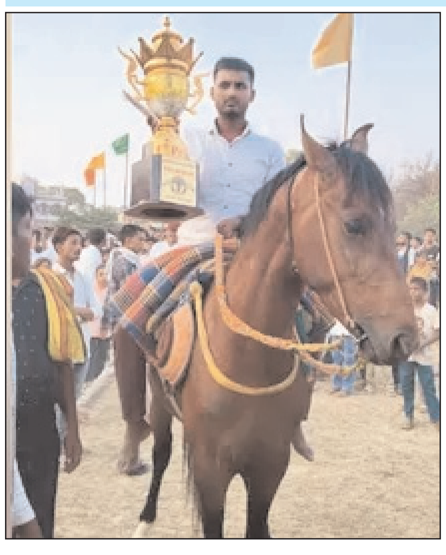

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। उत्तर प्रदेश के फैजाबाद-अयोध्या के रौनाही में 30 अप्रैल को आयोजित भव्य घुड़दौड़ प्रतियोगिता में नालंदा जिले ने शानदार उपलब्धि हासिल की है।

एकंगरसराय प्रखंड के छोटकी धावा गांव निवासी एवं पैक्स अध्यक्ष अरुण सिंह के घोड़े नालंदा सूरज ने दो दांत वर्ग की रेस में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। घुड़सवार हंसराज के साथ बेहतरीन तालमेल और तेज रफ्तार के दम पर नालंदा सूरज ने प्रतियोगिता में शामिल अन्य घोड़ों को पीछे छोड़ दिया।

प्रतियोगिता का आयोजन सरफराज खान के नेतृत्व में किया गया था, जिसमें बिहार, उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, पंजाब और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों के घोड़ों ने हिस्सा लिया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच उत्तर प्रदेश के कुशीनगर निवासी रूबी किन्नर के अलग-अलग घोड़ों ने द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

गौरतलब है कि नालंदा सूरज इससे पूर्व भी देश के विभिन्न राज्यों में आयोजित कई राज्यस्तरीय एवं राष्ट्रीय स्तर की घुड़दौड़ प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान हासिल कर चुका है।

फैजाबाद में शानदार जीत के बाद अब यह घोड़ा आगामी 7 मई को लखनऊ में आयोजित होने वाली घुड़दौड़ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पहुंच चुका है। स्थानीय लोगों और खेल प्रेमियों को उम्मीद है कि नालंदा सूरज वहां भी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से जिले का नाम रोशन करेगा।

नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर

रसूलपुर।थाना क्षेत्र की चनचौरा पंचायत के माधोपुर आर के मेमोरियल स्कूल परिसर में रविवार को निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन हुआ।गांव में एक सौ से अधिक महिला पुरुष के आंखों की जांच की गई और मात्र 20 रुपए में जरूरतमंदों को चश्में प्रदान की गई। नेत्र चिकित्सक डॉ अनामिका सिंह ने कहा कि चालीस की उम्र के बाद अपनी आंखों की जांच जरूर करा लेनी चाहिए।डॉ अनामिका ने जांच शिविर में आये ग्रामीणों को अपने दैनिक भोजन में हरी पत्तीदार सब्जियों का उपयोग करने की सलाह दी।कहा कि नेत्र रोग से बचाव में हरि सब्जी बहुत ही फायदामंद साबित होता जिसमें विटामिन ए भरपुर मात्रा में मिलता है। अखंड ज्योति आई अस्पताल की एकमा शाखा द्वारा आयोजित शिविर में रौशनी कुमारी,निभा कुमारी, संदीप शर्मा ,सुमित कुमार आदि कर्मियों ने महत्वपूर्ण भुमिका निभाई।मौके पर स्कूल के प्राचार्य नरोत्तम उपाध्याय, आचार्य जगदीश तिवारी, मिथिलेश उपाध्याय,अशोक उपाध्याय छठु आदि उपस्थित रहे।

अंतरराज्यीय हथियार तस्कर गिरोह का पदाफाश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। गंगाब्रिज थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय हथियार तस्करी के एक बड़े गिरोह का राजफाश करते हुए पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो तस्कर हरियाणा के रहने वाले हैं।पुलिस ने उनके पास से एक देसी पिस्टल और दो कारतूस बरामद किए हैं। पकड़े गए आरोपितों की पहचान हरियाणा के झज्जर जिला अंतर्गग सदर झज्जर के तलाव निवासी भीम सिंह के पुत्र लोकेश, भिवानी जिले के तोशाम थाना अंतर्गत बिढोला निवासी होशियार सिंह के पुत्र नवीन, बिदुपुर थाना के रहिमापुर वार्ड नंबर 5 के निवासी रंजीत सिंह के पुत्र मुकुल कुमार, इसी गांव के मोहन प्रसाद श्रीवास्तव के पुत्र अंकित कुमार और गंगाब्रिज थाना के कुआंरी वार्ड नंबर 16 के मंटू शुक्ला के पुत्र अभिषेक शुक्ला के रूप में हुई है। सभी आरोपितों को पूछताछ के बाद प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। यह जानकारी रविवार को सदर-1 एसडीपीओ सुबोध कुमार ने मीडिया को दी।

उन्होंने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि हिलालपुर चौक के पास राजलक्ष्मी ट्रेडर्स के एक कमरे में अवैध हथियारों की खरीद-बिक्री हो रही है।सूचना के सत्यापन के लिए एसपी विक्रम सिहाग के निर्देश पर टीम गठित कर छापेमारी की गई, जिसमें पांच तस्करों को गिरफ्तार किया गया। हालांकि, मुख्य सप्लायर राइफल राय पुलिस की भनक लगते ही फरार हो गया। इस मामले में गंगाब्रिज थाना कांड संख्या 115/26 दर्ज कर सभी आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस गिरफ्तार तस्करों के आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभिषेक शुक्ला का भाई हरियाणा में नौकरी करता है। इसी दौरान उसका हरियाणा निवासी लोकेश कुमार से उसका संपर्क हुआ था। लोकेश कुमार का स्थानीय स्तर पर जमीन विवाद था, जिसके कारण वह देसी पिस्टल खरीदने के लिए गंगाब्रिज थाना क्षेत्र आया था। 45 हजार रुपये में पिस्टल का सौदा तय हुआ था। जांच में सामने आया कि अभिषेक ने अंकित कुमार और मुकुल कुमार के माध्यम से मुख्य सप्लायर सदर थाना के दिग्घी कलां खुर्द महतो टोला निवासी राइफल उर्फ अमित कुमार से संपर्क किया।

मुकुल कुमार के कमरे पर पिस्टल मंगाई गई। लोकेश कुमार को मोबाइल पर वीडियो कॉल के जरिए हथियार दिखाया गया और भुगतान भी सप्लायर को किया गया। इसके बाद लोकेश को बिहार बुलाया गया था।

तेल की टंकी से स्प्रिट की तस्करी, गिरफ्तार

रजौली ।बिहार में पूर्ण शराबबंदी को सख्ती से लागू करने की कवायद के बीच रजौली समेकित जांच चौकी पर उत्पाद विभाग ने तस्करी के एक बेहद शातिराना तरीके का पदार्फाश किया है। उत्पाद अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान के दौरान उत्पाद निरीक्षक अमृत कुमार गुप्ता के नेतृत्व में टीम ने शुक्रवार की रात झारखंड की ओर से आ रही एक संदिग्ध स्विफ्ट डिजायर कार को रोका, जिसमें स्प्रिट लाने की गुप्त सूचना पहले ही उत्पाद निरीक्षक को मिल चुकी थी। तलाशी के दौरान जब गाड़ी के चेसिस के नीचे स्थित तेल टंकी की गहराई से जांच की गई, तो मामला संदिग्ध मिला और स्थानीय मिस्त्री की मदद से टंकी में छेद करने पर 45 लीटर अवैध स्प्रिट बरामद हुई।

रेलवे ट्रैक से प्रेमी युगल की लाश बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लातेहार। जिले के बरवाडीह-बरकाकाना रेलखंड स्थित रिचुघाटा रेलवे स्टेशन के समीप एक हृदयविदारक घटना सामने आई, जहां दो नाबालिग प्रेमी युगल ने ट्रेन से कटकर अपनी जान दे दी। घटना की जानकारी उस समय हुई जब सुबह ट्रैकमैन ने धरधरी पुल के पास डाउन लाइन पर दो शव पड़े देखे और इसकी सूचना स्टेशन मास्टर को दी।

सूचना मिलते ही लातेहार थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

एसआई राजा दिलावर के नेतृत्व में पहुंची पुलिस टीम ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतकों की पहचान सिंधु कुमारी (16 वर्ष), पिता किरानी उरांव, निवासी घोड़ाबर (कुलगड़ा, लातेहार) तथा शत्रुघ्न कुमार (17 वर्ष), पिता मंटू सिंह, निवासी ऊपाग (छिपादोहर) के रूप में हुई है।

प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा मामला

प्राथमिक जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। बताया जा रहा है कि युवक अपने रिश्तेदार के यहां रिचुघाटा आया हुआ था, जहां दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं। परिजनों के अनुसार, युवती गुरुवार को एक शादी समारोह में शामिल होने गई थी, जिसके बाद से वह लापता थी। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला।

शुक्रवार सुबह दोनों के शव रेलवे ट्रैक पर क्षत-विक्षत अवस्था में बरामद हुए। पुलिस के अनुसार, दोनों के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान हैं।

आशंका जताई जा रही है कि दोनों ने ट्रैक पर लेटकर आत्महत्या की है, हालांकि अभी तक इसके स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

सड़क पर बह रहा नाले का गंदा पानी, लोग हो रहे हलकान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फलका /कटिहार। फलका बाजार मुख्य मार्ग से हाट जाने वाली सड़क में जलजमाव, नाले से बहता गंदा पानी से आमलोगों का जीना मुहाल हो गया है। वहीं आने-जाने वाले छात्र-छात्राएं भी खासे परेशान हैं। इससे बेखबर स्थनीय प्रखंड प्रशासन व जनप्रतिनिधि मूकदर्शक बने हुए हैं। हाट जाने वाले इस नाले का गंदा पानी सड़क पर बहने से स्थिति नारकीय हो गई है। इससे लोगों का पैदल चलना दूभर हो गया है, लेकिन इस नारकीय स्थिति से निजात दिलाने के लिए आज तक कोई सामने नहीं आया है। इससे ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति खासा रोष है। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क पर गंदा पानी जमा होने से आवागमन में परेशानी होती है।

हाट जाने के लिए एक मात्र रास्ता है। इस रास्ते में नाली का गंदा पानी लगा रहता है। जब प्रखंड कार्यालय स्वच्छता का ढिंढोरा पीट रहा है। हाट जाने वाली सड़क पर नाला से निकलने वाला गंदा पानी सड़क पर ही बहता है। स्थानीय जनप्रतिनिधि की पहल से इस नारकीय स्थिति से निजात दिलाई जा सकती है। पर इस पर किसी ने पहल नहीं की गई। हाट के मार्ग पर गंदा पानी की समस्या होने से चलना दूभर हो गया है।आधे - अधूरे नाली निर्माण होने से नाला का पानी निकासी नहीं रहने के कारण रोड पर भरा रहता है। इससे मार्ग पर गुजरने वाले लोगों को परेशानी हो रही है। साथ ही जलजमाव से ग्रामीणों को संक्रामक बीमारी फैलने का भय बना हुआ है। इस बीडीओ से बात नहीं हो सकी। वहीं पंचायत के मुखिया ने समस्या को लेकर ग्रामीणों को जल्द ही निदान करने का अवसान दिया गया है।

समाजसेवी, पत्रकार की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद के महाराणा प्रताप चौक के समीप अवस्थित स्थानीय सिद्धपीठ पर साहित्यिक संस्था समकालीन जवाबदेही परिवार एवं औरंगाबाद जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में समाजसेवी, पत्रकार शिवकुमार सिंह के सातवीं पुण्यतिथि पर एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गयी। सभा की अध्यक्षता जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह और संचालन मीडिया प्रभारी सुरेश विद्यार्थी ने किया। उपस्थित लोगों ने उनके व्यक्तित्व एवं तृतीय प्रभाव पर चर्चा करते हुए बताया कि शिवकुमार बाबू ने आजीवन समाज -सेवा का व्रत ले रखा था।कई बार पैक्स अध्यक्ष भी निर्वाचित हुए थे ,जिसके माध्यम से उन्होंने जनता की भरपूर सेवा की थी। समकालीन जवाबदेही के प्रधान संपादक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्र एवं प्रोफेसर शिव पूजन सिंह ने कहा कि एक पत्रकार के रूप में उन्होंने निष्पक्ष पत्रकारिता को अपना धर्म माना।उनके सुपुत्र इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ कुमार वीरेंद्र साहित्य के क्षेत्र में युवा समीक्षक के रूप में अपनी एक खास पहचान रखते हैं ।उन्होंने बताया कि उनके पिता ही उनके प्रेरणा स्रोत और आदर्श थे। इस अवसर पर जिन लोगों ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धां निवेदित की उनमें डॉ शिवपूजन सिंह,कवि लवकुश प्रसाद सिंह, प्रो रामविलास प्रसाद, समाज सेवी अलखदेव सिंह, सीआईडी के अर्जुन प्रसाद सिंह, शिक्षक नेता राम भजन सिंह,पूर्व प्रधानाध्यापक राम सुरेश सिंह, इंजीनियर अरविंद सिंह, नारायण बाबू ,चंदन कुमार आदि प्रमुख थे।

बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी पहुंचे आरा, जिलास्तरीय बैठक में हुए शामिल

जनसेवा के संकल्प को आगे बढ़ाने के लिए हम सभी प्रतिबद्ध : संजय सरावगी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी आज आरा पहुंचे। आरा पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान वे आरा के भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित जिला स्तरीय बैठक और जिला कोर कमिटी की बैठक में शामिल हुए। इन बैठकों में स्थानीय निकाय उपचुनाव के संदर्भ में व्यापक चर्चा हुई। जिला स्तरीय बैठक का शुभारंभ अध्यक्ष संजय सरावगी द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर तथा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर उन्होंने आगामी निकाय उपचुनाव में एनडीए समर्थित प्रत्याशी कन्हैया प्रसाद को विजयी बनाने का आह्वान किया। उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि

हमें न केवल आशा, बल्कि पूर्ण विश्वास है कि भोजपुर के सभी सम्मानित जनप्रतिनिधि एवं मतदाता इस बार भी एनडीए प्रत्याशी को प्रचंड बहुमत से विजयी बनाकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में चल रही सुशासन, समृद्धि एवं विकास की यात्रा को और अधिक सशक्त करेंगे। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विकास के रास्ते को आगे बढ़ाते हुए सीएम सम्राट चौधरी बिहार को समृद्धि की ओर ले जाने में जुटे हैं। इससे पहले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बामपाली (आरा) स्थित पार्टी कार्यालय में जिला कोर कमिटी की महत्वपूर्ण बैठक में शामिल हुए। बैठक के दौरान संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं आने वाले उपचुनाव की तैयारियों को लेकर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया। प्रदेश अध्यक्ष ने विश्वास जताते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं के समर्पण और नेतृत्व के मार्गदर्शन में संगठन को और सशक्त बनाते हुए जनसेवा के संकल्प को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए हम सभी प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि बिहार ने विकास की राह पकड़ी है अब हमारी टीम इस गति को और तेज करेगी और इस बिहार को समृद्धि की ओर ले जाने के लिए हम सब प्रतिबद्ध हैं। बैठक में जिला अध्यक्ष दुर्गा राज, पूर्व मंत्री सह विधायक संजय सिंह 'टाइगर' , विधायक राकेश ओझा, विधायक महेश पासवान, पूर्व मंत्री अमरेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व सांसद मीना सिंह, आरा नगर निगम की महापौर इंदु देवी, जिला प्रभारी राजेश सिन्हा, प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धार्थ शंभू सहित अन्य लोगों की उपस्थिति रही। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी के जिला कार्यालय, बामपाली, आरा पहुंचने पर बड़ी संख्या में उपस्थित समर्पित कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी और उत्साह के साथ स्वागत किया।

निशांत कुमार की सद्भाव यात्रा से बढ़ी जनता की उम्मीदें : राजीव रंजन प्रसाद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जनता दल यू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा है कि निशांत कुमार की बहुप्रतीक्षित यात्रा से बिहार की जनता की उम्मीदें बढ़ गई हैं। उन्होंने बताया कि इस यात्रा से पार्टी कार्यकर्ताओं के हौसले भी बुलंद हुए हैं और संगठन को नई मजबूती मिलेगी। राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि निशांत कुमार राज्य के विभिन्न हिस्सों में कई चरणों में कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करेंगे। इससे न केवल संगठन का विस्तार होगा, बल्कि पार्टी की नीतियों और विचारों को भी जन-जन तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि निशांत कुमार ने चंपारण सत्याग्रह की पावन भूमि से सद्भाव यात्रा की शुरुआत कर यह स्पष्ट कर दिया है कि वे पिछले दो दशकों में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा किए गए कार्यों, उपलब्धियों और जनता दल यू की नीतियों को लोगों तक पहुंचाने का अभियान चलाएंगे। राजीव रंजन प्रसाद ने विश्वास जताया कि सद्भाव यात्रा को जनता का व्यापक समर्थन मिलेगा और यह अभियान अभूतपूर्व सफलता हासिल करेगा।

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर श्रवण कुमार ने पत्रकारों को दी शुभकामनाएं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जनता दल यूनाइटेड विधायक दल के नेता श्रवण कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर 'विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस' के अवसर पर सभी पत्रकारों, रिपोर्टर, संपादक, फोटोग्राफर, मीडिया कर्मियों, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और प्रिंट मीडिया से जुड़े सभी साथियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पत्रकारों की कलम और उनकी आवाज ही आम जनता

की ताकत बनती है तथा शासन और प्रशासन को जवाबदेह बनाती है। उन्होंने कहा कि विषम परिस्थितियों, दबावों और चुनौतियों के बीच भी सच्चाई को उजागर करने का पत्रकारों का संकल्प समाज के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। श्रवण कुमार ने अपने संदेश में कहा कि 'विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस' के अवसर पर उनकी कामना है कि पत्रकारों की कलम सदैव सत्य के पक्ष में चले और लोकतंत्र को सशक्त बनाने में उनकी भूमिका निरंतर बनी रहे।

डॉ. आनंद रंजन झा दंपति ने लिया शिक्षा और कौशल विकास का संकल्प

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जंदाहा/वैशाली। प्रसिद्ध शिक्षाविद् और समाजसेवी डॉ. आनंद रंजन झा तथा उनकी पत्नी किरण कुमारी ने अपनी वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर समाज में शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। डॉ. आनंद रंजन झा, जो लंबे समय से शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में सक्रिय हैं, ने इस अवसर पर कहा कि जीवन की हर सफलता के पीछे परिवार का सहयोग सबसे महत्वपूर्ण होता है। वहीं किरण कुमारी ने पारिवारिक मूल्यों और आपसी समझ को वैवाहिक जीवन की सबसे बड़ी शक्ति बताया। वर्षगांठ के इस शुभ अवसर पर परिवार, मित्रों और शुभचिंतकों ने दंपति को हार्दिक बधाइयां दीं और

उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की। समारोह के दौरान दोनों ने केक काटकर और दीप प्रज्वलित कर एक-दूसरे के प्रति अपने प्रेम और समर्पण को पुनः व्यक्त किया।

पिछले 20 वर्षों में बिहार ने की उल्लेखनीय प्रगति : राज्यपाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने इवेंटजिक मीडिया द्वारा होटल, मौर्या में आयोजित ''बिहार एजुकेशन समिट'' में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पिछले 20 वर्षों में बिहार ने उल्लेखनीय प्रगति की है, विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र में। लोगों का आत्मविश्वास बढ़ा है और विकास के कई महत्वपूर्ण आयाम सामने आए हैं। परंतु बिहार के विकास की कहानी को देश और दुनिया में प्रभावी ढंग से पहुंचाने की जरूरत है। किसी भी समाज की प्रगति तभी सार्थक होती है जब उसकी उपलब्धियां व्यापक रूप से साझा की जाए। राज्यपाल ने कहा कि बिहार की एक विशिष्ट सभ्यतागत विरासत है। पाटलिपुत्र और मगध से ही भारतीय सभ्यता की नींव विकसित हुई। यह समृद्ध इतिहास बिहार को देश के सबसे सशक्त सांस्कृतिक केंद्रों में स्थापित

करता है। अब आवश्यकता है कि इस शक्ति को पहचान और प्रतिष्ठा भी मिले। उन्होंने कहा कि आगे बढ़ने के लिए बिहार को केवल आर्थिक निवेश ही नहीं, बल्कि बौद्धिक और संस्थागत रुचि को भी आकर्षित करना होगा। बिहार को ऐसे संस्थान विकसित करने चाहिए जिनके विद्यार्थी वैश्विक स्तर पर राज्य का प्रतिनिधित्व कर सकें। साथ ही शिक्षा को केवल औपचारिक कक्षा-शिक्षण तक सीमित नहीं रखना चाहिए। प्रौद्योगिकी, विशेषकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, नए अवसर प्रदान करती है, लेकिन बिहार की कला और संस्कृति भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। मधुबनी कला जैसी परंपराएं अपने आप में एक सशक्त शिक्षा हैं। उन्होंने कहा कि हमें अनौपचारिक शिक्षा को भी बढ़ावा देना होगा, जैसे सेमिनार, संगोष्ठी और संवाद आदि विचारों के आदान-प्रदान के लिए मंच आवश्यक हैं जब लोगों को अपने विचार रखने का अवसर मिलता है तो अद्भुत सोच सामने आती है। इस प्रकार के अवसरों का लोकतंत्रीकरण समाज और शिक्षा दोनों को मजबूत करता है।

बिहार में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं : आनंद मिश्रा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भाजपा विधायक आनंद मिश्रा ने कहा कि सिवान में एक बार फिर हुए इनकाउंटर ने साबित कर दिया कि बिहार में कानून का राज मजबूती से दिख रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों में कई बड़े अपराधी चेहरे जैसे आज सिवान में सोनू यादव, उससे पहले छोटू यादव, भागलपुर का राजधानी यादव, मोतिहारी में कुंदन ठाकुर, प्रियांशु दुबे बेगूसराय और खगड़िया के कई हिस्ट्रीशीटर अपराधी कानून के शिकंजे में आ रहे हैं। इन पर हत्या, संगठित अपराध के कई आरोप हैं जब भी पुलिस ने चुनौती दी है, पुलिस पर ही हमला करने की कोशिश की है। ऐसे में पुलिस के पास कानून के दायरे में रहते हुए कार्रवाई करने का एकमात्र यही उपाय बचता है। अब साफ संदेश है कि कानून से ऊपर कोई नहीं जो अपराध करेगा, परिणाम भुगतना होगा। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई किसी जाति, क्षेत्र या धर्म के खिलाफ नहीं है। अपराधी की एक ही पहचान होती है कि वह अपराधी है। यह समझना होगा।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी से की मुलाकात

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना /दिल्ली। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दिल्ली स्थित आवास पर केन्द्रीय मंत्री और हम के सुप्रीम लीडर जीतन राम मांझी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच बिहार के विकास और विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का स्वागत महात्मा गांधी के प्रतीक स्वरूप चरखा भेंट कर किया। इस अवसर को सौहार्दपूर्ण और महत्वपूर्ण बताया गया। बैठक में हम सेक्युलर के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मंत्री संतोष मांझी, केन्द्रीय मंत्री के सलाहकार दानिश रिजवान तथा गणेश कुमार सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे। बताया गया कि इस मुलाकात में बिहार के विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया और राज्य के हित में समन्वय बनाकर कार्य करने पर जोर दिया गया।

पंचायतों में पोषण क्रांति, कुपोषण पर लगाम, महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर जनप्रतिनिधियों का जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य की पंचायतों में जनप्रतिनिधियों द्वारा महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कुपोषण, एनीमिया, कैल्शियम जैसी गंभीर समस्याओं को जड़ से खत्म करने के लिए गांव स्तर पर पोषण वाटिका लगाई जा रही है और युद्धस्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इन प्रयासों के माध्यम से हजारों बच्चों के भविष्य को अंधकार से उजाले की ओर ले जाने की सकारात्मक कोशिश की जा रही है। नालंदा जिले के हरनौत प्रखंड के तेलमर पंचायत के मुखिया विद्यानंद बिंद (42 वर्ष) सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहते हैं। इस नाते वे जनता के मुख्य मुद्दों को गंभीरता से समझते हैं और उनके त्वरित समाधान ढूंढते हैं। उन्होंने अपने पंचायत में कुपोषण की समस्या को पहचाना और उन क्षेत्रों को चिन्हित किया जहां वंचितों तक पोषण का कोई स्त्रोत नहीं पहुंच रहा था। इस समस्या को जड़ से मिटाने के लिए उन्होंने गांववालों को घर के पास ही पोषण वाटिका लगाने की सलाह दी। मुखिया विद्यानंद बताते हैं कि पंचायती राज विभाग की तरफ से आयोजित विभिन्न ट्रेनिंग के जरिए उन्होंने पोषण के महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त की। ग्राम सभाओं में स्वस्थ शरीर के लिए पोषण की आवश्यकता पर चर्चा की। आंगनबाड़ी सेविकाओं और सहायिकाओं के माध्यम से गांव की महिलाओं को पोषण वाटिका लगाने के लिए प्रेरित किया। अपने खर्चे पर बीज मंगवाकर विशेष रूप से दलित बस्तियों में पोषण वाटिका लगाई जिससे वहां की महिलाओं और बच्चों में एनीमिया की कमी दूर हो सके और लाल-हरी पत्तेदार सब्जियां हमेशा उपलब्ध रहें। यह देखकर गांव के अन्य लोग भी प्रेरित हो रहे हैं और घर के पास छोटी जगह में पौष्टिक सब्जियां उगा रहे हैं। मुखिया ने अपने गांव में 'सही पोषण, देश रोशन' का नारा भी दिया है। नवादा जिले के ही वारिसलीगंज प्रखंड के मोहद्दीनपुर पंचायत में एक नई शुरुआत हुई जब प्रभु प्रसाद पहली बार मुखिया बने। प्रशिक्षण के दौरान मिली जानकारी से प्रेरित होकर उन्होंने समाज में बदलाव लाने का फैसला किया। उन्होंने अपने पंचायत को डिब्बे के दूध से मुक्त करने का लक्ष्य रखा। इसके लिए वे स्वयं महिलाओं को स्तनपान की अहमियत समझाते हैं। यह मुहिम आसान नहीं थी। प्रभु प्रसाद ने खुद मैदान में उतरकर स्वास्थ्य कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी शुरू की।

ओवरलोडिंग और अवैध नाव संचालन पर पटना डीएम के सख्त निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। नदियों में नावों के सुरक्षित संचालन को लेकर जिला प्रशासन सख्त निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी, पटना ने नावों के तय मानकों का उल्लंघन कर परिचालन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जन सुरक्षा से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिलाधिकारी ने संबंधित अनुमंडल पदाधिकारियों एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों को निर्देशित किया है कि ओवरलोडिंग या अवैध रूप से नाव संचालन करने वालों के खिलाफ सख्त विधि-सम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही जिला परिवहन पदाधिकारी और अनुमंडल पदाधिकारियों को नावों के निबंधन से जुड़ी सभी शर्तों का अनुपालन कराने का निर्देश दिया गया है। प्रशासन के अनुसार नावों के संचालन के लिए निबंधन अनिवार्य है। निबंधन के दौरान कैरियिंग कैपेसिटी, सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता तथा अन्य आवश्यक मानकों की जांच मोटर वाहन निरीक्षक (एमवीआई) द्वारा की जाती है। इन मापदंडों का उल्लंघन करने वाले नाव स्वामियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने आम लोगों से भी अपील की है कि वे नाव से यात्रा करते समय सुरक्षा मानकों का पालन करें, क्षमता से अधिक सवारी न करें तथा लाइफ जैकेट का उपयोग अवश्य करें। साथ ही अंचल अधिकारियों को नियमित निगरानी एवं पर्यवेक्षण के निर्देश दिए गए हैं।

एक्युप्रेशर चिकित्सकों का महाकुम्भ 26 को

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। अगामी 26 मई को 33वां राष्ट्रीय एक्युप्रेशर/एक्युपंक्चर सम्मेलन बिहार एक्युप्रेशर योग कॉलेज, इण्डियन काउन्सिल ऑफ एक्युप्रेशर योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता मिशन के संयुक्त तत्वावधान में अधिवेशन भवन सभागार पुराना सचिवालय में आयोजित किया जायेगा। सम्मेलन संयोजक डा. अजय प्रकाश ने बताया कि राष्ट्रीय सम्मेलन में 18 राज्यों से पांच सौ चयनित चिकित्सक भाग लेंगे तथा 8 विषयों सहित डायबिटीज पर शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। एक्युप्रेशर जनक डा. चन्द्रमा प्रसाद गुप्त की 105वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में एक्युप्रेशर पुस्तक एक्युप्रेशर डिजीज एंड मैनजमेंट, आयुष्मान भवः स्मारिका का विमोचन एवं जनोपयोगी एक्यु फाइंड फ्री ऐप भी लॉन्च किया जायेगा। चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किए हुए 32 चिकित्सकों को सम्मानित किया जायेगा। सम्मेलन में कई प्रमुख राजनेतागण, शिक्षाविद्, प्रमुख चिकित्सक एवं गणमान्य व्यक्ति भी शामिल होंगे। सम्मेलन की अध्यक्षता एक्युप्रेशर महागुरू डा. सर्वदेव प्रसाद गुप्त करेंगे।

फ्यूचरिस्टिक कोर्सेज के साथ जैन यूनिवर्सिटी दे रही बच्चों के करियर को नई दिशा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बदलते समय में करियर चुनना युवाओं के लिए एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए जैन यूनिवर्सिटी द्वारा पटना के स्थानीय होटल रेड वेलवेट में एक विशेष करियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया जहां छात्र-छात्राओं को भविष्य के अनुरूप कोर्स और करियर विकल्पों की विस्तृत जानकारी दी गई। इस काउंसलिंग सत्र में जैन यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को डेटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी, एयरोस्पेस इंजीनियरिंग और मॉडर्न मैनेजमेंट जैसे फ्यूचरिस्टिक कोर्सेज के बारे में मार्गदर्शन दिया। साथ ही उनके द्वारा यह भी बताया गया कि किस प्रकार इंडस्ट्री की बदलती मांग के

अनुसार सही कोर्स का चयन कर वे अपने करियर को नई दिशा दे सकते हैं। छात्रों को संबोधित करते हुए जैन यूनिवर्सिटी के अधिकारी ने कहा कि जैन यूनिवर्सिटी का पाठ्यक्रम केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे इस तरह से डिजाइन किया गया है कि छात्र वास्तविक जीवन की पेशेवर चुनौतियों के लिए तैयार हो सके। विश्वविद्यालय नैक ए प्लस प्लस मान्यता प्राप्त है और इसका प्लेसमेंट रिकॉर्ड भी काफी मजबूत है जहां छात्रों को 81.25 लाख रुपये प्रति वर्ष तक का उच्चतम पैकेज प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट में इंडस्ट्री-इंटीग्रेटेड कोर्सेज भी उपलब्ध हैं जो आईबीएम, पीडब्लूसी, सीमेंस आदि के सहयोग से संचालित किए जाते हैं। जैन यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स साइंस, मनोविज्ञान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग, हेल्थ केयर आदि क्षेत्रों में भी पाठ्यक्रम प्रदान करता है। साथ ही यूनिवर्सिटी स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम ऑनलाइन मोड में भी उपलब्ध कराता है। उन्होंने कहा कि यह काउंसलिंग सत्र उन छात्रों के लिए विशेष रूप से उपयोगी होगा जो अपने करियर को लेकर असमंजस में हैं या नए और आधुनिक कोर्सेज के बारे में जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं। उन्होंने बच्चों से जैन यूनिवर्सिटी के साथ अपने करियर की सही शुरुआत कर अपने भविष्य की ओर मजबूत कदम बढ़ाने की अपील की।

डॉलर इंडस्ट्रीज के संस्थापक दीनदयाल गुप्ता का निधन, व्यापार जगत में शोक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। देश की प्रमुख होजरी एवं परिधान कंपनी डॉलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड के संस्थापक और चेयरमैन एमेरिटस दीनदयाल गुप्ता के निधन पर व्यापारिक और उद्योग जगत में शोक व्यक्त किया गया है। उनका कोलकाता में उम्र संबंधी बीमारियों के कारण निधन हो गया। दीनदयाल गुप्ता भारतीय होजरी उद्योग के प्रमुख स्तंभ माने जाते थे। उन्होंने वर्ष 1972 में डॉलर इंडस्ट्रीज की स्थापना की थी। उनके नेतृत्व में कंपनी ने छोटे स्तर से शुरुआत कर देश की अग्रणी होजरी कंपनियों में स्थान बनाया। आज कंपनी 1700 करोड़ से अधिक कारोबार वाले बड़े समूह के रूप में स्थापित है। पटना के कपड़ा व्यवसायियों ने कहा कि दीनदयाल गुप्ता जैसे उद्योगपति नई पीढ़ी के उद्यमियों के लिए प्रेरणास्त्रोत थे। सीमित संसाधनों से व्यापार शुरू कर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाना उनकी मेहनत, दूरदर्शिता और ईमानदारी का उदाहरण है। हरियाणा के भिवानी जिले के मनहेरू गांव में जन्मे श्री गुप्ता ने वर्ष 1962 में कोलकाता जाकर कारोबार की शुरुआत की थी। बाद में उन्होंने अपने अथक प्रयासों से कंपनी को देशभर में स्थापित किया। बिहार सहित पूर्वी भारत के बाजारों में डॉलर ब्रांड की मजबूत पहचान बनाने में उनकी बड़ी भूमिका रही। व्यापार के साथ-साथ वे शिक्षा, स्वास्थ्य और समाजसेवा के क्षेत्र में भी सक्रिय रहे।

मिट्टी जांच में बिहार अग्रणी, दो साल में 8 लाख नमूनों की जांच

राज्य के 25 जिलों में बनाई गई है 32 नई अनुमंडल स्तरीय मिट्टी जांच प्रयोगशालाएं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मिट्टी जांच में राज्य ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कृषि विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार विगत दो वित्तीय वर्षों में 8 लाख मिट्टी के नमूनों की जांच की गई है, तीन वर्ष में एक बार मिट्टी की जांच की जाती है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 5 लाख और वर्ष 2025-26 में 3 लाख मिट्टी के नमूनों की जांच की गई है। यह आंकड़ा राज्य को मिट्टी के स्वास्थ्य जांच में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करता है। साथ ही, राज्य सरकार कृषि के तेज विकास के लिए मिट्टी जांच की सुविधाओं का तेजी से विस्तार कर रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अनुमंडल स्तर पर 25 जिलों में कुल 32 मिट्टी जांच प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं। वहीं राज्य में पहले से 14 अनुमंडल स्तरीय मिट्टी जांच प्रयोगशालाएं कार्यरत हैं। इसके अलावा कृषि विश्वविद्यालयों एवं कृषि विज्ञान केंद्रों के स्तर से संचालित मिट्टी जांच प्रयोगशालाओं में भी नमूनों की जांच की जाती है। किसानों को अपने जिले में ही यह सुविधा मिले, इसके लिए राज्य के सभी 38 जिलों में जिला स्तरीय मिट्टी जांच प्रयोगशालाएं कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त प्रत्येक प्रमंडल में एक-एक, अर्थात कुल 9 चलंत मिट्टी जांच प्रयोगशालाएं भी संचालित हैं। साथ ही ग्राम स्तर पर 72 मिट्टी जांच प्रयोगशालाएं भी कार्य कर रही हैं। जांच की गुणवत्ता के अनुश्रवण के लिए केंद्रीय मिट्टी जांच प्रयोगशाला के अतिरिक्त, राज्य में स्थित दोनों कृषि विश्वविद्यालयों की मिट्टी जांच प्रयोगशालाओं को रेफरल प्रयोगशाला के रूप में अधिसूचित किया गया है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शक दस्तावेज है जिसके माध्यम से उन्हें उनके खेत की मिट्टी में उपलब्ध पोषक तत्वों की सटीक जानकारी दी जाती है। जांच परिणामों के आधार पर किसानों को उनके खेत के रकबे एवं फसल के अनुसार संतुलित उर्वरक उपयोग की अनुशंसा की जाती है जिससे अनावश्यक और अंधाधुंध रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग में कमी आती है। रासायनिक उर्वरकों के स्मार्ट उपयोग से जहां फसलों का उत्पादन बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर गैर-जरूरी उपयोग कम होने से कृषि लागत में भी कमी आ रही है। इससे किसानों की आय बढ़ रही है और उनमें खुशहाली आ रही है।

सरकारी विद्यालयों में बदलाव की नई पहचान बना 'टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स'

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्य के सरकारी विद्यालयों में बेहतर शैक्षिक वातावरण तैयार करने की दिशा में 'टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स' समूह पिछले कई वर्षों से निःस्वार्थ भाव से कार्य कर रहा है। वर्ष 2019 से सक्रिय यह समूह विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से शिक्षकों, छात्रों एवं शिक्षा प्रेमियों को जोड़ते हुए शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और सकारात्मक बदलाव की मिसाल बन चुका है। समूह का मुख्य उद्देश्य सरकारी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रचनात्मक गतिविधियों तथा नवाचारों को बढ़ावा देना है। टीचर्स ऑफ बिहार के प्रयासों का प्रभाव अब राज्य के अधिकांश विद्यालयों में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। शिक्षक अपने विद्यालयों में नई गतिविधियों और तकनीकी संसाधनों का उपयोग करते हुए बच्चों के सीखने के स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा शिक्षा, साहित्य, विज्ञान, बाल गतिविधियों एवं नवाचारों को केंद्र में रखते हुए अनेक पत्रिकाओं का नियमित प्रकाशन किया जा रहा है। इनमें दैनिक ज्ञानकोश, प्रज्ञानिका, पद्यपंकज, गद्यगुंजन, बालमन, बालमंच, कर्मणा, अनुसंधानम, अभिमत, प्रकृति प्रहरी, प्रगाथा, विद्यार्थी दर्पण, रेलगाड़ी (बालमन एक्सप्रेस), चम्पारण ज्ञानाग्रह, सुरक्षित शनिवार और बैगलेस डे, प्रोजेक्ट शिक्षक साथी, शिक्षक और एआइ तथा भावों की उड़ान जैसी पत्रिकाएं शामिल हैं। इन पत्रिकाओं के माध्यम से शिक्षकों और विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया जा रहा है।

संपादकीय

पश्चिम एशिया का तनाव बना वैश्विक संकट

फिलहाल वैश्विक आर्थिक परिदृश्य नाजुक स्थिति में है। अलग-अलग स्तर पर जारी भू-राजनीतिक संघर्ष का असर कितने स्तर पर पड़ेगा, अभी इसका स्पष्ट अनुमान नहीं लगाया जा सकता।अनिश्चितता भरे इस माहौल के बीच तेल आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान का प्रभाव दिखाई दे रहा है।पश्चिम एशिया में युद्ध और उससे उपजे तनाव के कारण न केवल इसमें शामिल पक्षों के रणनीतिक मोर्चे पर, बल्कि इसके असर की वजह से दुनिया भर में आर्थिक मोर्चे पर उथल-पुथल मची हुई है। तेल और गैस की कीमतों में उछाल से ज्यादातर देश अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। ईंधन के लिए मध्यपूर्व के देशों पर निर्भरता के कारण आयात पर बढ़ रहे खर्च को संभालना इस समय कई देशों के लिए बड़ी चुनौती है। सबसे बड़ा संकट यह है कि ईरान और अमेरिका के बीच गतिरोध के कारण वैश्विक अस्थिरता और इससे उपजी समस्या जटिल होती जा रही है।नतीजा यह कि इसका असर कई देशों पर पड़ा है। अनिश्चितता की वजह से एक ओर शेयर बाजार में अक्सर भारी गिरावट देखी जा रही है और उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी हुई है, वहीं सोने-चांदी के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं। इससे निवेशक आशंका में डूबे हैं और वे सुरक्षित निवेश के विकल्पों की ओर देख रहे हैं। जहां तक भारत का सवाल है, तो यहां की अर्थव्यवस्था पर फिलहाल कोई बड़ा असर तो नहीं दिख रहा है, लेकिन पिछले कुछ महीनों में देश में तेल और गैस की किल्लत के समांतर औद्योगिक उत्पादन में कमी चिंता का विषय है। विकास की रफ्तार पर इसका कितना असर पड़ेगा, इसका आकलन शायद बाद में आए, लेकिन आम आदमी के लिए मुश्किलें गहराने की ही आशंका है।अनिश्चितता भरे इस माहौल के बीच तेल आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान का प्रभाव दिखाई दे रहा है। फिलहाल वैश्विक आर्थिक परिदृश्य नाजुक स्थिति में है। अलग-अलग स्तर पर जारी भू-राजनीतिक संघर्ष का असर कितने स्तर पर पड़ेगा, अभी इसका स्पष्ट अनुमान नहीं लगाया जा सकता। हालांकि इतना तय है कि पहले ही महंगाई और क्रयशक्ति में कमी से परेशान आम लोगों पर दबाव बढ़ेगा।जिन देशों का वित्तीय ढांचा मजबूत है और ऊर्जा के विकल्प मौजूद हैं, वहां शायद स्थिति नियंत्रण में रहे, लेकिन जो देश इस मामले में बाहर से आपूर्ति पर निर्भर हैं, उनके लिए चुनौतियां गहरी होंगी। जरूरत इस बात की है कि वैश्विक पैमाने पर आर्थिक मोर्चे पर हो रहे व्यापक नुकसानों के मद्देनजर युद्ध और तनाव जैसे हालात को खत्म करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सहित अन्य स्तर पर ठोस पहल हो।

ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट राष्ट्रहित में है, इसका विरोध करना चीन का खुलकर समर्थन करने जैसा है

(नीरज कुमार दुबे)

ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट पर छिड़ी बहस के बीच, इसे हिंद महासागर में चीन की 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' रणनीति का मुकाबला करने और भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण बताया जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि मलक्का जलडमरूमध्य पर भारत की यह सामरिक बढ़त देश के आर्थिक और रणनीतिक भविष्य के लिए एक निर्णायक कदम है।

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के ग्रेट निकोबार द्वीप पर प्रस्तावित विकास परियोजना को लेकर देश में तीखी बहस छिड़ गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस परियोजना को देश की प्राकृतिक और जनजातीय विरासत के खिलाफ सबसे बड़ा अपराध और घोटाला बताया है। उन्होंने अपने दौरे के बाद कहा कि यहां के घने जंगल, जो सदियों में विकसित हुए हैं, अब बड़े पैमाने पर काटे जाने के खतरे में हैं। उन्होंने कहा कि लगभग 160 वर्ग किलोमीटर वर्षावन क्षेत्र को समाप्त किया जाएगा और लाखों पेड़ों की कटाई होगी, जिससे स्थानीय आदिवासी समुदायों का अस्तित्व भी संकट में पड़ सकता है। राहुल गांधी ने इसे विकास के नाम पर विनाश बताया और कहा कि वह इस मुद्दे को संसद में उठाएंगे। उनका आरोप है कि स्थानीय समुदायों की सहमति के बिना उनकी जमीन और संसाधनों को छीना जा रहा है। हम आपको याद दिला दें कि कांग्रेस की ओर से पहले भी इस परियोजना को लेकर चिंता जताई गई थी, जिसमें इसे शोंपेन जनजाति और द्वीप के पारिस्थितिकी तंत्र के लिए खतरा बताया गया। सोनिया गांधी ने इस मुद्दे को उठाते हुए समाचार-पत्रों में एक विस्तृत लेख लिखा था।

दूसरी ओर, इस परियोजना को देश की सामरिक और आर्थिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नीति आयोग द्वारा तैयार और केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत इस योजना की लागत लगभग 81000 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इसमें चार प्रमुख घटक शामिल हैं, जिनमें एक विशाल ट्रांसशिपमेंट बंदरगाह, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, ऊर्जा संयंत्र और सैन्य ढांचे का विस्तार शामिल है। हम आपको बता दें कि ग्रेट निकोबार की भौगोलिक स्थिति इसे विशेष बनाती है। यह मलक्का जलडमरूमध्य के प्रवेश द्वार के पास स्थित है, जो दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री मार्गों में से एक है। चीन का लगभग 80 प्रतिशत तेल आयात और उसका बड़ा व्यापार इसी मार्ग से गुजरता है। ऐसे में इस क्षेत्र में भारत की मजबूत उपस्थिति उसे सामरिक बढ़त दिला सकती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि गैलेथिया खाड़ी में बनने वाला बंदरगाह भारत को वैश्विक समुद्री व्यापार में नई पहचान दिला सकता है। हम आपको बता दें कि वर्तमान में भारत का लगभग 25 प्रतिशत माल विदेशी बंदरगाहों के माध्यम से स्थानांतरित होता है, जिससे आर्थिक नुकसान होता है। इस परियोजना के पूरा होने पर भारत इस निर्भरता को समाप्त कर सकता है और अपनी समुद्री शक्ति को मजबूत कर सकता है।

चीन की रणनीति को देखते हुए यह परियोजना और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। पिछले दो दशकों में चीन ने हिंद महासागर क्षेत्र में कई बंदरगाह विकसित किए हैं, जिन्हें सामूहिक रूप से स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स कहा जाता है। इनमें पाकिस्तान का ग्वादर, श्रीलंका का हम्बनटोटा और म्यांमार का क्याउकफ्यू शामिल हैं। इनका उद्देश्य समुद्री मार्गों पर प्रभाव बढ़ाना और भारत को घेरना है।

इसके जवाब में भारत ने भी अपने सहयोगी देशों के साथ मिलकर समुद्री रणनीति विकसित की है, जिसे नेकलेस ऑफ डायमंड्स कहा जाता है। इसमें ओमान, इंडोनेशिया और सेशेल्स जैसे देशों में बंदरगाहों तक पहुंच और सैन्य सहयोग शामिल है। ग्रेट निकोबार इस रणनीति का केंद्र बिंदु माना जा रहा है।

इसके अलावा, हाल के अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम भी इस परियोजना के महत्व को रेखांकित करते हैं। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य के उपयोग से वैश्विक तेल आपूर्ति पर प्रभाव डालने की घटना ने यह स्पष्ट कर दिया है कि समुद्री मार्गों पर नियंत्रण किसी भी देश के लिए कितना शक्तिशाली साधन हो सकता है। इस स्थिति में यदि भारत मलक्का जलडमरूमध्य के पास

अपनी स्थिति मजबूत करता है, तो यह उसे वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सक्षम बना सकता है।

मोदी सरकार का कहना है कि परियोजना को पर्यावरणीय और सामाजिक सुरक्षा मानकों के तहत स्वीकृति दी गई है। शोंपेन जनजाति की सुरक्षा के लिए विशेष नीतियां, निगरानी तंत्र और अन्य उपाय लागू किए गए हैं। सरकार के अनुसार परियोजना द्वीप के कुल क्षेत्रफल के सीमित हिस्से पर ही आधारित है और विकास तथा संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखने का प्रयास किया गया है। हम आपको यह भी बता दें कि इस परियोजना का विरोध अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हो रहा है। कुछ विदेशी संगठनों ने इसे जनजातीय अस्तित्व के लिए खतरा बताया है। लेकिन इस परियोजना के रणनीतिक महत्व को देखते हुए यह साफ नजर आ रहा है कि चीन के समर्थक कभी नहीं चाहेंगे कि भारत की यह परियोजना साकार रूप ले सके।

उधर, रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह परियोजना राष्ट्रीय महत्व की है और इस पर आगे बढ़ने का समय आ गया है। पूर्व वायुसेना प्रमुख आर.के.एस. भदौरिया ने विभिन्न साक्षात्कारों और समाचारपत्रों में अपने आलेखों के जरिये इस परियोजना की महत्ता पर प्रकाश डाला है। उन्होंने लिखा है कि विपक्ष के नेता ने हाल में इस द्वीप का दौरा किया और सोशल मीडिया के माध्यम से परियोजना को इकोलॉजी और पर्यावरण के विनाश का कारण बताते हुए एक बड़ा घोटाला और राष्ट्रीय धरोहर के खिलाफ अपराध करार दिया। उन्होंने लिखा है कि पर्यावरण की चिंता होना स्वाभाविक है, लेकिन जब राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता और भविष्य की रणनीतिक दिशा की बात हो, तो तस्वीर का केवल एक हिस्सा देखना उचित नहीं लगता। यह परियोजना देश के भविष्य की एक सख्त सामरिक और आर्थिक आवश्यकता है।

आर.के.एस. भदौरिया लिखते हैं कि भारत लंबे समय तक अपनी सुरक्षा सोच में भूमि-सीमाओं पर अधिक केंद्रित रहा। हिंद महासागर वैश्विक व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और सामरिक शक्ति का केंद्र है। ग्रेट निकोबार का भूगोल अपने आप में भारत के लिए एक प्राकृतिक वरदान है। यह द्वीप अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के सबसे दक्षिणी छोर पर स्थित है और स्ट्रेट ऑफ मलक्का के पश्चिमी प्रवेश द्वार से मात्र 40 समुद्री मील की दूरी पर है। इसकी अहमियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दुनिया का लगभग 30 प्रतिशत कंटेनर व्यापार इसी रास्ते से होकर गुजरता है। उन्होंने लिखा है कि मैंने अपने कॅरियर में कई बार महसूस किया कि जब आपकी निगरानी की क्षमता सीमित होती है, तो आपकी प्रतिक्रिया भी सीमित हो जाती है। लेकिन जब आपके पास अग्रिम मोर्चे पर ठोस ढांचा हो यानि हवाई पट्टी, बंदरगाह, संचार प्रणाली आदि हो तो आप स्थिति को नियंत्रित करने की स्थिति में आ जाते है।

उन्होंने लिखा है कि ग्रेट निकोबार को अनसिंकेबल एअरक्राफ्ट कैरियर कहा जाता है। इसका मतलब है कि हमारे पास समुद्र के बीच एक ऐसा स्थायी ठिकाना होगा, जो किसी जहाज की तरह डूब नहीं सकता, लेकिन उसकी तरह काम कर सकता है। यहां से वायुसेना के विमान उड़ सकते हैं, नौसेना के जहाज संचालन कर सकते है और तीनों सेनाएं मिलकर एक संयुक्त रणनीति बना सकती है। अंडमान और निकोबार में पहले से ही त्रि-सेवा कमान है, लेकिन उसे आधुनिक और व्यापक ढांचे की जरूरत लंबे समय से महसूम की जा रही थी। उन्होंने लिखा है कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारे सबसे बड़े भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी चीन का 60त्न से 75त्न ऊर्जा व तेल आयात इसी मलक्का कॉरिडोर से होकर गुजरता है। उन्होंने लिखा है कि बीजिंग में बैठे चीनी रणनीतिकार इसे अपनी सबसे बड़ी कमजोरी मानते है, जिसे वे मलक्का डिलेमा कहते है। चीन दशकों से स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स रणनीति के तहत हमारे पड़ोसी देशों जैसे पाकिस्तान के ग्वादर, श्रीलंका के हंबनटोटा और म्यामार के क्याउकफ्यू बंदरगाह में अपने सैन्य और दोहरे उपयोग वाले बेस बनाकर हमें घेरने की कोशिश कर रहा है। साथ ही वह थाईलैंड में क्रा कैनाल बनाने की फिराक में है ताकि मलक्का स्ट्रेट को बाईपास कर सीधे हिंद महासागर में प्रवेश कर सके। ऐसे में ग्रेट निकोबार में एक मजबूत, आधुनिकीकृत और सैन्यीकृत उपस्थिति दर्ज करना चीन के इस विस्तारवादी चक्रव्यूह का सबसे सटीक, अचूक और हार्ड-पावर जवाब है।

आर.के.एस. भदौरिया ने अपने आलेख में लिखा है कि बिना मजबूत अर्थव्यवस्था के कोई भी सेना लंबे समय तक युद्ध नहीं लड़ सकती। आर्थिक दृष्टिकोण से यह परियोजना भारत की दशकों पुरानी रसद और ढांचागत कमियों को दूर करने का एक अचूक उपाय है। मजबूत सप्लाई चेन, तेज लॉजिस्टिक्स और आत्मनिर्भर ढांचा, ये सभी किसी भी राष्ट्र की शक्ति को परिभाषित करते हैं। अगर हम अपने व्यापारिक मार्गों को मजबूत करते हैं, तो हम न केवल आर्थिक रूप से मजबूत होते हैं, बल्कि रणनीतिक रूप से भी आत्मनिर्भर बनते हैं। उन्होंने लिखा है कि आज वास्तविकता यह है कि भारत के 75 प्रतिशत ट्रांसशिपमेंट कार्यों का प्रबंधन विदेशी बंदरगाहों, मुख्य रूप से श्रीलंका के कोलंबो (45 प्रतिशत), सिंगापुर और मलेशिया के पोर्ट क्लैग द्वारा किया जाता है। दूसरे देशों के बंदरगाहों पर इस निर्भरता के कारण हमारे देश को हर साल 20 से 40 करोड़ डॉलर का भारी नुकसान उठाना पड़ता है और सप्लाई चेन में भी देरी होती है। ग्रेट निकोबार के गैलेथिया बे की टोपोग्राफी और भौगोलिक स्थिति दुनिया में अद्वितीय है। यहां समुद्र तट से मात्र एक नॉटिकल मील की दूरी पर 20 मीटर से अधिक की प्राकृतिक गहराई उपलब्ध है। इसका सीधा अर्थ यह है कि यहां दुनिया के सबसे बड़े अल्ट्रा लार्ज कटेनर जहाज, जो 10 हजार से 25 हजार टीई माल ढोते हैं, बिना किसी भारी और महंगी डेजिंग के आसानी से डॉक कर सकते हैं। गैलेथिया बे में 16.2 मिलियन टीई क्षमता का 'इंटरनैशनल कटेनर ट्रांस शिपमेंट टर्मिनल' (आईसीटीटी) बनने से भारत विदेशी बंदरगाहों पर अपनी निर्भरता खत्म करेगा और स्वयं पूरे दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए एक प्राथमिक वैश्विक व्यापार नोड बन जाएगा। इससे भारी विदेशी मुद्रा की बचत होगी। साथ ही साथ इस क्षेत्र में । लाख से अधिक प्रत्यक्ष और 1.5 लाख अप्रत्यक्ष रोजगार भी पैदा होंगे।

पूर्व वायुसेना प्रमुख ने लिखा है कि इस परियोजना के लिए द्वीप के कुल वन क्षेत्र का केवल 1.82 प्रतिशत हिस्सा ही डाइवर्ट किया जा रहा है। पर्यावरण मंत्रालय के मास्टर प्लान के तहत, ग्रेट निकोबार का 82 प्रतिशत जंगल पूरी तरह से अछूता, संरक्षित और विकास कार्यों से मुक्त रहेगा। जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (जेडएसआई) वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया जैसी शीर्ष वैज्ञानिक संस्थाओं के अध्ययन के बाद इसे मंजूरी मिली है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने भी परियोजना के विरोध में सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया है। उन्होंने लिखा है कि असहमति लोकतंत्र की आत्मा है, लेकिन राष्ट्रीय हितों को समझने के लिए हमें व्यापक दृष्टिकोण अपनाना होगा।

अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की सियासी कमर तोड़कर निरंतर आगे बढ़ रही है भाजपा, मजबूत हो रहा एनडीए

(कमलेश पांडे)

ऐसा उलटफेर करके भाजपा/एनडीए कई राज्यों में अपनी पकड़ बढ़ाते दिख रहे हैं। खासकर उत्तरपूर्वी, दक्षिणी और जम्मूकश्मीर जैसे राज्यों में, जो उसकी बड़ी सफलता है। इससे आम चुनाव 2029 में भी उसे राजनीतिक फायदा मिलेगा, क्योंकि भाजपा समेत एनडीए को इससे नई सोच और नई ऊर्जा मिलेगी।

भारतीय जनता पार्टी अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की सियासी कमर तोड़कर निरंतर आगे बढ़ रही है। इससे भाजपा नीत एनडीए का कुनबा भी लगातार मजबूत हो रहा है। देश के मतदाता भी जातीय और भाषाई प्रतिद्वंद्विता से ऊपर उठकर धुर मुस्लिम तुष्टिकरण की चुनावी राजनीति की बखिया उधेड़ रहे हैं, जबकि फ्रीबिज की घोषणाओं पर अब भी मतदाता फिदा हैं। 29 अप्रैल को देश के पांच राज्यों–पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी–के विधानसभा चुनावों के जो एग्जिट पोल आए, उससे भी इसी बात के संकेत मिल रहे हैं। इससे भाजपा और उसके एनडीए साथियों की बल्ले बल्ले है।

वैसे तो अंतिम परिणाम 4 मई को ही आएंगे, लेकिन अब मीडिया की सजगता से अधिकांश एग्जिट पोल के औसत सत्य के निकट होते हैं।लिहाजा यदि एग्जिट पोल सही होते हैं तो इससे जो बड़ा राजनीतिक निष्कर्ष निकलकर सामने आया है, वह यह है कि देश की राजनीति में भाजपा के बेहतर प्रदर्शनों के बावजूद क्षेत्रीय दल अभी भी मजबूत स्थिति में हैं, क्योंकि देश पर 12 वर्षों से शासन कर रही भाजपा, बहुतेरे प्रशासनिक मामलों में कांग्रेस और समाजवादियों की राजनीतिक नकल करके और जरूरत के मुताबिक हिंदुत्व के चोलों को उतार फेंककर उन राज्यों में भी अव्वल प्रदर्शन करती दिखाई दे रही है, जहां अल्पसंख्यक मुस्लिम और ईसाई वोट अबतक निर्णायक रहते आये हैं।

ऐसा उलटफेर करके भाजपा/एनडीए कई राज्यों में अपनी पकड़ बढ़ाते दिख रहे हैं। खासकर उत्तरपूर्वी, दक्षिणी और जम्मूकश्मीर जैसे राज्यों में, जो उसकी बड़ी सफलता है। इससे आम चुनाव 2029 में भी उसे राजनीतिक फायदा मिलेगा, क्योंकि भाजपा समेत एनडीए को इससे नई सोच और नई ऊर्जा मिलेगी। जबकि इंडिया गठबंधन की आपसी रस्साकशी उन्हें 2024 की आंशिक सफलता के बाद निरंतर कमजोर करते हुए रसातल की ओर ले जा रही है। इससे कांग्रेस सुप्रीमो राहुल गांधी को राजनीतिक सबक लेनी होगी, क्योंकि वर्ष 2027 और 2028 में भी दर्जनाधिक राज्यों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

यदि राजनीतिक बारीकीपूर्वक इन एग्जिट पोल्स से संकेतों को पढ़ा जाए तो स्पष्ट दिखाई दे रहा हैं कि उत्तर भारत, पश्चिम भारत, मध्य भारत, पूर्वी भारत में मजबूत सियासी पैठ बना चुकी भाजपा अब उत्तर-पूर्व समेत पूर्वी भारत में अपना विस्तार बनाए हुए है। जबकि दक्षिण भारत में भी अपने विरोधियों को राजनीतिक रूप से तोड़ने में वह सफल हो चुकी है। तमिलनाडु में डीएमके और केरल में एलडीएफ का कमजोर होकर सत्ता गंवाने की ओर बढ़ना यह सियासी चुगली कर रहा है कि जल्द ही भाजपा दक्षिण भारत में भी उसी तरह का करिश्मा करेगी, जैसा कि उसने उत्तर-पूर्व के असम और त्रिपुरा में किया है, जबकि पूर्वी भारत के पश्चिम बंगाल में करने जा रही है। इसी प्रकार तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना आदि उसकी पकड़ में जल्द आएंगे। वहीं कर्नाटक में तो वह मजबूत है ही और आंध्रप्रदेश में एनडीए की सरकार है।

यह बात दीगर है कि अपने सियासी गर्दिश के दिनों में भी कांग्रेस दक्षिण भारत, खासकर केरल में पुनर्जीवन के संकेत दे रही है। ऐसा पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर के पुनः कांग्रेस के खेमे में सटने से हुआ। वहीं, क्षेत्रीय दल–डीएमके, टीएमसी आदि–अब भी अपने-अपने राज्यों में थोड़ा कमजोर होने के बावजूद निर्णायक बने हुए दिखाई दे रहे हैं। लिहाजा, 2029 लोकसभा चुनाव की दिशा में ये चुनाव राष्ट्रीय बनाम क्षेत्रीय राजनीति की नई तस्वीर पेश कर रहे हैं। दक्षिण भारत में भाजपा अभी भी पूर्ण प्रभुत्व से दूर दिख रही है, जबकि बंगाल उसका सबसे बड़ा विस्तार क्षेत्र बना हुआ है। पुडुचेरी में भी एनडीए मजबूत हुआ है।

चूंकि 2027 और 2028 में भी कई महत्वपूर्ण राज्यों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिन पर इन पांच राज्यों के चुनावी फलाफल का असर पड़ेगा। 2027 में जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं, उनमें उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर, हिमाचल प्रदेश और गुजरात जैसे अहम राज्य शामिल हैं। वहीं, 2028 में जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं, उनमें कर्नाटक, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, त्रिपुरा, मेघालय, नागालैंड, मिजोरम जैसे महत्वपूर्ण राज्य शामिल हैं। चूंकि इन चुनावों की अंतिम तिथियाँ भारत निर्वाचन आयोग की अधिसूचना के अनुसार तय होंगी, इसलिए कार्यक्रम में बदलाव संभव है।

इसलिए मौजूदा चुनावी एग्जिट पोल के कतिपय मुख्य निष्कर्ष निम्नलिखित हैं-

पहला, असम में भाजपा मजबूत हुई है, क्योंकि एग्जिट पोल भाजपा-एनडीए को लगातार तीसरी बार स्पष्ट बहुमत देते दिख रहे हैं। इससे संकेत मिलता है कि हिमंता विश्व सरमा की नेतृत्व शैली और भाजपा का पूर्वोत्तर मॉडल अभी भी प्रभावी है।

दूसरा, भाजपा की रणनीति से पुडुचेरी में भी एनडीए को फायदा होता हुआ नजर आ रहा है, क्योंकि एग्जिट पोल एनडीए की वापसी दिखा रहे हैं। यहां भाजपा ने क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ मिलकर अपना आधार मजबूत किया है।

कर्ज, ख्वाहिश और बाजार- क्या हम 'उपभोग की मृगतृष्णा' में फंस चुके हैं

एक समय था जब वस्तुओं का जीवन में प्रवेश धीमा और विचारपूर्ण होता था। खरीद एक निर्णय थी और उस निर्णय के पीछे एक क्रम–जरूरत का आकलन, संसाधनों का संतुलन और भविष्य की एक सहज चिंता थी। वस्तुएं उपयोगिता के साथ–साथ एक नैतिक अर्थ भी रखती थीं। वे जीवन को सरल बनाती थीं, पर उसे परिभाषित नहीं करती थीं। अब स्थिति उलट गई है। वस्तुएं जीवन की परिभाषा बनने लगी हैं। बाजार ने उपभोग को केवल आसान नहीं बनाया, बल्कि उसे अनिवार्यता का रूप दे दिया है।

(शिवम भारद्वाज)

उपभोग के विस्तार ने जीवन को कई स्तरों पर सरल भी बनाया है। मगर जब उपभोग का संबंध संतुलन से हटकर विस्तार से जुड़ता है, तो उसके साथ दबाव भी बढ़ता है।समाज की स्मृति में दो वाक्य लंबे समय से समांतर रूप से चलते आए हैं- 'तेते पांव पसारिये, जेती लांबी सौर' और 'ऋणं कृत्वा घृतं पिबेत।' ये केवल लोकवाक्य नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टि के दो विपरीत छोर हैं। पहला संयम, यथार्थ और आत्मनियंत्रण की ओर संकेत करता है, तो दूसरा तात्कालिक सुख के लिए भविष्य की चिंता को स्थगित कर देने की प्रवृत्ति को वैधता देता है। समय के साथ इन दोनों के बीच का तनाव बना रहा, लेकिन आज का परिदृश्य इस तनाव को एक नए ढंग से सामने लाता है, जहां बाजार केवल वस्तुओं का विनिमय नहीं करता, बल्कि आकांक्षाओं, असुरक्षा और इच्छाओं को भी गढ़ता है।

एक समय था जब वस्तुओं का जीवन में प्रवेश धीमा और विचारपूर्ण होता था। खरीद एक निर्णय थी और उस निर्णय के पीछे एक क्रम-जरूरत का आकलन, संसाधनों का संतुलन और भविष्य की एक सहज चिंता थी। वस्तुएं उपयोगिता के साथ-साथ एक नैतिक अर्थ भी रखती थीं। वे जीवन को सरल बनाती थीं, पर उसे परिभाषित नहीं करती थीं। अब स्थिति उलट गई है। वस्तुएं जीवन की परिभाषा बनने लगी हैं। बाजार ने उपभोग को केवल आसान नहीं बनाया, बल्कि उसे अनिवार्यता का रूप दे दिया है। विज्ञापन, डिजिटल मंच और विपणन की नई रणनीतियां मिलकर एक ऐसा वातावरण निर्मित करती हैं, जिसमें इच्छा और आवश्यकता के बीच की रेखा लगातार धुंधली पड़ती जाती है। बाजार केवल मांग को पूरा नहीं करता, वह मांग पैदा करता है। और इसी प्रक्रिया में व्यक्ति के भीतर एक स्थायी 'अपर्याप्तता' का भाव आकार लेता है। यह वस्तुनिष्ठ नहीं होती, लेकिन अनुभव में वास्तविक लगती है।

व्यक्ति को यह महसूस होता है कि वह जैसा है, उतना पर्याप्त नहीं है और यह कमी वस्तुओं के माध्यम से पूरी की जा सकती है। यहीं से उपभोग एक विकल्प नहीं रहता, बल्कि एक मनोवैज्ञानिक बाध्यता का रूप लेने लगता है। यह बाध्यता किसी बाहरी दबाव से नहीं, बल्कि भीतर के उस सूक्ष्म असंतोष से पैदा होती है, जिसे बाजार लगातार जीवित रखता है। अब वस्तुएं जरूरत पूरी करने के

बजाय आत्म-छवि का विस्तार बन गई हैं। कौन-सा फोन, किस तरह की कार, कौन-सी सुविधाएं, किन स्थानों की यात्राएं- ये सब एक सामाजिक पहचान रचते हैं। इस दौड़ में पीछे छूट जाने का भय उपभोग की गति को और तीखा करता है।

इस पूरी प्रक्रिया को व्यावहारिक आधार देता है आसान कर्ज। क्रेडिट कार्ड, त्वरित ऋण और 'अभी खरीदें, बाद में भुगतान करें' जैसी व्यवस्थाएं इच्छा और सामर्थ्य के बीच के अंतर को समाप्त नहीं करतीं। वे उसे समय में आगे खिसका देती हैं। जो पहले निर्णय को टालने का कारण था, वही अब उसे शीघ्र लेने का साधन बन जाता है। उपभोग तत्काल होता है, उसका भुगतान स्थगित। कर्ज का प्रभाव तत्काल नहीं दिखता। वह धीरे-धीरे जीवन की संरचना में शामिल होता है। शुरुआत में वह सुविधा का विस्तार करता है, लेकिन समय के साथ वह आय के उपयोग को सीमित करने लगता है। आय का एक हिस्सा नियमित रूप से पूर्वनिर्धारित हो जाता है- देनदारियों के रूप में। इस स्थिति में व्यक्ति के पास संसाधन होते हुए भी उनके उपयोग की स्वतंत्रता घटने लगती है। उधार का सुख तत्काल हो सकता है, लेकिन उसकी कीमत समय के साथ सामने आती है। उपभोग और भुगतान के बीच का यह अंतर धीरे-धीरे एक स्थायी संरचना बन सकता है, जिसमें वर्तमान लगातार भविष्य पर निर्भर रहने लगता है।

इस परिदृश्य को और जटिल बनाता है सामाजिक संदर्भ। उपभोग अब निजी निर्णय भर नहीं रहा। वह दृश्यता और तुलना से जुड़ गया है। डिजिटल माध्यमों ने जीवन को एक निरंतर प्रदर्शन में बदल दिया है, जहां दूसरों के जीवन के चुने हुए हिस्से ही दिखाई देते हैं। यह दृश्य वास्तविकता नहीं, लेकिन प्रभाव वास्तविक होता है। व्यक्ति अपनी जरूरतों को नहीं, अपनी 'दिखने वाली स्थिति' को समायोजित करने लगता है। इसी क्रम में संयम की धारणा भी बदलती है। 'तेते पांव पसारिये' अब व्यावहारिक नियम कम और एक दूरस्थ सलाह अधिक प्रतीत होता है। हालांकि उपभोग के विस्तार ने जीवन को कई स्तरों पर सरल भी बनाया है। मगर जब उपभोग का संबंध संतुलन से हटकर विस्तार से जुड़ता है, तो उसके साथ दबाव भी बढ़ता है।

बाजार की संरचना इसी विस्तार पर आधारित है। इसलिए वह स्थिरता के बजाय निरंतरता को बढ़ावा देता है- नई इच्छाएं, नए मानक और लगातार बदलती अपेक्षाएं। व्यक्ति एक ऐसी प्रक्रिया का हिस्सा बन जाता है, जिसमें गति तो होती है, पर दिशा का बोध स्पष्ट नहीं रहता। इस संदर्भ में ये दोनों सूत्र फिर सामने आते हैं- 'तेते पांव पसारिये' और 'ऋणं कृत्वा घृतं पिबेत।' अब वे केवल परंपरा के अवशेष नहीं, बल्कि दो अलग आर्थिक-सांस्कृतिक ढांचों के संकेत हैं। एक में आय और इच्छा के बीच स्पष्ट संबंध है, दूसरे में इस संबंध को स्थगित कर दिया जाता है।

अंतर सूक्ष्म है, पर निर्णायक। पहले में सीमा दिखाई देती है, दूसरे में सुविधा। मगर समय के साथ स्पष्ट होता है कि सुविधा का विस्तार अक्सर सीमा के स्थान पर ही स्थापित हो जाता है। आखिरकार बात इतनी-सी है कि उपभोग अब केवल चुनाव नहीं रहा, वह धीरे-धीरे जीवन की पूर्व-शर्त बनता जा रहा है। 'ऋणं कृत्वा घृतं पिबेत' अब एक उक्ति नहीं, एक व्यवहारिक ढांचा है, जिसमें सुख पहले आता है और उसकी कीमत बाद में, लेकिन लगातार चुकानी पड़ती है। इसके ठीक समांतर 'तेते पांव पसारिये' मौजूद तो है, पर उसकी जगह सिकुड़ती जाती है। यहीं यह अंतर निर्णायक हो जाता है- सीमा और सुविधा के बीच। यहीं यह प्रश्न अपने सबसे सरल रूप में सामने आता है- क्या उपभोग हमारी जरूरतों का विस्तार कर रहा है, या हमारी जीवन-रचना को बदल रहा है?

संक्षिप्त समाचार

छापेमारी के दौरान 70 लीटर देसी शराब जब्त

कदवा/कटिहार (नबिटासं)। शराबबंदी कानून को सफल बनाने को लेकर कदवा पुलिस की बढी सक्रियता से शराबियों तथा तस्करों के बीच भय का माहौल व्याप्त है।लेकिन फिर भी चोरी-छिपे शराब का सेवन और व्यवसाय जारी है। हालांकि पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। कदवा थानाध्यक्ष कुंदन कुमार सिंह ने बताया कि भर्री पंचायत के देवगांव संथाली टोला में शराब बिक्री की गुप्त सूचना के सत्यापन को गई पुलिस टीम द्वारा संथाली टोला देवगांव में छापेमारी अभियान चलाया गया।छापेमारी के दौरान रुपलाल हेम्ब्रम (30), पिता तल्लू हेम्ब्रम को 20 लीटर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया।वहीं लाला हेम्ब्रम (35) पिता मरांग हेम्ब्रम के घर की तलाशी में 50 लीटर देशी शराब बरामद हुआ।जबकि मौका का फायदा उठाते हुए तस्कर लाला हेम्ब्रम फरार होने में सफल हो गया। उन्होंने बताया कि पुलिस 70 लीटर देशी शराब को जब्त करते हुए गिरफ्तार तस्कर रूपलाल हेम्ब्रम को लेकर थाना आई।जहॉ दोनों तस्कर के विरुद्ध मद्यनिषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत जेल भेज दिया गया।

मोटर, बाईक के साथ चार चोर गिरफ्तार

डंडखोरा/कटिहार (नबिटासं)। थाना क्षेत्र में बहियार से मोटर चोरी की घटना से किसानों को राहत मिलने की संभावना नजर आ रही है। पुलिस ने इसी को लेकर थाना में दर्ज कांड संख्या 60/26 में चोरी किये गये 02 मोटर एवं एक मोटरसाइकिल के साथ 4 चोरों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बताया जाता है कि मोटर चोरी से बचाने के लिए रखवाली करते ग्रामीणों ने संदिग्धावस्था में बहियार में घूमते चार लोगों

को पकड़कर स्थानीय पुलिस को सूचना दी।पुलिस ने पहुंचकर चारों को हिरासत में लेकर पूछताछ की और आरोपियों की शिनाख्त पर पूर्व में चोरी हुए दो मोटर बरामद कर लिया। इस बाबत अपर थानाध्यक्ष अमलेंदु सिंह ने बताया कि हिमांशु कुमार, पिता-स्वङ्ग गुणानंद महतो, कपिल पासवान, पिता- मंगल पासवान,दोनों साकिन-बोरनी थाना-डण्डखोरा. मुन्ना कुमार महतो, पिता-स्वङ्ग सत्यनारायण महतो और मनीष कुमार पिता-खगेश्वर महतो दोनों साकिन-पानसेरवा सभी जिला- कटिहार को गिरफ्तार किया गया है।उन्होंने बताया कि पूछताछ के क्रम में आरोपियों की शिनाख्त पर चोरी हुआ दो मोटर भी बरामद कर लिया गया है। वहीं एक मोटर साइकिल भी जब्त किया गया है।वहीं स्थानीय लोगों ने बहियार से मोटर चोरी की घटना में हुई वृद्धि पर चिंता जताते हुए खासकर बहियार जानेवाली सड़कों पर रात्रि गश्ती बढाने की मांग की है।मौके पर पुअनि अरविंद कुमार सहित पुलिस बल मौजूद रहे।

पेंशनधारियों के लिए लगा जीवन प्रमाणीकरण शिविर, दो मई से 30 मई तक चलेगा शिविर

मनसाही/कटिहार (नबिटासं)। प्रखंड क्षेत्र सभी पंचायत भवन में पेंशन धारियों के लिए शिविर का आयोजन दो मई से शुरू हुआ जो

30 मई तक चलेगा। पंचायत भवन में चल रहे शिविर का प्रखंड विकास पदाधिकारी सुमन कुमारी के निरीक्षण किया गया। कर्मी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पैक्स अध्यक्ष छोटू कुमार गोस्वामी,श्रवण कुमार आदि उपस्थित रहे।

वायरल वीडियो के आरोपी को भेजा जेल

मनसाही/कटिहार (नबिटासं)। वायरल वीडियो मामले में जब पुलिस मो तजमुल को थाने लाई तो उस वायरल वीडियो ने पिस्टल सा दिखाने वाला औजार पिस्टल गन लाइटर निकला मगर पुलिस ने मो. तजमुल को बाइक चोरी मामले में गिरफ्तार कर लिया । जिसे जेल भेज दिया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनसाही में 2022 में लगी हाई मास्ट एलइडी लाइट खराब

मनसाही/कटिहार (नबिटासं)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनसाही में 2022 में कटिहार के पूर्व सांसद दुलाल चंद्र गोस्वामी के कोष से हाई मास्ट एलइडी लाइट लगाया गया था जो की मात्र छः माह चलने के बाद सभी आठों लाइट फ्यूज हो गया जो अब तक नहीं जल रहा हैं। इस बाबत स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि कटिहार के पूर्व सांसद दुलालचंद गोस्वामी

2022 में अपने कोष से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनसाही परिसर में हाई मास्ट एलइडी लाइट लगाए थे जिसमें कुल आठ एलईडी लाइट लगे हुए थे जिसके जलने से अस्पताल परिसर सहित आसपास का इलाका रात्रि में साफ दिखता था। लेकिन छः माह बीतते ही आठों एलईडी लाइट फ्यूज हो गया। जिसे अब तक नहीं अस्पताल प्रशासन नही एलईडी लाइट विभाग के द्वारा इसे दुरुस्त नहीं किया गया जिससे अस्पताल परिसर में जगमग करने वाला एलईडी लाइट शोभा की वस्तु बनी हुई हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने एलईडी लाइट विभाग को जल्द से जल्द इस एलइडी लाइट को रिपेयर कर चालू कराने की मांग की हैं।

मंदिर कमेटी की बैठक में आय-व्यय प्रस्तुत

मनसाही/कटिहार (नबिटासं)। हफलागंज के शिव मंदिर समिति की आवश्यक बैठक प्रकाश भगत के अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में गत वित्तीय वर्ष में हुए आय-व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया गया और इसे ध्वनि मत से पारित किया गया। बैठक में आने वाले दिनों में मंदिर परिसर के सड़क

किनारे बनने वाले कटरा को लेकर आवश्यक चर्चा की गई साथ ही मंदिर के अतिक्रमण भूमि को खाली करने को लेकर भी चर्चा की गई। कमेटी की अगली बैठक पुन : अगले रविवार को बुलाया गयी हैं। बैठक में कमेटी के सचिव नरेश यादव,अजय गुप्ता,कुन्नू झा,पिंटू साह, ज्योतिष कुमार,बिट्टू कुमार,प्रकाश भगत,रामविलास राम, दीपक पोद्दार आदि उपस्थित रहे ।

साइकिल चलाकर फिट रहने का दिया संदेश

प्राणपुर/कटिहार (नबिटासं)। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बस्तौल चौक के समीप भारतीय किसान संघ ने सैकड़ो किसानों ने एक साथ साइकिल चला कर फिट रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला मंत्री अक्षय कुमार सिंह ने

किया। वही कार्यक्रम में उत्तर बिहार संगठन के महामंत्री ब्रजेश कुमार उर्फ मनोज गुप्ता बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे ।ब्रजेश कुमार ने बताया की प्रधानमंत्री द्वारा वर्ष 2019 मे शुरू किये गये फिट इंडिया मूवमेंट का उदेश्य फिटनेस को सभी नागरिकों के दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाना है।

अधेड़ की गला दबा कर हत्या, मचा कोहराम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सालमारी (कटिहार)। बलिया बेलोन थाना क्षेत्र के मधाइपुर पंचायत के वार्ड आठ अलहणडा खाड़ी गांव में रविवार को मजाक मजाक में नौबत मारपीट में आने के बाद मुन्शिफ मुजम्मिल (47) की मारपीट के बाद गला दबा कर हत्या किये जाने का मामला घटित हुआ। मृतक के परिजन ने बताया कि गांव के ही रब्बानी ने मुश्फिक को मजाक किया की ग्रेजुएट हो कर घांस काटते हैं। ऐसे में शादी कैसे होगी। इसी बात पर दोनों में झगड़ा हो गया। इसी दौरान दोनों के परिजन पहुंचने पर मुश्फिक को छोड़ कर उसके पिता मृतक मुन्सी मुजम्मिल के साथ मारपीट करने लगा।

मारपीट के दौरान गला दबाने से वह बेहोश हो कर गिर पड़ा। परिजनों ने इलाज के लिए चिकित्सक के पास ले गया। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मारपीट के

दौरान मृतक की पत्नी रोजी खातुन को भी चोट लगी है। घटना की सूचना पाते ही बलिया बेलौन थानाध्यक्ष शाहिद हुसैन दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में ले कर पंचनामा बना कर पोस्टमार्टम के लिए कटिहार सदर अस्पताल भेजा है। एवं मामले की जांच में जुट गया है। आरोपियों को पकड़ने के लिए जगह जगह छापेमारी करने लगे है। जानकारी के अनुसार रविवार के दोपहर की घटना है। मुश्फिक पशुओं के लिए चारा काटने जा रहा था। इस दौरान रब्बानी के द्वारा मजाक करना भाड़ी पड़ा। मजाक के बदले मुश्फिक के पिता की जान चली गयी। इस घटना से मृतक के परिजनों पर गमों का पहाड़ पुट पड़ा है। मृतक की पत्नी रोजी खातुन, बेटा मुश्फिक रजा, मुनसेफ रजा, बेटी रूनी खातुन, रानी खातुन सहित परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। पत्नी ने रो रो कर बतायी की उनका पति झगड़ा सुलझाने गया था। लेकिन रब्बानी ने अपने परिवार को साथ लेकर मारपीट करते हुए गला दबा कर उसकी जान ले ली है।घटना के बाद लोगों की भीड़ जुट गयी। लोगों ने बताया की मृतक बेहोश हो कर अचेत अवस्था में गिर गया। घटना की सूचना बलिया बेलौन थाना में दिये जाने के साथ ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई करते हुए मामले की जांच में जुट गयी है। थाना अध्यक्ष शाहिद हुसैन ने बताया की अब तक आवेदन नहीं मिला है। आवेदन मिलते ही आगे की कार्रवाई होगी।घटना की सूचना वरीय पदाधिकारी को दे दी गयी है।घटना के हर बिंदुओं पर जांच हो रही है। आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तारी का आश्वासन दिये।

कहीं इश्क का खूनी अंजाम, तो कहीं नदी किनारे रहस्यमयी मौत

खौफनाक रविवार रौतारा में 'डबल डेथ' से हड़कंप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोढ़ा (कटिहार)। प्रखंड के रौतारा से एक बड़ी और दिल दहला देने वाली खबर सामने आ रही है। कोढ़ा प्रखंड का रौतारा थाना क्षेत्र आज उस वक्त थर्रा उठा। जब एक ही दिन में दो अलग-अलग जगहों पर दो लाशें मिलने से सनसनी मच गई। एक तरफ उजड़ा एक नवविवाहिता का सुहाग, तो दूसरी तरफ नदी किनारे मिला एक अधेड़ का शव। विनोदपुर पंचायत के शेखटोला में उस वक्त चीख-पुकार मच गई, जब सोनी खातून (19) का शव उसके कमरे में फंदे से झूलता पाया गया। महज 8 महीने पहले जिस घर में शहनाइयां गूंजी थीं, वहां आज मातम पसरा है। चर्चा है कि सोनी अपने मायके के किसी युवक से प्रेम करती थी। उस प्रेमी की शादी कहीं और तय होने की खबर ने सोनी को अंदर से तोड़ दिया था।

मौके पर सिर्फ पुलिस ही नहीं, बल्कि फसल एफएसएल की टीम ने भी डेरा डाल दिया है। ताकि मौत के पीछे छिपे हर राज से पर्दा उठाया जा सके। अभी पुलिस पहले मामले की गुत्थी सुलझा ही रही थी कि दानीपुर में कारी कोशी नदी के किनारे बांस की झाड़ियों में एक और लाश मिलने की खबर आई। मृतक की पहचान डेविड हासदा के रूप में हुई है। नदी का किनारा, सुनसान इलाका और फंदे से लटका शव—यह आत्महत्या है या कोई सोची-समझी साजिश । पुलिस फिलहाल इस पर खामोश है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। एक ही दिन में दो मौतों ने रौतारा पुलिस की नींद उड़ा दी है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए कटिहार सदर अस्पताल भेज दिया है। घटना की सूचना मिलते ही मृतका के मायके पक्ष के लोग भी शेखटोला पहुंच गए. रौतारा पुलिस ने आवश्यक

कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव का पंचनामा तैयार किया और पोस्टमार्टम के लिए कटिहार सदर अस्पताल भेज दिया. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा इधर, कारी कोशी नदी के किनारे बांस के बिट्टे में एक व्यक्ति का फंदे से लटका शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया. मृतक की पहचान रमना रजजीगंज निवासी डेविड हासदा (50) पिता खाटू हासदा, के रूप में हुई है.स्थानीय लोगों द्वारा सूचना दिए जाने के बाद रौतारा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच प्रारंभ कर दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. प्रथम दृष्टया मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है. पुलिस सभी बिंदुओं पर गहनता से जांच कर रही है. एक ही दिन में दो शव मिलने की घटनाओं से रौतारा क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं. पुलिस दोनों मामलों की अलग-अलग जांच में जुटी हुई है।

नदी में डूब कर 6 वर्षीय बालक लापता, परिजन बेहाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कदवा (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के धनगामा स्थित महानंदा नदी में नहाने के क्रम में डूबने से 6 वर्षीय बालक लापता। घटना को लेकर मिली जानकारी के अनुसार धनगामा पंचायत के वार्ड संख्या 8 के से सटे महानंदा नदी में मुकुरिया ग्राम निवासी फकीरा तांती का 6 वर्षीय पुत्र विशाल कुमार गांव के हीं अन्य बच्चों के साथ शुक्रवार के दिन के करीब 4 बजे नहाने गया था। नहाने के क्रम में बालक गहरे पानी में चले गया और डूब गया।

जानकारी मिलने पर बालक के परिजनों द्वारा खोजबीन शुरू की गई। लेकिन कोई पता नहीं चला तब परिजनों ने शाम 7 बजे 112 में फोन कर जानकारी दिया।सूचना मिलते हीं

पुलिस की टीम घटना स्थल पहुंचकर परिजनों से पूछताछ की और स्थिति का जायजा लिया। शनिवार को सुबह करीब 8 बजे से हीं एसडीआरएफ की टीम खोजबीन में जुटी है।लेकिन घटना के 48 घंटे बाद डूबे बालक को ढूंढने में एसडीआरएफ की टीम को सफलता नहीं मिल पाई है। परिजन रो-रोकर बेहाल है,तो गांव और आसपास के गांव में भी मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। जदयू नेता अंजार आलम परिजनों से मिलकर सांत्वना देते हुए एसडीआरएफ की टीम से लापता बालक को खोजने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि अगर बालक की मौत हो गई है,तो उसके शव को खोजकर परिजनों को सौंपा जाना चाहिए।

कुरेठा से मनिया सड़क निर्माण में संवेदक की मनमानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के कुरेठा पंचायत के कुरेठा रेलवे स्टेशन से मनिया एन एच 81 तक सड़क जहां जर्जर हैं,तथा बड़े बड़े गड्ढे में तब्दील हो गई हैं। इस खबर को लगातार चलाए जाने पर सात दिन पूर्व महादेवनगर गांव से पीसीसी ढलाई कार्य को आरंभ किया गया महज 500 मीटर पीसीसी ढलाई करने में पांच दिन बीत गए। मगर आधा भी सड़क ढलाई नहीं कर पाए। इस लापरवाही के कारण पंकज सिंह के ईंट भट्ठा के पीछे से घूमने वाले कच्ची सड़क से रोजाना आम लोग एवं रोजमर्रा सहित सरकारी नौकरी करने वाले लोग प्रत्येक दिन आवाजाही करते हैं।

देशी कट्टा एवं दो जिंदा कारतूस के साथ अपराधी गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फलका (कटिहार)। थाना क्षेत्र में पुलिस गश्ती के दौरान सूचना मिलने पर में एक छापेमारी दल का गठन कर रंगाकोल मूसापुर ढाबा के समीप पुलिया पर संदिग्ध रूप से किसी घटना को अंजाम देने के फिराक में घूम रहा है। सत्यापन के लिए आवश्यक कार्रवाई के दौरान पुअनि विवेक कुमार सिंह दलबल के साथ पुलिया के पास पहुंचा। पुलिस वाहन देख एक व्यक्ति भागने लगा। दलबल के सहयोग से पकड़ लिया गया। व्यक्ति से नाम पता पूछने पर अपना नाम महंत लाल मंडल रगाकोल निवासी बताया। थानाध्यक्ष प्रहलाद कुमार यादव ने बताया कि

पुलिस को सूचना मिलने पर रंगाकोल मुसापुर ढाबा के समीप संदिग्ध रूप से घटना अंजाम देने के फिराक में पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया। पुलिस ने तलाशी लेने पर इनके कमर से देशी कट्टा एवं दो जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त को कानूनी कार्रवाई करते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

18 लीटर विदेशी शराब के साथ युवक गिरफ्तार, बाइक जब्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डंडखोरा (कटिहार)। अवैध शराब व्यवसाय एवं पियक्कड़ों को लेकर थाना क्षेत्र में शनिवार से चलाये गये विशेष अभियान में डंडखोरा पुलिस को अलग-अलग जगहों पर सफलता मिली है। पुलिस ने जहॉ 18 लीटर विदेशी शराब के साथ मोटरसाइकिल सवार को तस्कर को गिरफ्त में लिया तो वहीं 19 लीटर देशी शराब जब्त किया।हलांकि तस्कर भागने में सफल रहा।वहीं पुलिस ने अलग-अलग तीन पियक्कड़ों को भी हिरासत में लिया है।जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष विजय कुमार महतो ने बताया कि गुप्त सूचना के सत्यापन के लिए एसआई रीयेश कुमार के नेतृत्व में गई पुलिस टीम ने बौरा-डंडखोरा पक्की सड़क पर

घेराबंदी कर बीआर 39 एएम 2474 नं.के टीवीएस राइडर मोटर साइकिल सवार को रोककर तलाशी ली, तो मोटरसाइकिल से 18 लीटर विदेशी शराब बरामद हुआ।पुलिस विदेशी शराब , मोटरसाइकिल सहित चालक को हिरासत में लेकर थाना ले आई। चालक युवक की पहचान संजीत कुमार (29), पिता हरि बोल साह, साकिन-रहिका, थाना- प्राणपुर, जिला- कटिहार के रूप में हुई है। मोटरसाइकिल से रॉयल चैलेंजर्स व्हिस्की 750 एमएल का 12 बोतल और 375 एमएल का 24 बोतल बरामद हुआ है।उन्होंने बताया कि एक अलग घटना में पुलिस ने रायपुर पंचायत के मखना गांव के एक घर में छापेमारी कर 19 लीटर देशी शराब बरामद किया है।तस्कर भागने में सफल हो गया है।वहीं पंसेरवा में सीताराम महतो,पिता-स्व- भोला महतो के घर के पीछे देशी शराब बिक्री होने की आसूचना पर की गई छापामारी में 10 लीटर देशी शराब जप्त किया गया। जबकि तस्कर फरार हो गया।उन्होंने बताया पुलिस ने शराब सेवन के आरोप में अलग -अलग अजीत उरांव (29), पिता रामनाथ उरांव; सकिन- गोरफर लक्ष्मी प्रसाद चौहान (56) पिता स्व. गणपत चौहान, सकिन नवादा, इंद्रदेव चौहान (55) पिता स्व-गेंदालाल चौहान सकिन- नवादा तीनों थाना- डंडखोरा, जिला- कटिहार को गिरफ्तार किया गया है।

हाट जाने वाली सड़क पर बह रहा नाले का गंदा पानी, लोग परेशान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फलका (कटिहार) । फलका बाजार मुख्य मार्ग से हाट जाने वाली सड़क में जलजमाव, नाले से बहता गंदा पानी से आमलोगों का जीना मुहाल हो गया है। वहीं आने-जाने वाले छात्र-छात्राएं भी खासे परेशान हैं। इससे बेखबर स्थनीय प्रखंड प्रशासन व जनप्रतिनिधि मूकदर्शक बने हुए हैं। हाट जाने वाले इस नाले का गंदा पानी सड़क पर बहने से स्थिति नारकीय हो गई है।

इससे लोगों का पैदल चलना दूभर हो गया है, लेकिन इस नारकीय स्थिति से निजात दिलाने के लिए आज तक कोई सामने नहीं आया है। इससे ग्रामीणों में प्रशासन

के प्रति खासा रोष है। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क पर गंदा पानी जमा होने से आवागमन में परेशानी होती है। हाट जाने के लिए एक मात्र रास्ता है। इस रास्ते में नाली का गंदा पानी लगा रहता है। जब प्रखंड कार्यालय स्वच्छता का ढिंढोरा पीट रहा है। हाट जाने वाली सड़क पर नाला से निकलने वाला गंदा पानी सड़क पर ही बहता है। स्थानीय जनप्रतिनिधि की पहल से इस नारकीय स्थिति से निजात दिलाई जा सकती है। पर इस पर किसी ने पहल नहीं की गई। हाट के मार्ग पर गंदा पानी की समस्या होने से चलना दूभर हो गया है।आधे -अधूरे नाली निर्माण होने से नाला का पानी निकासी नहीं रहने के कारण रोड पर भरा रहता है। इससे मार्ग पर गुजरने वाले लोगों को परेशानी हो रही है। साथ ही जलजमाव से ग्रामीणों को संक्रामक बीमारी फैलने का भय बना हुआ है। नाला का पानी रोड पर बहाने की समस्या को लेकर एवम् रविवार रहने के कारण प्रखंड विकास पदाधिकारी से बात नहीं हो सकी। वहीं पंचायत के मुखिया ने गंदे नाली का पानी की समस्या को लेकर ग्रामीणों को जल्द ही निदान करने का अवसान दिया गया है।

अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई का बीडीओ ने किया भौतिक सत्यापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के कुरेठा पंचायत के वन पोखर के पास अवस्थित अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई का प्रखंड विकास पदाधिकारी सुमन कुमारी ने भौतिक सत्यापन किया। कहा कि डोर टू डोर कचरा उठाने का सेवा शुल्क सभी लाभुक से ले। साथ ही आवश्यक दिशा निर्देश स्वच्छता पर्यवेक्षक श्रवण कुमार को दिये। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सुमन कुमारी ने रजिस्टर पंजी का भी भौतिक सत्यापन किए । इस अवसर पर प्रखंड समन्वयक संजीव कुमार,

कार्यपालक सहायक शिशिर कुमार, पैक्स अध्यक्ष छोटू कुमार गोस्वामी, समाजसेवी रतन परिहार, डाटा ऑपरेटर सोनू कुमार गोस्वामी आदि उपस्थित रहे।

महिलाओं का आरक्षण को लेकर प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। नगर पश्चिम मंडल महिला मोर्चा भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में शहर में एक विशाल महिला पदयात्रा निकाली गई। जिसने पूरे शहर का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या आगे बढ़ी। महिलाओं का उत्साह और एकजुटता देखते ही बन रही थी। हाथों में तख्तियां और नारों के साथ महिलाओं ने अपने अधिकारों की आवाज बुलंद की। वही पदयात्रा के दौरान वक्ताओं ने कहा कि महिलाओं के हक और सम्मान से

में महिलाओं ने भाग लेकर 33 फीसदी आरक्षण के मुद्दे पर अपना जोरदार विरोध दर्ज कराया। आयोजित पदयात्रा में ह्लमहिलाओं के अधिकारों पर वार, कांग्रेस जिम्मेदारह्लजैसे नारों के साथ निकली यह जन आक्रोश पदयात्रा पूरे कटिहार शहर में भ्रमण करती हुई किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने सरकार से महिलाओं को उनका अधिकार सुनिश्चित करने की मांग किया। अब महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति काफी जागरूक हैं और किसी भी तरह की अनदेखी के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाने को तैयार हैं।

धर्मशाला रोड पर जल जमाव से जाने आने में परेशानी

करीबन 50 मीटर की दूरी पर छोटे बड़े सैकड़ो गड्ढे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सालमारी (कटिहार)। इन दिनों हो रही रूक रूक कर वर्षा से सालमारी बाजार की मुख्य सड़क पर जगह जगह जल जमाव से आम जन परेशान हैं और यहां प्रशासन मूक दर्शक बना हुआ है। सालमारी की यह कोई नई समस्या नहीं है। वर्षो से सालमारी धर्मशाला रोड,चौक बाजार, सहित यहां की सड़कों पर कई स्थानों पर वर्षा होते ही घुटने भर जल जमाव हो जाता है।जिसकी वजह से पैदल चलने वाले को तो काफी परेशानी उठानी पड़ती है।

सालमारी धर्मशाला रोड पर करीबन 50 मीटर की सड़क पर सैकड़ो छोटे बड़े गड्ढे बन जाने की वजह से खासकर स्कूली छात्र-छात्राओं को स्कूल जाने में काफी परेशानी उठानी पड़ती है। कई

छात्राये ने बताया कि यहां गड्ढे और पानी जल जमाव की वजह से हम लोगो को स्कूल भी नहीं जा पाते हैं। कपड़े खराब हो जाते हैं उबर खाबर सड़क पर साइकिल भी नहीं चल पाती है। जिसकी वजह से स्कूल जा पाना काफी कठिन हो जाता है। वहीं बाईक,टो टो, टेम्पो सहित अन्य सभी वाहनों को धर्मशाला रोड पर जल जमाव से रोजाना परेशानी उठानी पड़ रही है। निकट ही हाईस्कूल, मिडिल स्कूल,सालमारी रेलवे स्टेशन, मुख्य बाजार सभी को इस जल जमाव होकर गुजरना पड़ता है। जिस की वजह से स्कूली बच्चों, छात्राओं को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। सालमारी बाजार में जलनिकासी को लेकर आज तक नालें का निर्माण नहीं हो पाया है। जिसकी वजह से यहां जगह जगह जल जमाव की स्तिथि उत्पन्न हो रही है। समाजसेवी ललित बूबना,संजय गुप्ता,लालू भगत, दुर्गेश शर्मा सहित अन्य लोगों ने सालमारी में नालें का निर्माण एवं धर्मशाला रोड पर जल जमाव से निजात दिलाने की मांग प्रशासन से की है।

सात साल में सबसे तेज रफ्तार से तेल बेच रहा वेनेजुएला, कल तक चौपट थी अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली, एजेंसी। वेनेजुएला के दिन बहुरते दिख रहे हैं। पिछले एक दशक से यह देश भीषण आर्थिक संकट का सामना करता आया है। लेकिन, अब इसका तेल दोबारा पूरी दुनिया में बहने लगा है। वह भी सात साल से ज्यादा समय में सबसे तेज रफ्तार से। शिपिंग डेटा और सरकारी कंपनी के दस्तावेजों के मुताबिक, अप्रैल में वेनेजुएला का कच्चा तेल निर्यात 14 प्रतिशत बढ़ गया। यह बढ़कर 12.3 लाख बैरल प्रति दिन हो गया। इसकी मुख्य वजह अमेरिका, भारत और यूरोप से बढ़ी हुई मांग है। यह वही वेनेजुएला है जहां 2018-19 के दौरान महंगाई चरम पर थी। लोग एक पैकेट दूध या ब्रेड खरीदने के लिए नोटों से भरे बैग लेकर जाते थे।

मार्च के मुकाबले यह तेज उछाल तब आया जब वेनेजुएला ने अपने तेल के भंडार को कम करना और कच्चे

तेल का उत्पादन फिर से शुरू करना जारी रखा। यह सब जनवरी में अमेरिका की ओर से निकोलस मादुरो को सत्ता से हटाने के बाद हुआ। इस घटनाक्रम ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज के बीच एक बड़े तेल सप्लाई समझौते का रास्ता साफ कर दिया।

आसान हुआ वेनेजुएला का तेल खरीदना- रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस समझौते के साथ इस साल की शुरुआत में अमेरिकी लाइसेंसों ने प्रतिबंधों में ढील दी। इससे शाझेदारों और विटोल और ट्राफिगुरा जैसी बड़ी ट्रेडिंग कंपनियों के लिए वेनेजुएला का कच्चा तेल खरीदना आसान हो गया। ये कंपनियां उत्तरी अमेरिका, यूरोप और एशिया सहित दुनिया भर के कई बाजारों में रिफाइनरियों के लिए तेल खरीद रही हैं।

अमेरिका सबसे बड़ा खरीदार- वेनेजुएला के कच्चे तेल के लिए अमेरिका सबसे बड़ा सीधा खरीदार बना रहा। पिछले महीने उसने लगभग 4,45,000 बैरल प्रति दिन तेल आयात किया। मार्च के 3,63,000 बैरल प्रति दिन से यह ज्यादा था।

भारत और यूरोप ने भी बढ़ाई खरीद- भारत ने भी अपनी खरीद बढ़ाई और पिछले महीने के 3,42,000 बैरल प्रति दिन के मुकाबले 3,74,000 बैरल प्रति दिन तेल खरीदा। वहीं, यूरोप को होने वाला निर्यात 1,44,000 बैरल प्रति दिन से बढ़कर लगभग 1,65,000 बैरल प्रति दिन हो गया। इसके अलावा, वेनेजुएला का 1,87,000 बैरल प्रति दिन कच्चा तेल और ईंधन कैरिबियन के स्टोरेज सेंटरों पर भेजा गया, जहां से उसे आगे बेचा जाएगा।

रोहित जैन आरबीआई के नए डिप्टी गवर्नर बने, टी रबी शंकर की लेंगे जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने रोहित जैन को तीन साल की अवधि के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है। रोहित जैन की नियुक्ति 3 मई से प्रभावी होगी। वह वर्तमान में केंद्रीय बैंक में कार्यकारी निदेशक के पद पर कार्यरत हैं। डिप्टी गवर्नर के तौर पर उन्हें कौन सा विभाग सौंपा जाएगा, इसकी घोषणा अभी बाकी है। रोहित जैन टी रबी शंकर की जगह लेंगे। टी रबी शंकर का विस्तारित कार्यकाल शनिवार को समाप्त हो गया।

सूत्रों ने सोमवार को बताया कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने तीन मई या पदभार ग्रहण करने की तारीख से तीन साल के लिए जैन की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। रबी शंकर को पहली बार सितंबर 2021 में तीन साल के लिए डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया गया था। उन्हें 2024 में एक साल का विस्तार दिया गया। इसके बाद 2025 में भी उन्हें विस्तार मिला। रोहित जैन के पास बैंकिंग और मैनेजमेंट का लंबा अनुभव है। वह करीब 30 साल से इस क्षेत्र में हैं। वह बैंक की बारीकियों को गहराई से समझते हैं। बतौर एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर उन्होंने रिस्क मैनेजमेंट और बैंक की कमियों को पकड़ने वाले अहम विभागों को संभाला।

डिफेंस कंपनी का नेट प्रॉफिट 69 प्रतिशत गिरा, सोमवार को शेयरों में दिखेगी हलचल

नईदिल्ली, एजेंसी। डिफेंस कंपनी जेन टेक्नोलॉजी के लिए मार्च तिमाही काफी निराशाजनक साबित हुई है। इस दौरान कंपनी के नेट प्रॉफिट में भारी गिरावट देखने को मिली। कंपनी ने दी जानकारी में बताया है कि जनवरी से मार्च 2026 के दौरान कुल नेट प्रॉफिट 31.50 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 101.10 करोड़ रुपये रहा था। यानी सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 69 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। कंपनी ने दी जानकारी में बताया है कि पिछली वित्त

वर्ष की आखिरी तिमाही के दौरान कुल 178.10 करोड़ रुपये का रेवन्यू रहा है। एक साल पहले इसी चौथी तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 324.90 करोड़ रुपये रहा था। यानी सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 45.20 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। जेन टेक्नोलॉजी का 63.10 प्रतिशत की गिरावट के बाद 51 करोड़ रुपये रहा है। इसके पहले के वित्त वर्ष की आखिरी तिमाही में यह 138 करोड़ रुपये रहा था।

डिविडेंड का ऐलान- कंपनी ने तिमाही नतीजों के साथ-साथ डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट भी घोषित कर दिया है। जेन टेक्नोलॉजी की तरफ से दी जानकारी में बताया गया है कि 1 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 1 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा। कंपनी ने डिविडेंड के लिए 21 अगस्त 2026, दिन शुक्रवार को रिकॉर्ड डेट घोषित किया है।

शुक्रवार को जेन टेक्नोलॉजी लिमिटेड के शेयर बीएसई में 0.72 प्रतिशत की गिरावट के बाद 1671.25 रुपये के स्तर पर बंद हुआ था। बीते एक महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 30 प्रतिशत की तेजी आई है।

ऐपल जैसे मौके अब कहां 400 अरब कैश लेकर बैठे हैं

वॉरेन बफे ने की टिम कुक की तारीफ

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के जाने-माने निवेशक वॉरेन बफे की कंपनी बर्कशायर हैथवे का कैश बैलेंस रिकॉर्ड 397 अरब डॉलर पहुंच चुका है। कंपनी ने मार्च तिमाही में 8.1 अरब डॉलर की बिकवाली की। कंपनी लगातार 14वीं तिमाही में नेट सेलर रही। कंपनी ने ओमाहा में अपनी सालाना शेयरहोल्डर मीटिंग में इसकी घोषणा की। इस मौके पर कंपनी के 95 साल के चेयरमैन बफे ने कहा कि नए सीईओ ग्रेग एबल की तारीफ करते हुए कहा कि वह उनके काम को आगे बढ़ा रहे हैं। बफे 60 साल तक कंपनी के सीईओ रहे थे।

एबल ने कहा कि बर्कशायर की ऑपरेटिंग फिलोसफी में कोई बदलाव नहीं होगा। उन्होंने कहा, 'हमें बर्कशायर के कई बिजनेस में उत्कृष्टता हासिल करनी होगी। यह हमारा फोकस रहा है और आगे भी यही रणनीति जारी रहेगी।' कंपनी ने मार्च तिमाही में अपने ही 234 मिलियन डॉलर के शेयर खरीदे। मई 2024 के बाद कंपनी ने पहली बार स्टॉक बायबैक किया है। इस दौरान कंपनी का ऑपरेटिंग प्रॉफिट 18 फीसदी बढ़कर 11.35 अरब डॉलर पहुंच गया जो पिछले साल समान तिमाही में 9.64 अरब डॉलर था।

बर्कशायर ने ऐपल में 35 अरब डॉलर का निवेश किया था जो अब बढ़कर 185 अरब डॉलर हो चुका है। अब ऐपल जैसे मौके बहुत दुर्लभ हो गए हैं। यही वजह है कि बर्कशायर का कैश बैलेंस इतना बढ़ गया है।

वॉरेन बफे, बर्कशायर हैथवे के चेयरमैन कुक की तारीफ

बफे ने मौके पर ऐपल के सीईओ टिम कुक की जमकर तारीफ की। कुक ने हाल ही में सीईओ पद छोड़ने की घोषणा की है। बफे ने कहा कि बर्कशायर ने ऐपल में 35 अरब डॉलर का निवेश किया था जो अब बढ़कर 185 अरब डॉलर हो चुका है। उन्होंने कहा कि अब ऐपल जैसे मौके बहुत दुर्लभ हो गए हैं। यही वजह है कि बर्कशायर का कैश बैलेंस इतना बढ़ गया है। कुक 2011 में ऐपल के सीईओ बने थे। उनके कार्यकाल के दौरान कंपनी का रेवेन्यू 3.8 गुना और मार्केट मार्केट कैप 10.6 गुना बढ़ा। इस दौरान कंपनी के शेयरों में करीब 2000 प्रतिशत तेजी आई है।

बर्कशायर ने पिछले एक दशक में कोई बड़ी डील नहीं की है। रिटेल से लेकर इंडस्ट्रियल ऑपरेशंस तक इसके कई परंपरागत बिजनेस की ग्रोथ मिलीजुली रही है। निवेशक ज्यादातर टेक्नोलॉजी वाले शेयरों पर ज्यादा निवेश कर रहे हैं। बर्कशायर हैथवे 1.020 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की 12वीं बड़ी वैल्यूएबल कंपनी है। पिछले सत्र में कंपनी का शेयर 0.12 प्रतिशत गिरावट के साथ बंद हुआ था। बफे ने पिछले साल बर्कशायर का पद छोड़ने की घोषणा की थी। उसके बाद से कंपनी का प्रदर्शन एसएंडपी 500 के मुकाबले कम रहा है।

ईरान-इजरायल युद्ध की शिकार अमेरिकी बजट एयरलाइन, झेल नहीं पाई बढ़ते एटीएफ की मार, बंद कर दिया कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान युद्ध का असर अब दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका पर भी पड़ने लगा है। वहां फ्यूल की बढ़ती कीमतों के कारण आम जनता के साथ-साथ एयरलाइन कंपनियां भी परेशान हैं। देश की बजट एयरलाइन स्पिरिट एयरलाइन्स ने अपना ऑपरेशन बंद करने की घोषणा की है। यह ईरान युद्ध के कारण कारोबार समेटने वाली अमेरिका की पहली एयरलाइन कंपनी है। कंपनी सरकार से बेलआउट लेने में नाकाम रही। इससे हजारों लोगों की नौकरी पर असर पड़ेगा। इस एयलाइन की बाजार हिस्सेदारी 5 फीसदी है और अमेरिका में पिछले दो दशक में यह पहला मौका है जब कोई इतनी बड़ी एयरलाइन बंद होने जा रही है।

ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक जेट फ्यूल की कीमत दोगुनी हो चुकी है। किसी भी एयरलाइन की ऑपरेटिंग कॉस्ट में एटीएफ की हिस्सेदारी करीब आधी होती है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक स्पिरिट एयरलाइन्स का बंद होना राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए भी एक बड़ा झटका है। उन्होंने एयरलाइन को बचाने के लिए 500 मिलियन डॉलर का प्रस्ताव रखा था। उनके कुछ करीबी सलाहकारों और कांग्रेस में कुछ रिपब्लिकन सदस्यों ने इसका विरोध किया। लेकिन कंपनी सरकार के बेलआउट प्लान के लिए क्रेडिटर्स का सपोर्ट हासिल करने में नाकाम रही। स्पिरिट ने देश में हवाई टिकट की कीमत कम रखने में मदद की जबकि उसका मुकाबला कई दिग्गज एयरलाइन्स से था। कंपनी के बोर्ड की मीटिंग में एयरलाइन को बचाने के लिए कोई सहमति नहीं बन पाई। स्पिरिट ने एक बयान में कहा कि कंपनी के प्रयासों के बावजूद हाल में तेल की कीमतों में तेजी और बिजनेस पर दूसरे दबावों ने स्पिरिट की वित्तीय स्थिति पर काफी असर डाला है। ऐसी स्थिति में हमारे पास ऑपरेशन बंद करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

कंपनी के प्रयासों के बावजूद हाल में तेल की कीमतों में तेजी और बिजनेस पर दूसरे दबावों ने स्पिरिट की वित्तीय स्थिति पर काफी असर डाला है। ऐसी स्थिति में हमारे पास ऑपरेशन बंद करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

कंपनी ने बताया की सभी फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गई है। कंपनी ने यात्रियों को फ्लाइट पकड़ने एयरपोर्ट न जाने की सलाह दी है। ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की सप्लाई टाइट हो गई है। इसकी वजह यह है कि दुनिया का 20 फीसदी कच्चा तेल इसी रास्ते गुजरता है।

भारत पर 4 तरीकों से सामने आएगा असर, सीईए नागेश्वरन ने दी चेतावनी, तेल का समझाया रोल

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने खतरे की घंटी बजा दी है। शनिवार को उन्होंने पश्चिम एशिया संघर्ष से प्राइस शॉक यानी कीमतों में अचानक उछाल की चेतावनी दी है। उनके मुताबिक, इस वित्त वर्ष (2026-27) में चालू खाता घाटा बढ़कर लगभग 2 प्रतिशत तक पहुंच सकता है।

नागेश्वरन अशोक यूनिवर्सिटी की ओर से आयोजित ग्रोथ कॉन्फ्रेंस को संबोधित करने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष ऐसे समय में सामने आया है, जब अर्थव्यवस्था से एक और साल तक 7 प्रतिशत से ज्यादा की दर से बढ़ने की उम्मीद थी। सीईए ने आगे कहा, 'लेकिन कच्चे तेल, पेट्रोकेमिकल्स और पेट्रोलियम उत्पादों

की कीमतों में बढ़ोतरी ने इस संभावना को बदल दिया है। हालांकि, भारत के लिए यह मुख्य रूप से कीमतों में आया उछाल है, न कि सप्लाई में कमी। हम सप्लाई और उपलब्धता को ठीक से संभाल रहे हैं। भले ही कीमतें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तय होती हों।'

उनकी ये प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है, जब इस वित्त वर्ष में आर्थिक संभावनाओं को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। ग्लोबल स्तर पर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों को अर्थव्यवस्था और सरकारी खजाने पर बोझ माना जा रहा है। ये एफटीए हमें विदेशी बाजारों तक पहुंच प्रदान करते हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि ये हमारे व्यवसायों को प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए तैयार करते हैं। इससे उन्हें अपनी क्षमता आंकने और अधिक प्रतिस्पर्धी बनने में मदद मिलती है।

सरकार की प्रायोरिटी बताई- भारत की आयातित तेल पर निर्भरता को लेकर चिंताओं को दूर करते हुए नागेश्वरन ने बताया कि विकल्पों के मामले में भी कीमतों को लेकर चुनौतियां होंगी।

एफटीए का पड़ेगा पॉजिटिव इम्पैक्ट

हालांकि, सीईए ने इस बात पर जोर दिया कि भारत की ओर से किए गए मुक्त व्यापार समझौतों का सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'ये एफटीए हमें विदेशी बाजारों तक पहुंच प्रदान करते हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि ये हमारे व्यवसायों को प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए तैयार करते हैं। इससे उन्हें अपनी क्षमता आंकने और अधिक प्रतिस्पर्धी बनने में मदद मिलती है।' नागेश्वरन ने आगे कहा कि ये समझौते भारत को न सिर्फ ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित करेंगे, बल्कि यह भी सुनिश्चित करेंगे कि हम ऐसा प्रतिस्पर्धी तरीके से करें।

एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी। देर रात एलपीजी सिलेंडर की बड़ी खुशखबरी आई थी। 46313 मैट्रिक टन से लदे एलपीजी कैरियर ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का रास्ता पार कर लिया। भारत की एलपीजी जरूरतों को पूरा करने के लिए यह एक बड़ी गुड न्यूज है। बता दें, आज एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। जिसकी वजह एलपीजी सिलेंडर का रेट पुराने स्तर पर बना हुआ है। 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में 993 रुपये का इजाफा 1 मई को किया था। जिसके बाद दिल्ली में रेट 2078.50 रुपये से बढ़कर 3061.50 रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले 1 अप्रैल को कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में 195.50 रुपये और 1 मार्च को 114.50 रुपये का इजाफा हुआ था। तीन महीने में कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर का रेट 1303 रुपये बढ़ चुका है। रिपोर्ट के अनुसार 46313 मैट्रिक टन एलपीजी सिलेंडर ने 2 मई को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज क्रॉस किया है। इसमें 20 सदस्य मौजूद हैं। यह जहाज 13 मई विसाखापत्तनम् पहुंच सकता है।

एलपीजी प्रोडक्शन के लिहाज से भी अच्छी खबर है। लाइव मिंट की रिपोर्ट के अनुसार भारत ने अपना एलपीजी प्रोडक्शन 60 प्रतिशत बढ़ा लिया है।

रेलवे प्लेटफॉर्म पर खाद्य पदार्थ बेचने वाले लाइसेंसी परेशान

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी कंपनियों ने बीते शुक्रवार को ही कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों के दाम में तगड़ी बढ़ोतरी की है। इसके बाद रेलवे प्लेटफॉर्म पर खान-पान स्टॉल, फूड ट्रॉली और ट्रे में पूड़ी-सब्जी या अन्य खाद्य पदार्थ बेचने वाले लाइसेंसी परेशान हैं। इनका कहना है कि रेलवे प्लेटफॉर्म पर खान-पान स्टॉल चलाने वाले लाइसेंसी का रेट साल 2012 में तय हुआ है। तब से महंगाई कहां से कहां चली गई है। ऐसे में उन्होंने रेल मंत्रालय से रेट में रिवीजन की गुजारिश की है। रेलवे के देश भर के लाइसेंसी वेंडर का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था अखिल भारतीय रेलवे खान-पान लाइसेंसीज वेलफेयर एसोसिएशन है। इसने रेल मंत्रालय से रेलवे प्लेटफॉर्मों पर संचालित खान-पान स्टॉल, ट्रॉली, ट्रे, ढाबा और अन्य वेंडिंग यूनिट्स के लाइसेंसधारकों को तत्काल राहत देने की मांग की है। एसोसिएशन ने सरकार का ध्यान इस ओर भी दिलाया है कि आज से देशभर में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में करीब एक हजार रुपये की बढ़ोतरी एक ही दिन में हो गई है। ऐसे में वेंडरों के सामने भारी परेशानी खड़ी हो गई है।

रेल मंत्री से लगाई गुहार- एसोसिएशन के अध्यक्ष रविंदर गुप्ता ने रेल मंत्री अश्विनी

वैष्णव को पत्र भेज कर गुहार लगाई है। इसमें कहा गया है कि वैश्विक ऊर्जा संकट से भारत भी प्रभावित है। इस वजह से 1 मार्च 2026 से सरकार द्वारा कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति भी बंद कर दी गई है। इसके चलते वेंडर को काम चलाने के लिए 14 किलो के गैस सिलेंडर लेने पड़ रहे हैं। इसकी कीमत 2,000 से 5,000 रुपये तक पहुंच गई है। इसलिए रेलवे प्लेटफॉर्म पर बिकने वाले खाद्य पदार्थों की कीमतों में तत्काल बढ़ोतरी हो। उन्होंने एनबीटी को बताया कि रेलवे प्लेटफार्म पर काम करने वाले लाइसेंसी वेंडर के लिए रेट लिस्ट में पिछली बार समीक्षा साल 2012 में हुई थी। तब से लेकर आज तक महंगाई कई गुना बढ़ गई है, लेकिन रेलवे ने रेट में कोई बढ़ोतरी नहीं की है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि रेलवे प्लेटफॉर्म पर बिकने वाली चाय का रेट अभी भी 5 रुपये कप है। वह सवाल पूछते हैं कि इतने कम कीमत पर चाय बेचना संभव है वह भी लाइसेंस फीस और तरह तरह के टैक्स चुका कर। उल्लेखनीय है कि इन वेंडरों की बिक्री में करीब 40 फीसदी हिस्सेदारी पानी के बोतल और चाय की ही होती है। रेलवे के लाइसेंसधारी वेंडरों ने यह भी बताया कि उन पर 18 प्रतिशत जीएसटी, 5 प्रतिशत जीएसटी ऑन सेल्स, 12 प्रतिशत लाइसेंस फीस, 10-15 प्रतिशत वेंडर्स कमीशन और 5-10 प्रतिशत अन्य करों का अतिरिक्त बोझ है।

लाइसेंस फीस में राहत मिले

पत्र में यह भी उल्लेख किया गया कि भारत में आपूर्ति को सामान्य स्तर पर पहुंचने में अभी लगभग 3 वर्ष लग सकते हैं। ऐसे में एसोसिएशन ने रेलवे प्रशासन से महामारी काल की तरह लाइसेंस फीस में राहत देने और चाय एवं अन्य खाद्य पदार्थों की बिक्री दरों में वृद्धि करने की मांग की है।

छह साल में तीन गुना हो गया दाम

यदि 19 किलो वाले एलपीजी गैस वाले कॉमर्शियल सिलेंडर या हलवाई सिलेंडर की बात करें तो यह बीते छह साल में तीन गुना महंगा हो गया है। एक मई 2020 को इस सिलेंडर के रिफिल का दाम दिल्ली में 1,144.50 रुपये था। बीते शुक्रवार यानी एक मई 2026 को इसकी कीमत बढ़ने के बाद दिल्ली में यह रिफिल 3,071.50 रुपये में मिल रहा है। बीते तीन महीने में ही यह सिलेंडर कुल 1,303 रुपये महंगा हो चुका है।

900 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न देने वाले शेयरों का होगा 10 हिस्सों में बंटवारा

नईदिल्ली, एजेंसी। अगले कुछ दिनों में जिन कंपनियों के शेयरों का बंटवारा होगा उसमें भी है। कंपनी के शेयरों को 10 हिस्सों में बांटने के लिए बोर्ड ने अपनी मंजूरी दे दी है। बता दें, बीते 5 साल में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 900 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई है। स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में कंपनी ने बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 10 हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू 10 रुपये से घटकर 1 रुपये प्रति शेयर हो जाएगा। 5 मई 2026 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी मंगलवार को कंपनी के शेयरों का 10 हिस्सों में बंटवारा हो जाएगा।

एनएसई पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार कंपनी की तरफ से कोई भी डिविडेंड या बोनस शेयर अबतक नहीं दिया गया है। शेयर गुरुवार को मार्केट के क्लोजिंग के टाइम पर एनएसई में 0.90 प्रतिशत की गिरावट के बाद 125.50 रुपये के स्तर पर था। पिछले एक महीने में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 10.70 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। हालांकि, इसके बाद भी एक साल में यह स्टॉक 17.60 प्रतिशत लुढ़क चुका है। कंपनी का 52 वीक हाई 202 रुपये और 52 वीक लो लेवल 138.50 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 76.18 करोड़ रुपये का है।

तीन साल में कंपनी के शेयरों का भाव 16 प्रतिशत गिरा है। बता दें, 5 साल से इस स्टॉक को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 923 प्रतिशत का फायदा हुआ है। इस दौरान निफ्टी50 का रिटर्न 64 प्रतिशत ही रहा है।

कंपनी में किसकी कितनी है हिस्सेदारी

प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 53.64 प्रतिशत है। वहीं, पब्लिक के पास 46.36 प्रतिशत हिस्सा है। यह आंकड़ा 2 मई 2026 का है। इससे पहले 6 अप्रैल 2026 के आंकड़ों के अनुसार कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 54.07 प्रतिशत और पब्लिक की हिस्सेदारी 45.93 प्रतिशत थी। यानी कंपनी के प्रमोटर्स ने इस दौरान हिस्सेदारी को घटाया है।

बालू में चुआं खोदकर पानी पीने को मजबूर हैं आदिवासी

सुबह होते ही शुरू होती पानी की तलाश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चतरा। झारखंड के चतरा जिले में गर्मी की दस्तक के साथ ही हालात चिंताजनक हो गए हैं। पानी का संकट इतना गहरा गया है कि यहां के आदिवासी परिवारों को पीने के पानी के लिए सूखी नदी के तपते बालू में चुआं खोदना पड़ रहा है।

राजस्थान जैसी तस्वीर पेश कर रहे इस इलाके में लोग बूंद-बूंद पानी के लिए भटक रहे हैं और उसी अस्थायी स्रोत से अपनी प्यास बुझाने को मजबूर हैं।

भीषण जल संकट के बीच चतरा का हेसातु गांव इस समय इंटरनेट मीडिया में चर्चा का विषय बना हुआ है। हेसातु गांव और मोरहर नदी के बीच की दूरी करीब एक किलोमीटर है। यह नदी गांव के आदिम जनजाति के बैगा परिवारों के लिए जीवनरेखा बनी हुई है।

गर्मी के दिनों में यहां भीषण जल संकट उत्पन्न हो जाता है। यह समस्या हर साल सामने आती है। गर्मी की दस्तक के साथ ही ग्रामीण पानी की व्यवस्था में जुट जाते हैं। इस वर्ष थोड़ी देर से समस्या गहराई, क्योंकि पिछले साल क्षेत्र में अच्छी वर्षा हुई थी। इसी कारण मोरहर नदी में चुआं खोदने की प्रक्रिया भी विलंब से शुरू हुई।

गांव के नरेश बैगा बताते हैं कि गर्मी के दिनों में चुआं का पानी पीना उनकी मजबूरी बन जाती है। हेसातु गांव में तीन हैंडपंप हैं, लेकिन गर्मी में जलस्तर नीचे चले जाने के कारण वे बेकार हो जाते हैं। गुंजा बैगिन कहती हैं कि मोरहर नदी ही उनके लिए जीवनरेखा है। जैसे-जैसे जलस्तर गिरता है, नदी में चुआं खोदने का सिलसिला शुरू हो जाता है।

प्रतापपुर प्रखंड मुख्यालय से 18 किलोमीटर दूर स्थित सिदिक पंचायत का यह गांव बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। सुबह होते ही महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग बर्तन लेकर पानी की तलाश में निकल पड़ते हैं। करीब एक किलोमीटर दूर जाकर नदी के चुआं से पानी लाना उनकी मजबूरी है। यह पानी साफ नहीं होता, जिससे बीमारियों का खतरा बना रहता है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब सरकार हर घर तक जल पहुंचाने की बात करती है, तो हेसातु जैसे गांव अब तक योजनाओं से वंचित क्यों हैं? गांव की महिलाएं जनप्रतिनिधियों से नाराज हैं। उनका कहना है कि चुनाव के समय नेता वोट मांगने आते हैं और बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन चुनाव के बाद उन्हें भूल जाते हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि कई बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकला। ग्रामीणों की मांग है कि गांव में जल्द पेयजल योजना लागू की जाए, ताकि हर घर तक स्वच्छ पानी पहुंच सके। हेसातु की यह स्थिति सिर्फ एक गांव की नहीं, बल्कि उन कई क्षेत्रों की सच्चाई है, जहां आज भी लोग बुनियादी जरूरत पानी के लिए जूझ रहे हैं।

पर्यटन मंत्री ने की मेला की समीक्षा बैठक, 31 जुलाई से होगा मेला शुरू

मेला में अब नहीं होगा वीआईपी दर्शनम्

- मेला से पहले पूरा हो देवघर-बासुकीनाथ फोरलेन
- मेला में आधुनिक तकनीकी का भी होगा उपयोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। झारखंड के पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार ने रविवार को देवघर में श्रावणी मेला की समीक्षा बैठक किया। बैठक में पर्यटन सचिव मुकेश कुमार के अलावा आयुक्त संताल परगना संजय कुमार और देवघर-दुमका के डीसी-एसपी मुख्य रूप से थे।

पर्यटन मंत्री ने कहा कि मेला शुरू होने में 90 दिन का समय है। आगामी 31 जुलाई से मेला शुरू हो रहा है। पिछले साल से बेहतर सुविधा श्रद्धालुओं को मिले ऐसी व्यवस्था की तैयारी की जा रही है। परिसदन सभागार में अधिकारियों संग बैठक में कहा कि देवतुल्य श्रद्धालु सुलभ व सुरक्षित जलार्पण के साथ एक अच्छी अनुभूति प्राप्त कर अपने गंतव्य की ओर रवाना हों। खिजुरिया के निकट बनने वाला फूटओवर ब्रिज का डिजाइन बन गया है। डीपीआर बनने की प्रक्रिया में है। उपायुक्त से कहा गया है कि कुछ संशोधन की जरूरत हो तो देख लें। अगले साल मेला में यह बन जाएगा।

बैठक में राजकीय श्रावणी मेला के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा को लेकर वीआईपी, वीवीआईपी दर्शन पूर्ण रूप से बंद रहने की बात कही गयी। ताकि श्रावणी मेला के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मंत्री ने पदाधिकारियों से कहा कि मेला से पूर्व देवघर-बासुकीनाथ फोरलेन कार्य पूरा हो जाए। समन्वय के साथ कार्य कर लें। आगामी राजकीय श्रावणी मेला में विधि व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, अपराध नियंत्रण, वाहनों का पड़ाव स्थल, सुविधाजनक रूटलाइन के साथ साथ यातायात की सुव्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष निर्देश दिया गया।

उन्होंने कहा कि आगंतुक श्रद्धालु बाबा नगरी में सुगम जलार्पण कर एक मधुर स्मृति व बेहतर अनुभूति लेकर अपने गंतव्य की ओर लौटें।

सुरक्षा के लिहाज से कुछ मसलों को सामने रखा और कहा कि मेला के दौरान बाहर से आने वाले ट्रैक्टर-ट्रॉली पर डबल डेकर बनाकर या उस पर अत्यधिक भीड़ लादकर आना बेहद खतरनाक है। यह हादसों का एक प्रमुख कारण है। ऐसे में अभी से व्यापक प्रचार प्रसार कराने की जरूरत है। मेला के समय प्रवेश द्वारों और मुख्य मार्गों पर पुलिस की विशेष टीमें तैनात रहे। जो ओवरलोडेड और अवैध रूप से संशोधित ट्रॉलियों की निगरानी करेंगी और आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

बैठक में तय किया गया कि राजकीय श्रावणी मेला के दौरान तकनीकी के क्षेत्र में फेस रिकग्निशन, आधार काउंटर, एआई बेस्ड इन्ट्रीगेटेड मेला कन्ट्रोल रूम, एआई चैट बोर्ड-इन्फॉरमेशन फीडबैक एंड हेल्पलाइन, एआई बेस्ड ट्रैफिक मैनजेमेंट सिस्टम एवं लोकेशन बेस्ड एटेंन्डेंस सिस्टम व डिजिटल पवेलियम का उपयोग किया जायेगा।

फजीहत के बाद नेपाल ने बदले भंसार के नियम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रक्सौल। नेपाल सरकार ने हालिया फजीहत के बाद भंसार (कस्टम) नियमों में बड़ा बदलाव करते हुए यात्रियों के निजी सामान पर शुल्क छूट की नई व्यवस्था लागू कर दी है। यह प्रावधान नेपाल राजपत्र के तहत जारी अधिसूचना के अनुसार प्रभावी हो गया है।

नए नियमों के तहत विदेश से लौटने वाले नेपाली नागरिकों को कई व्यक्तिगत उपयोग की वस्तुओं पर पूर्ण शुल्क छूट दी गई है। इसमें इस्तेमाल किए गए कपड़े, घरेलू सामान, दवाइयां, सहायक उपकरण, सोना-चांदी की निर्धारित मात्रा, मोबाइल, लैपटॉप, घड़ी और कैमरा शामिल हैं।

छह माह से अधिक विदेश में काम कर लौटने वाले नेपाली श्रमिक एक अतिरिक्त मोबाइल फोन बिना शुल्क ला सकेंगे। वहीं, 12 माह से अधिक समय तक विदेश में कार्यरत और सामाजिक सुरक्षा कोष में पंजीकृत नागरिक एक टेलीविजन भी शुल्क मुक्त ला सकते हैं।

नई व्यवस्था के तहत सात किलो तक खाद्य सामग्री, बच्चों के लिए प्रैम और ट्राइसाइकिल, पेशेवरों के उपकरण और एक लीटर शराब भी शुल्क छूट के दायरे में रखे गए हैं।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि तय सीमा से अधिक सामान लाने पर शुल्क देना होगा। छह माह से एक वर्ष तक विदेश में रहने वालों को 50 हजार रुपये और एक वर्ष से अधिक रहने वालों को एक लाख रुपये तक के सामान पर अतिरिक्त छूट का लाभ मिलेगा।

सड़क मार्ग से सीमा पार करने वाले यात्रियों को सामान्यतः यह छूट नहीं मिलेगी। हालांकि, 100 रुपये तक के निजी सामान पर कस्टम अधिकारी छूट दे सकते हैं।

भारत में पढ़ने वाले नेपाली छात्रों को एक लैपटॉप या कंप्यूटर लाने-ले जाने पर शुल्क नहीं लगेगा। विदेशी यात्रियों के लिए भी शराब, सिगरेट, दवाइयों और खाद्य सामग्री पर सीमित मात्रा में छूट तय की गई है।

खाड़ी युद्ध का हज यात्रियों पर दिख रहा असर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। खाड़ी देशों में जारी तनाव और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों का असर अब भारतीय हज यात्रियों की जेब पर भी पड़ता दिख रहा है। हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा हवाई किराए में अचानक की गई 10 हजार रुपये की वृद्धि ने एक नया विवाद खड़ा कर दिया है।

जहां एक ओर अंतरराष्ट्रीय कारणों को इसका आधार बताया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर इसे मध्यमवर्गीय और गरीब हज यात्रियों पर एक 'मिसाइल अटैक' की तरह देखा जा रहा है। पश्चिम मेदिनीपुर जिला कांग्रेस कमेटी (अल्पसंख्यक विभाग) ने इस आर्थिक बोझ को अन्यायपूर्ण बताते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

पश्चिम मेदिनीपुर जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन मोहम्मद सोहैल रजा ने इस वृद्धि पर कड़ा ऐतराज जताया है। उन्होंने भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय को पत्र भेजकर मांग की है कि बढ़े हुए हवाई किराए को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए। उनका तर्क है कि यात्रा के अंतिम समय में हज यात्रियों पर अचानक अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालना पूरी तरह से गरीब विरोधी निर्णय है। सोहैल रजा का कहना है कि हज एक पवित्र धार्मिक यात्रा है और हजारों मुस्लिम परिवार इसके लिए जीवन भर की जमापूंजी एकत्रित करते हैं।

अचानक 10 हजार रुपये की बढ़ोतरी से मध्यमवर्गीय एवं गरीब मुस्लिम परिवारों का बजट पूरी तरह बिगड़ जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और खाड़ी युद्ध जैसे हवाला देकर आम नागरिकों को परेशान करना उचित नहीं है।

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग ने हज कमेटी ऑफ इंडिया और मंत्रालय से अपील की है कि हज यात्रियों के हितों की रक्षा की जाए। हज 2026 पैकेज की पूर्व निर्धारित कीमत को ही बरकरार रखा जाए।

होमगार्ड बहाली की सीडी और हार्ड डिस्क प्रशासन के कब्जे से गायब

सड़क पर उतरे चयनित अभ्यर्थी, की सीबीआई जांच की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। जिले में होमगार्ड बहाली को लेकर चयनित अभ्यर्थियों का आक्रोश सामने आया है। रविवार को चयनित अभ्यर्थियों ने बैठक की और वर्ष 2017 की बहाली को लेकर राज्यपाल से मिलने तथा आगामी पांच मई को एक दिवसीय धरना देने का निर्णय लिया है।

अभ्यर्थियों की मांग है कि बहाली की सीबीआई जांच हो, ताकि सीडी और हार्डडिस्क गायब करने वालों पर उचित कार्रवाई हो।

बैठक के दौरान चयनित अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि पूरे प्रकरण में उनकी कोई गलती नहीं है। धांधली और गड़बड़ी होमगार्ड के अधिकारियों के स्तर से की गई। सीडी और हार्ड डिस्क जिला प्रशासन के कब्जे से गायब हुई। फिर इसके बाद भी इसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ रहा है।

अभ्यर्थियों ने कहा कि दूसरे की गलती की सजा वे लोग भुगत रहे हैं। अभ्यर्थियों ने बताया कि डुमरी विधायक जयराम महतो के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल राज्यपाल से मुलाकात कर पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच कराने की मांग करेगा।

वर्ष 2017 में धनबाद जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के होमगार्ड बहाली को लेकर सूचना निकाली गई थी। इसी सूचना के आधार पर रेलवे मैदान धनबाद में शारीरिक जांच एवं तकनीकी दक्षता परीक्षा का आयोजन किया गया।

उस वक्त पूरी बहाली प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी करायी गई थी। इस बहाली के बाद चयनित अभ्यर्थियों की सूची भी जारी की गई, लेकिन बाद के दिनों में बहाली में धांधली करने और पैसों का लेने देने संबंधी वीडियो सामने आने के बाद इसे रद कर दिया गया।

बहाली से संबंधित वीडियो की सीडी भी जिला प्रशासन ने अपने कब्जे में ले लिया था। मामले की जब जांच शुरू हुई तो सीडी और हार्डडिस्क गायब मिले। जिसका अता पता आज तक नहीं चल पाया है। राज्य सरकार के स्तर से इस बहाली को रद कर दिया गया।

कार्बाइड से पकाये गये फलों की बिक्री पर होगी कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गुमला। आम जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ अब सख्त कार्रवाई की तैयारी जिला प्रशासन ने शुरू कर दी है। गुमला जिले को कार्बाइड मुक्त बनाने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा फल दुकानों और स्ट्रीट फूड वेंडरों पर सघन अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है।खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी प्रकाश चंद्र गुग्गी ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि फलों को पकाने में कैल्शियम कार्बाइड जैसे खतरनाक रसायनों का उपयोग किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि जांच के दौरान कार्बाइड का प्रयोग पाया गया, तो संबंधित विक्रेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार फल पकना एक प्राकृतिक जैव-रासायनिक प्रक्रिया है, जिसमें एंजाइम की क्रिया से स्टार्च शर्करा में बदलता है और फल में रंग, स्वाद व सुगंध विकसित होती है। यह प्रक्रिया मुख्य रूप से एथिलीन गैस के प्रभाव से नियंत्रित होती है, जो एक प्राकृतिक पादप हार्मोन है।वैज्ञानिक और सुरक्षित तरीके से फल पकाने के लिए एथिलीन गैस या एथ्रेल का नियंत्रित उपयोग तथा रिपनिंग चैंबर तकनीक को अपनाना ही उचित माना जाता है। कैल्शियम कार्बाइड का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित और स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है।

यह पानी के संपर्क में आने पर एसीटिलीन गैस उत्पन्न करता है, जिसमें आर्सेनिक और फास्फोरस जैसे विषैले तत्व मौजूद हो सकते हैं। ऐसे फल खाने से सिरदर्द, चक्कर, उल्टी, आंख और त्वचा में जलन, सांस लेने में परेशानी जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

लंबे समय तक इसके सेवन से तंत्रिका तंत्र पर भी दुष्प्रभाव पड़ सकता है, जो विशेष रूप से बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। विभाग ने उपभोक्ताओं को भी सतर्क रहने की सलाह दी है। अत्यधिक चमकीले और एकसमान रंग वाले, बिना सुगंध वाले या अंदर से कच्चे दिखने वाले फल संदिग्ध हो सकते हैं।

निशांत ने शुरू की सद्भाव यात्रा

कार्यकर्ताओं के समर्थन से हुए आह्लादित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार ने रविवार से 'सद्भाव यात्रा' की शुरूआत की। यात्रा के पहले दिन पश्चिमी चंपारण जाते समय हाजीपुर में जदयू कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया।

वैशाली विधायक सिद्धार्थ पटेल और राजापाकर विधायक महेंद्र राम समेत सैकड़ों कार्यकताओं ने निशांत का अभिनंदन किया। स्वागत के लिए जेसीबी मशीन से फूल बरसाए गए। निशांत ने लिफ्ट से ऊपर निकलकर सभी कार्यकताओं का अभिवादन स्वीकार किया।

यात्रा शुरू करने से पहले निशांत ने 7 सर्कुलर रोड स्थित आवास पर पिता नीतीश कुमार से आशीर्वाद लिया। इसके बाद जदयू कार्यालय पहुंचे, जहां शंखनाद और बिगुल बजाकर स्वागत हुआ।

निशांत ने अपनी यात्रा को 'सद्भाव यात्रा' नाम दिया है, जिसका अर्थ 'सबको साथ लेकर चलना' है। पहले दिन वे बेतिया-पश्चिमी चंपारण के क्षेत्रों में जाएंगे। 4 मई को वाल्मीकिनगर में जंगल सफारी का भी कार्यक्रम है।

उनके साथ मंत्री श्रवण कुमार और जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा भी मौजूद हैं। निशांत ने यात्रा की शुरूआत पश्चिमी चंपारण से की है, जो महात्मा गांधी की कर्मभूमि रही है।यह इलाका उनके पिता नीतीश कुमार के लिए भी राजनीतिक रूप से अहम रहा है। नीतीश कुमार ने भी अपनी कई महत्वपूर्ण यात्राओं की शुरूआत चंपारण से ही की थी।

यात्रा के पहले दिन कई स्थानों पर स्वागत कार्यक्रम तय हैं। इनके जरिए पार्टी शक्ति प्रदर्शन कर रही है। सद्भाव यात्रा के जरिए निशांत अपने पिता के राजनीतिक मूल्यों और कार्यशैली को आगे बढ़ाने का संदेश दे रहे हैं।

बेकाबू हाइवा ने बुलेट सवार दोस्तों को कुचला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोड्डा। जिले के महागामा थाना क्षेत्र के गम्हरिया गांव में रविवार की सुबह हृदय विदारक घटना में बुलेट सवार दो युवकों की सड़क पर ही मौत हो गई।

हादसे के आक्रोशित ग्रामीणों ने रोड जाम कर दिया है। मृतकों में 30 वर्षीय विपिन कुमार और 21 वर्षीय सत्यम कुमार शामिल है। विपिन बिहार के कटिहार का रहने वाला था, वहीं सत्यम स्थानीय नुनाजोर का निवासी था। दोनों में गहरी मित्रता थी।

रविवार की सुबह दोनों दोस्त बुलेट से गोड्डा से महागामा जा रहे थे। गम्हरिया के पास विपरीत दिशा से आ रहे अनियंत्रित हाइवा ने बुलेट सवार युवकों को अपनी चपेट में ले लिया।

घटना महागामा थाना क्षेत्र के गोड्डा - महागामा राष्ट्रीय राजमार्ग 133 पर हुई। हादसे में युवकों की मौत के बाद वहां ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने रोड जाम कर दिया है।

गुस्साये लोगों ने किया सड़क जाम

मृतक की पहचान 30 वर्षीय विपिन कुमार जो कटिहार (बिहार) का रहने वाला है जबकि 21 वर्षीय सत्यम कुमार यादव नूनाजोर का रहने वाला है।

बताया जाता है कि दोनों दोस्त थे जो किसी काम से बुलेट में सवार होकर महागामा की ओर जा रहे थे। हाइवा ने दोनों युवकों को कुचल दिया जिससे मौके पर ही दोनों युवक की मौत हो गई।

घटना के बाद स्थानीय लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। घटना से आक्रोषित लोगों ने तेज रफ्तार हाइवा के परिचालन पर रोक लगाने की मांग पर अड़े हुए है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि उक्त स्थल पर दर्जनों घटनाएं हो चुकी है जिसमें करीब आधा दर्जन लोगों की मौत हो गई है।

इधर घटना की सूचना मिलते ही महागामा पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर दोनों शवों को एंबुलेंस से रेफरल अस्पताल महागामा ले गई। जहां स्वजन एवं सगे-संबंधियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। स्वजनो के चीख-पुकार से अस्पताल परिसर गमगीन हो गया। अस्पताल में देखने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी जो भी देखने जाता उसकी भी आंखे नम हो जाती थी।

महागामा क्षेत्र में लगातार हो रही सड़क दुघर्टनाओं से लोग काफी डरे सहमे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप था अवैध तस्करी में बेलगाम वाहन चलते हैं।

अब बिहार में शहरी प्रशासन होगा डिजिटल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार सरकार ने शहरी प्रशासन को पूरी तरह डिजिटल बनाने की दिशा में एक अहम और निर्णायक कदम उठाया है।

सरकार ने राष्ट्रीय शहरी डिजिटल मिशन (एनयूडीएम) के तहत सभी नगर निकायों में ई-गवर्नेंस मॉड्यूल्स के निर्माण, विकास, कार्यान्वयन और रख-रखाव के लिए करीब 119.90 करोड़ रुपये के खर्च का प्रस्ताव स्वीकृत किया है। प्रस्ताव पर मंत्रिमंडल की स्वीकृति भी प्राप्त की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री के सात निश्चय - तीन के तहत सबका सम्मान-जीवन आसान (ईज ऑफ लिविंग) के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में यह बड़ा कदम है।

इसके तहत राज्य के सभी नगर निकायों में एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार किया जाएगा, जिससे नागरिकों को 19 तरह की सेवाएं ऑनलाइन मिल सकेंगी। इनमें प्रापर्टी टैक्स आकलन और भुगतान के अलावा ट्रेड लाइसेंस जारी करना, बिल्डिंग प्लान अप्रूवल, जल एवं सीवरेज कनेक्शन, जन शिकायत, जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र अन्य सेवाएं शामिल हैं। अभी नगर निकायों में अलग-अलग सिस्टम होने की वजह से काम में देरी, दोहराव और पारदर्शिता की कमी जैसी समस्याएं होती हैं। नए सिस्टम के लागू होने के बाद सभी सेवाएं मानकीकृत एवं केंद्रीकृत हो जाएंगी।

जिससे नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इस नई व्यवस्था में साफ्टवेयर निर्माण, हार्डवेयर की व्यवस्था, पांच वर्षो तक रखरखाव, प्रशिक्षण और डबल एंट्री अकाटिंग सिस्टम को शामिल किया गया है।

इसके तहत नगर निकायों में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों को डिजिटल कार्य प्रणाली के अनुरूप प्रशिक्षित किया जाएगा।

महिलाओं ने निकाली पदयात्रा

कटिहार। नगर पश्चिम मंडल महिला मोर्चा भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में शहर में एक विशाल महिला पदयात्रा निकाली गई। जिसने पूरे शहर का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर 33 फीसदी आरक्षण के मुद्दे पर अपना जोरदार विरोध दर्ज कराया। आयोजित पदयात्रा में ह्लमहिलाओं के अधिकारों पर वार, कांग्रेस जिम्मेदारह्लजैसे नारों के साथ निकली यह जन आक्रोश पदयात्रा पूरे कटिहार शहर में भ्रमण करती हुई आगे बढ़ी। महिलाओं का उत्साह और एकजुटता देखते ही बन रही थी। हाथों में तख्तियां और नारों के साथ महिलाओं ने अपने अधिकारों की आवाज बुलंद की। वही पदयात्रा के दौरान वक्ताओं ने कहा कि महिलाओं के हक और सम्मान से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने सरकार से महिलाओं को उनका अधिकार सुनिश्चित करने की मांग किया। अब महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति काफी जागरूक हैं और किसी भी तरह की अनदेखी के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाने को तैयार हैं।

किसानों को दी गयी केसीसी और संतुलित उर्वरक उपयोग की जानकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जामताड़ा। संतुलित उर्वरक एवं केसीसी से संबंधित जागरूकता अभियान सह गोष्ठी का आयोजन कुंडहित प्रखंड के कृषि तकनीकी सूचना केंद्र, एवं गायपथर पंचायत के नामूनमंधारा में किसानों के बीच गोष्ठी का आयोजन किया गया।

गोष्ठी में बीटीएम सुजीत कुमार सिंह, प्रखंड कृषि पदाधिकारी मनोरंजन मिर्धा, एटीम अमीर हेंब्रम उपस्थित थे गोष्ठी में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा किया गया। बीटीएम सुजीत कुमार सिंह ने बताया जागरूकता अभियान में किसानों को केसीसी से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

साथ ही किसानों को यथा शीघ्र फॉर्म भर कर प्रखण्ड कृषि कार्यालय जमा करने हेतु जानकारी दी गई। साथ ही 13 मई को प्रखंड स्तरीय केसीसी कैंप का आयोजन किया जाएगा। जहां क्षेत्र के अधिक से अधिक किसान पहुंच कर योजना का लाभ लेने हेतु जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।उन्होंने उपस्थित किसान भाइयों को जानकारी दी। उन्होंने कहा केसीसी ऋण हेतु भरा हुआ फॉर्म अपने नजदीकी किसान मित्र, बीटीएम , एटीएम एंव बीईओं के माध्यम से प्रखण्ड में जमा करने की जानकारी दी गई।वही बीटीएम ने किसानों को जानकारी देते हुए कहा किसानों को संतुलित उर्वरक के उपयोग के महत्व के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने बताया संतुलित मात्रा में उर्वरक का प्रयोग करने से फसल की उपज बढ़ती है साथ ही भूमि की उर्वरकता भी बनी रहती है। इसके लिए सभी किसान अपने खेत की मिट्टी जरूर जांच कराई। मिट्टी की जांच के बाद फसल उपजाए ताकि आपका फसल से दुगना लाभ मिल सकता है। मौके पर काफी मात्रा में किसान मित्रों एंव किसान उपस्थित थे।

विवाहिता की संदिग्ध मौत

ससुराल वालों पर लगाया हत्या का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जमुआ थाना अंतर्गत ओपी नवडीहा से रोंगटे खड़े कर देने वाली एक घटना सामने आई है, जहां एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के पिता ने ससुराल पक्ष पर अपनी बेटी की रस्सी से गला दबाकर बेरहमी से हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है।

पडरमनिया निवासी नंदलाल पंडित ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि उन्होंने करीब 10 वर्ष पूर्व अपनी पुत्री सुदमा कुमारी की शादी हिंदू रीति-रिवाज के साथ कुरहोबिन्दो निवासी बिरजू पंडित (पिता राजेंद्र पंडित) के साथ की थी।

आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले सुदमा को प्रताड़ित कर रहे थे। विवाद का मुख्य कारण सुदमा की तीन बेटियां होना बताया जा रहा है, जिसे लेकर ससुराल पक्ष उसे लगातार मानसिक और शारीरिक कष्ट दे रहा था।

नंदलाल पंडित के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 10 बजे उनके दामाद बिरजू पंडित ने फोन कर सूचना दी कि सुदमा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलते ही जब परिजन आनन-फानन में कुरहोबिन्दो पहुंचे, तो वहां का दृश्य भयावह था। परिजनों का दावा है कि सुदमा की मौत आत्महत्या नहीं, बल्कि रस्सी से गला घोंटकर की गई हत्या है।

पीड़ित पिता ने उक्त मामले को लेकर बिरजू पंडित (पति),राजेंद्र पंडित (ससुर),अनुज पंडित ,प्रीति देवी,अशोक पंडित को नामजद आरोपित बनाया है। मृतका के पिता ने ओपी प्रभारी से न्याय की गुहार लगाते हुए सभी आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग की है।

ऋतुराज ने पत्नी को दी फ्लाइंग किस, हार्दिक के आउट होने पर माहिका हुई उदास

चेन्नई, एजेंसी। आईपीएल 2026 का 44वां मुकाबला शनिवार को चेपॉक स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के बीच खेला गया। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और युवा बल्लेबाज कार्तिक शर्मा की अर्धशतकीय पारी के दम पर सीएसके ने एमआई को आठ विकेट से हरा दिया। एल क्लासिको के नाम से मशहूर इन दो टीमों के बीच मैच में कई दिलचस्प पल भी देखने को मिले।

चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने सीएसके की मुंबई पर जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 48 गेंद में पांच चौके और दो छक्कों की मदद से 67 रन की नाबाद पारी खेली। ऋतुराज ने कार्तिक शर्मा के साथ 98 रन की नाबाद साझदारी निभाई। अर्धशतक लगाने के बाद ऋतुराज ने दर्शक दीर्घा में बैठीं उनकी पत्नी उत्कर्षा को फ्लाइंग किस भी दी। ऋतुराज की बल्लेबाजी खराब रही थी और उन्हें फॉर्म में लौटता देख उत्कर्षा भी काफी खुश नजर आई।

कार्तिक शर्मा का धोनी वाला अंदाज

चेन्नई सुपर किंग्स के विकेटकीपर बल्लेबाज कार्तिक शर्मा को फ्रेंचाइजी ने 14.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि, इस मैच से पहले तक उनका बल्ला कुछ खास नहीं चला था। इस मैच में उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की और आईपीएल करियर का पहला अर्धशतक लगाया। अर्धशतक लगाने के बाद उनका गन सेलिब्रेशन ठीक उस तरह था, जैसा सेलिब्रेशन धोनी ने अक्तूबर 2005 में श्रीलंका के खिलाफ 183 रन की पारी खेलने के बाद किया था। कार्तिक धोनी की तरह विकेटकीपर भी हैं।

माहिका दिखीं उदास

इस मैच में मुंबई की टीम पहले बल्लेबाजी कर रही थी। हालांकि, टीम ने काफी धीमी शुरुआत की। ऐसे में टीम को कप्तान हार्दिक पांड्या से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन वह भी 23 गेंद में दो चौके की मदद से 18 रन बनाकर चलते बने। वापस पवेलियन लौटते वक्त उनकी गर्लफ्रैंड माहिका को दिखाया गया, जो कि काफी उदास दिख रही थीं।

दुबे-हार्दिक के बीच हुई बात

तस्वीरों में हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे के बीच मैच के दौरान एनिमेटेड बातचीत होती दिख रही है। दोनों खिलाड़ी आमने-सामने खड़े हैं और हार्दिक हाथ के इशारों के साथ कुछ समझाते या जवाब देते नजर आ रहे हैं, जबकि दुबे भी ध्यान से सुनते हुए प्रतिक्रिया दे रहे हैं। ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो किसी गेंद, शॉट या मैदान पर हुई घटना को लेकर बात चल रही है। दोनों गंभीर दिख रहे होते हैं।

सूर्यकुमार ने ऋतुराज को दी बधाई

आईपीएल 2026 में मुंबई के खराब प्रदर्शन की एक वजह सूर्यकुमार यादव का फ्लॉप रहना रहा है। हालांकि, सीएसके से मैच के दौरान ऋतुराज को उन्होंने फॉर्म में वापस लौटने की बधाई जरूर दी। सूर्यकुमार ने सीएसके के खिलाफ 12 गेंद में 21 रन की पारी खेली।

बोल्ट का 90 मीटर का छक्का

ट्रेंट बोल्ट ने सीएसके के खिलाफ अपनी पहली ही गेंद पर 90 मीटर का जोरदार छक्का लगाया। अंशुल कंबोज गेंदबाजी कर रहे थे। बोल्ट का फॉर्म इस सीजन खराब रहा है। उन्हें ज्यादा विकेट भी नहीं मिले हैं और ऐसे में उन्होंने बल्लेबाजी के दौरान छक्का जड़कर अपनी भड़ास निकाली।

आईपीएल एल क्लासिको मैच का हाल

मैच की बात करें तो मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर मे सात विकेट पर 159 रन बनाए थे। नमन धीर ने 37 गेंद में चार चौके और तीन छक्के की मदद से 57 रन की पारी खेली। वहीं, रेयान रिकेल्टन ने 24 गेंद में 37 रन बनाए। सीएसके की ओर से कंबोज ने तीन और नूर अहमद ने दो विकेट लिए। सीएसके को जीत के लिए 160 रन का लक्ष्य मिला था। गायकवाड़ के 48 गेंदों पर नाबाद 67 रन और कार्तिक शर्मा के 40 गेंदों पर नाबाद 54 रन की मदद से सीएसके ने 11 गेंद रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। सीजन के नौवें मैच में सीएसके की यह चौथी जीत थी।

टी20 मुंबई लीग में नीलामी, अर्जुन पर लगी भारी भरकम बोली

मुंबई। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने टी20 मुंबई लीग के बहुप्रतीक्षित चौथे सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी सफलतापूर्वक पूरी कर ली। इससे पूर्व पहली महिला लीग की नीलामी की सफलता के बाद पुरुषों की फ्रेंचाइजियों ने अपनी टीमों को अंतिम रूप देने के लिए बोली की मेज पर जोरदार मुकाबला किया, जिसमें उन्होंने जाने-माने अंतरराष्ट्रीय सितारों और शहर की सबसे होनहार उभरती प्रतिभाओं का मेल बिठाया।

सीजन 4 की नीलामी में बोलियों की जोरदार जंग देखने को मिली जिसमें ऑलराउंडर आकाश पारकर सबसे कीमती खिलाड़ियों में से एक बने। उन्हें सोबो मुंबई फाल्कन्स ने 12 लाख रुपये में खरीदा। विकेटकीपर-बल्लेबाज प्रसाद पवार (11.50 लाख रुपए) और हरफनमौला मुशीर खान (11 लाख रुपए) को आर्क्स अँधेरी ने अपने इरादे साफ करते हुए अपनी टीम में शामिल किया। इससे पहले लीग ने आइकॉन खिलाड़ियों की एक जबरदस्त सूची की पुष्टि की थी, जो अपनी-अपनी फ्रेंचाइजियों की अगुवाई करेंगे। इस सूची में भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और मुंबई के दिग्गज शामिल हैं जिनमें सूर्यकुमार यादव (ट्रंफ नाइट्स मुंबई नार्थ ईस्ट), श्रेयस अय्यर (सोबो मुंबई फालकन्स), अजिंक्य रहाणे (नार्थ मुंबई पैंथर्स), शिवम दुबे (आर्क्स अंधेरी), यशस्वी जायसवाल (बांद्रा ब्लास्टर्स), शार्दुल ठाकुर (ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स), सरफराज खान (आकाश टाइगर्स) और तुषार देशपांडे (स्रष्ट मराठा रॉयल्स) शामिल हैं। इस नीलामी ने भविष्य के सितारों के लिए एक लॉन्चपैड के तौर पर लीग की प्रतिष्ठा को और मजबूत किया।

अर्जुन तेंदुलकर आकर्षण का मुख्य केंद्र बने रहे; उन्हें आर्क्स अंधेरी ने 10 लाख रुपए में खरीदा। दूसरी ओर, युवा सनसनी आयुष म्हात्रे और सूर्यांश शेडगे को ट्रंफ नाइट्स ने अपनी टीम के मुख्य खिलाड़ियों के तौर पर बरकरार रखा। स्रष्ट के प्रेसिडेंट, अजिंक्य नाइक ने कहा, 'टी20 मुंबई लीग देश के सबसे ज्यादा प्रतिस्पर्धी घरेलू टी20 प्लेटफॉर्म्स में से एक के तौर पर लगातार आगे बढ़ रही है। ऑक्शन में हमने जो ज़बरदस्त जोश देखा, वह मुंबई में मौजूद टैलेंट की गहराई और इस इकोसिस्टम पर फ्रेंचाइज़ियों के भरोसे, दोनों को दिखाता है। अब जब खिलाड़ियों का एक मजबूत कोर तैयार हो चुका है, तो हम एक ऐसे सीजन के लिए तैयार हैं जो क्रिकेट की क्वालिटी, मुकाबले और कुल मिलाकर स्टैंडर्ड के मामले में एक नया बेंचमार्क सेट करेगा।' लीग गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन, राजदीप गुप्ता ने आगे कहा, 'ऑक्शन ने एक बार फिर मुंबई की क्रिकेटिंग पाइपलाइन की ताक़त को उजागर किया है। फ्रेंचाइज़ियों ने अपनी अप्रोच में काफी सोच-समझकर फैसले लिए हैं और अनुभवी खिलाड़ियों के साथ-साथ उभरते हुए टैलेंट का एक संतुलित मिश्रण तैयार किया है। यह कॉम्बिनेशन एक हाई-परफॉर्मेंस वाला माहौल बनाए रखने के लिए बहुत जरूरी है, और हमें उम्मीद है कि सीजन 4 में हमें बेहद प्रतिस्पर्धी और रोमांचक क्रिकेट देखने को मिलेगा।' यह टूर्नामेंट जून में शुरू होने वाला है, और इसकी तारीखें और जगहें जल्द ही बता दी जाएंगी। इससे पहले टी20 मुंबई वीमेन्स लीग का पहला ऑक्शन हुआ, जिसमें टीनएज सेंसेशन इरा जाधव ने सुर्खियां बटोरीं, जब आकाश टाइगर्स ने उन्हें अपनी टीम में शामिल करने के लिए 10 लाख रुपये खर्च किए।

विश्वकप के लिए भारतीय टीम घोषित हरलीन देओल को नहीं मिला मौका

मुंबई, एजेंसी। टी20 विश्व कप के लिए शनिवार को भारतीय महिला टीम घोषित हो गई। मुंबई स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्यालय में चयन समिति की बैठक के बाद टीम का एलान कर दिया गया। भारतीय टीम इस वैश्विक टूर्नामेंट में हरमनप्रीत कौर की अगुआई में खेलने उतरेगी। भारत ने पिछले साल वनडे विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था और अब टीम की नजरें अपने पहले टी20 विश्व कप खिताब पर होंगी। महिला टी20 विश्व कप 12 जून से पांच जुलाई तक इंग्लैंड और वेल्स में खेला जाएगा।

टीम में क्या खास?

टी20 विश्व कप के लिए चुने गए स्क्वॉड में अनकैप्ड नंदिनी शर्मा और विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया को शामिल किया गया है। प्रतिका रावल को टीम से बाहर कर दिया गया जबकि ऑलराउंडर अमनजोत कौर चोट के कारण टीम में जगह नहीं बना पाईं। नंदिनी मध्यम गति की गेंदबाज हैं जिन्होंने महिला प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के लिए 10 मैच खेलकर कुल 17 विकेट लिए। वह उस भारतीय टीम का भी हिस्सा थीं जिसने इस साल फरवरी में बैंकॉक में आयोजित महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था।

भारत-इंग्लैंड के बीच टेस्ट मैच के लिए टीम घोषित

टी20 विश्व कप के अलावा इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए भी टीम का एलान किया गया है। इसमें प्रतिका रावल को मौका मिला है। यह मुकाबला 10 से 13 जुलाई के बीट लॉर्ड्स के मैदान पर खेला जाएगा।

टेस्ट मुकाबले के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, प्रतिका रावल, ऋचा घोष, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया, नंदिनी शर्मा, हरलीन देओल, रेणुका सिंह, क्रांति गौड़, सयाली सतघरे, स्नेह राणा।

भारत-पाकिस्तान एक ही ग्रुप में

टी20 विश्व कप के लिए 12 टीमों को छह-छह के दो ग्रुप में बांटा गया है। भारतीय टीम ग्रुप-1 में शामिल है। ग्रुप-1 को 'ग्रुप ऑफ डेथ' माना जा रहा है, जहां मौजूदा दिग्गज टीमों के साथ भारत-पाकिस्तान की पारंपरिक प्रतिद्वंद्विता भी देखने को मिलेगी। भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप चरण का मुकाबला 14 जून को एजबेस्टन में खेला जाएगा। इस हाई-वोल्टेज मैच पर दुनियाभर के क्रिकेट प्रशंसकों की नजरें रहेंगी। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के साथ भारत के मुकाबले भी रोमांचक रहने वाले हैं।

हरमनप्रीत कौर पांचवीं बार करेंगी कप्तानी

भारतीय टीम की कमान एक बार फिर हरमनप्रीत कौर के हाथों में होगी, जो इस ग्लोबल टूर्नामेंट में पांचवीं बार टीम की अगुवाई करेंगी। हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में वह भारत की शीर्ष स्कोरर रही थीं। उपकप्तानी की जिम्मेदारी स्मृति मंधाना को सौंपी गई है। भारतीय टीम ने अपने स्पिन विभाग को मजबूत किया है, जिसमें दीप्ति शर्मा, श्रेयंका पाटिल, श्री चरणी और राधा यादव शामिल हैं। ये सभी गेंदबाज हालिया दक्षिण अफ्रीका सीरीज में प्रभावी रहे थीं। भारत का हालिया टी20 प्रदर्शन ज्यादा प्रभावशाली नहीं रहा है। 2024 टी20 वर्ल्ड कप के बाद टीम ने 21 में से 13 मैच जीते हैं, लेकिन इस साल 8 में से सिर्फ 3 मुकाबले ही जीत पाई है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई सीरीज में भारत को 5 में से 4 मैचों में हार झेलनी पड़ी।

उसे बच्चा ही रहने दो

आरसीबी के स्टार ने वैभव को लेकर की खास अपील, अपने पुराने बयान पर दिखे कायम

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी ने अपने बल्ले से धमाल मचा रखा है। 15 साल का ये बल्लेबाज कई लोगों का चहेता है और उनमें से ही एक हैं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के विकेटकीपर-बल्लेबाज जितेश शर्मा। जितेश ने कुछ दिन पहले वैभव को लेकर कहा था कि वह अनप्रोफेशनल हैं। इस बात को लेकर काफी विवाद हुआ था। जितेश ने अब इस पर दोबारा बात की है और कहा है कि वैभव अभी भी बच्चा है और उसे ऐसा ही रहने दो।

जितेश ने आरसीबी के पूर्व बल्लेबाज एबी डिविलियर्स के साथ एक पॉडकास्ट में वैभव को लेकर कहा था कि वह अनप्रोफेशनल हैं। अपने इस बयान को लेकर जितेश ने सफाई दी है।

ये है सच्चाई

जितेश ने एक पॉडकास्ट में बताया कि डिविलियर्स ने उनसे भारत के भविष्य के बारे में पूछा था और उन्होंने जवाब में वैभव का नाम लिया। उन्होंने कहा, 'वह मेरा बहुत अच्छा दोस्त है। हम दोनों काफी करीब हैं। मैं उसे कुछ भी कह सकता हूं। एबी ने मुझसे पूछा था कि आपको क्या लगता है कि कौन-सा खिलाड़ी भारत के लिए स्टार बनेगा? मैंने तुरंत वैभव का नाम लिया। जब उन्होंने पूछा कि क्यों? तो मैंने उसकी तकनीक, मानसिकता और मेहनत के बारे में बताया। मैंने कहा कि वैभव तीनों फॉर्मेट में धमाल मचा सकता है और वह मैदान पर काफी प्रोफेशनल दिखता है लेकिन मैदान के बाहर ऐसा नहीं है। '

वैभव सूर्यवंशी को आईसक्रीम पसंद है

अपने और वैभव की दोस्ती के बारे में बात करते हुए जितेश ने कहा, 'वह 15 साल का बच्चा है जिसे आईसक्रीम खाना पसंद है। वह मेरे कमरे में आता है और खाता है। मैं नहीं खाता वो खाता है। एक बच्चा अगर आईसक्रीम नहीं खाएगा तो क्या करेगा? वह मेरे घर आता है, मेरी पत्नी से बात करता है। यूट्यूब पर वीडियो देखता है। वह मेरे छोटे भाई की तरह है।' जितेश ने कहा कि लोग क्या कहते हैं उससे उन्हें फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कहा, 'मुझे फर्क नहीं पड़ता कि लोग क्या कहते हैं। उनसे काफी सारे प्रोफेशनलिज्म की उम्मीदें हैं क्योंकि उसे इस लेवल पर प्रदर्शन करना है, लेकिन वह अभी भी 15 साल का है। एक बच्चे को बच्चा रहने दो।'

क्या एमआई का खेल खत्म!

सीएसके से मिली हार के बाद कैसे प्लेऑफ में पहुंच पाएगी हार्दिक की सेना

मुंबई, एजेंसी। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस को चेन्नई सुपर किंग्स ने शनिवार को करारी मात दी, जिसके बाद टीम प्लेआफ की दौड़ से लगभग बाहर हो गई है।

चेन्नई ने ये मुकाबला आठ विकेट से अपने नाम किया। हार्दिक पांड्या की टीम मौजूदा सीजन में नौ मैचों में से सात हार चुकी है। उसे अभी पांच लीग मैच खेलने हैं। अगर वह सभी मुकाबले जीत भी लेती है तो उसके अधिकतम 14 अंक ही हो पाएंगे, जो प्लेऑफ में पहुंचने के लिए पर्याप्त नहीं होंगे। ऐसे में जानते हैं एमआई की टीम कैसे एमआई की टीम प्लेऑफ का टिकट हासिल कर सकती है।

हार ने बिगाड़ा समीकरण

चेन्नई के खिलाफ हार ने न केवल मुंबई के अंक तालिका में इजाफे को रोका, बल्कि उनके नेट रन रेट को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। मुंबई की टीम फिलहाल निचले पायदानों पर संघर्ष कर रही है। सीएसके से मिली हार के बाद एमआई की टीम प्वाइंट्स टेबल में 9वें पायदान पर है। अब यहां से अगर मुंबई एक भी मैच हारती है तो मतलब की उनका बोरिया बिस्तर पैक होने वाला है।

कैसे अभी प्लेऑफ में पहुंच सकती है MI

मुंबई इंडियंस को अब प्लेऑफ में पहुंचने के लिए इन तीन बातों पर निर्भर रहना होगा।

1. बाकी बचे सभी मैचों में जीत- मुंबई को अपने आगामी सभी मुकाबले जीतने होंगे ताकि वे 16 अंकों के चमत्कारिक अंक तक पहुंच सकें। 14 अंकों के साथ क्वालीफाई करना एमआई के लिए इस साल मुश्किल लग रहा है क्योंकि टॉप-4 टीमें तेजी से अंक बटोर रही हैं।

2. नेट रन रेट में सुधार- चेन्नई के खिलाफ मिली हार ने रन रेट को काफी नीचे गिरा दिया है। मुंबई को न केवल जीतना होगा, बल्कि बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी ताकि बराबरी के अंकों पर वे पिछड़ न जाएं

3. बाकी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा- मुंबई को अब दुआ करनी होगी कि सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स जैसी टीमें अपने अगले कुछ मैच हार जाएं, जिससे मिड-टेबल में जगह बनाने का मौका मिले।मुंबई इंडियंस की सबसे बड़ी समस्या उनकी अस्थिर बल्लेबाजी और डेथ ओवर्स में गेंदबाजी रही है। हार्दिक पांड्या की अगुवाई वाली ये टीम मैदान पर वो दिखाने में नाकाम रही है जिसके लिए मुंबई जानी जाती है। रोहित शर्मा, ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव का बल्ला से फ्लॉप होना टीम के लिए सबसे बड़ी मुसीबत रहा।

थॉमस कप के सेमीफाइनल में भारत को मिली हार; फ्रांस ने 3-0 से दी शिकस्त

नई दिल्ली । थॉमस कप 2026 के सेमीफाइनल में भारत और फ्रांस के बीच शनिवार को खेला गया हाई-वोल्टेज ड्रामे की तरह था। डेनमार्क के फोरम हॉर्सेंस एरिना में खेले गए मैच का माहौल भारतीय और फ्रांसीसी प्रशंसकों के जोश ने रोमांचक बना दिया था। अंतिम स्कोर 0-3 रहा और भारत टूर्नामेंट से बाहर हो गया, लेकिन यह आंकड़ा मैच की वास्तविक प्रतिस्पर्धा को पूरी तरह नहीं दर्शाता। मुकाबले के दौरान कई ऐसे क्षण आए जब भारतीय खिलाड़ियों ने फ्रांस को दबाव में डाला और वापसी की उम्मीद जगाई। फिर भी, निर्णायक मौकों पर फ्रांसीसी खिलाड़ियों ने संयम और सटीकता दिखाते हुए मैच अपने पक्ष में कर लिया।

फ्रांस पहली बार थॉमस कप के फाइनल में

के फाइनल में जगह बनाई। फ्रांस की सफलता के मुख्य सूत्रधार रहे टोमा जूनियर पोपोव और क्रिस्टो पोपोव भाइयों ने न केवल शानदार खेल दिखाया, बल्कि रणनीतिक रूप से भी भारतीय टीम को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने एकल और डबल्स दोनों में भाग लेते हुए टीम को संतुलन दिया, और मैच क्रम इस तरह तय किया गया कि उन्हें पर्याप्त आराम मिल सके।

भारत के लिए सबसे बड़ा झटका था लक्ष्य सेन का चोट के कारण बाहर होना। उनकी अनुपस्थिति ने टीम संयोजन को प्रभावित किया। पहले सिंगल्स में आयुष शेट्टी को उतारा गया, लेकिन वे दबाव को संभाल नहीं पाए और क्रिस्टो पोपोव के खिलाफ सीधे गेम में हार गए।

दूसरे सिंगल्स में किदांबी श्रीकांत ने अनुभव का बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने एलेक्स लैनियर को कड़ी टक्कर दी और कई मौकों पर बढ़त भी बनाई। हालांकि, अहम क्षणों में सटीकता की कमी के कारण वे मैच गंवा बैठे।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय राइफल्स को मिलेंगे 159 नए 'बुलेटप्रूफ वाहन', सुरक्षा होगी और मजबूत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में तैनात राष्ट्रीय राइफल्स की क्षमता बढ़ाने के लिए 159 आधुनिक बुलेटप्रूफ ट्रूप कैरियर (बीपीटीसी) खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सेना ने इस परियोजना के लिए भारतीय विक्रेताओं की पहचान करने के उद्देश्य से सूचना के लिए अनुरोध (आरएफआई) जारी किया है। चयनित कंपनी को अनुबंध के बाद हर वर्ष कम से कम 60 वाहनों की आपूर्ति करनी होगी। राष्ट्रीय राइफल्स वर्तमान में पुराने वाहनों पर निर्भर है, खासकर जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान सैनिकों की आवाजाही के लिए। नए बुलेटप्रूफ ट्रूप कैरियर सैनिकों को कठिन और पहाड़ी इलाकों में सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करेंगे। आरएफआई के अनुसार, इन वाहनों में पर्याप्त गतिशीलता होनी चाहिए और सवार सैनिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। प्रस्तावित बीपीटीसी में हथियार, गोला-बारूद और संचार उपकरण समेत सीमित युद्ध सामग्री ले जाने की क्षमता भी होगी। 100 किलोमीटर प्रति घंटे तथा ऑफ-रोड 50 से 75 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकेंगे। पहाड़ी क्षेत्रों में 300 किलोमीटर होगी। ये वाहन 5,000 मीटर की ऊंचाई तक संचालित हो सकेंगे और जम्मू-कश्मीर-लद्दाख के बर्फीले इलाकों में -10 डिग्री सेल्सियस से लेकर +40 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान में भी प्रभावी ढंग से काम कर सकेंगे। आरएफआई में फायरिंग पॉड्स और वाहन के हैच पर लगी मशीनगनों के जरिए सीमित फायरिंग क्षमता की भी मांग की गई है। खास बात यह है कि सेना इन बुलेटप्रूफ कैरियरों की खरीद पूरी तरह 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के अनुरूप करना चाहती है।

ऑस्ट्रियाई महिला ने स्लीपर क्लास में पढ़ी हनुमान चालीसा

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे लाखों लोगों की जीवनरेखा है, लेकिन अक्सर विदेशी पर्यटकों के लिए एक चुनौतीपूर्ण अनुभव के रूप में पेश किया जाता है। बुकिंग से लेकर बोर्डिंग तक विदेशियों को ट्रेन से यात्रा करते वक्त दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इस बीच एक ऑस्ट्रियाई पर्यटक की कहानी ने इन सभी रूढ़ियों को धराशायी कर दिया है। सोशल मीडिया वायरल हो रहे एक वीडियो में स्लीपर क्लास में भारतीय महिलाओं के साथ हनुमान चालीसा का पाठ करते देखा जा रहा है। दरअसल, भारत में 17 से अधिक ट्रेन यात्राएं करने वाली ऑस्ट्रियाई महिला चियारा का कहना है कि जहां उन्हें ट्रेन में यात्रा के दौरान सुरक्षा को लेकर आशंकाएं थीं, वहीं वास्तविकता में उन्हें सह-यात्रियों से केवल स्नेह और भोजन मिला। उन्होंने बताया कि 17 ट्रेनों की यात्रा के दौरान मुझे एक भी बुरा अनुभव नहीं हुआ है। हालांकि, वह अपने पति के साथ यात्रा करने के सुरक्षात्मक बबल को स्वीकार करती है, लेकिन उनका अनुभव पश्चिमी पर्यटकों को अक्सर बेची जाने वाली रूढ़ियों को चुनौती देता है। 560,000 से अधिक व्यूज के साथ, यह पोस्ट वायरल हो रहा है। इस पर 1,500 से अधिक उपयोगकर्ताओं ने लाइक किया। कई उपयोगकर्ताओं ने भारत का सकारात्मक पक्ष दिखाने के लिए उनकी प्रशंसा की। एक यूजर ने कमेंट किया, जब कोई हनुमान चालीसा का पाठ कर रहा होता है...तो वह प्रेम होता है और कुछ नहीं। एक अन्य यूजर ने सुझाव दिया, आपको कम से कम एक बार वृंदावन जरूर जाना चाहिए।

दिल्ली में 88 लाख किरायेदारों ने बढ़ाई जनगणना अधिकारियों की चिंता, गलत जानकारी देने पर क्या होगा नुकसान?

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के 88 लाख किरायेदारों ने जनगणना अधिकारियों की चिंता बढ़ा दी है। अधिकारियों की चिंता इस बात की है कि अगर किरायेदारों ने सक्रियता से भाग नहीं लिया तो जनगणना का पूरा गणित गड़बड़ा सकता है। उनकी मानें तो किरायेदारों को बढ़-चढ़ कर इस प्रक्रिया में भाग लेना चाहिए। क्योंकि आबादी के अनुसार, ही शहर में सुविधाएं उपलब्ध कराने की भविष्य की योजनाएं बनती हैं और ऐसे में शहर की आबादी का सही आंकलन जरूरी है। एक अनुमान के अनुसार, में दिल्ली की इस समय कुल आबादी ढाई करोड़ के करीब है। कुल आबादी में 35 प्रतिशत लोग किरायेदार माने जाते हैं। एक मई से दिल्ली नगर निगम के वार्ड क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए जनगणना 2027 के लिए स्व-गणना कवायद शुरू की गई है। अधिकारियों ने कहा कि शहर के बेहतर विकास के लिए आबादी का सही आंकलन जरूरी है। उसी के अनुसार शहर के लिए भविष्य की योजनाएं तैयार करने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि जनगणना ऐसी प्रक्रिया है जिसमें किसी मकान मालिक या किरायेदार की आय या अन्य कोई व्यक्तिगत जानकारी नहीं पूछी जाती है कि जिससे उन्हें कोई असुविधा होगी। अपने किरायेदारों के सही जानकारी देनी चाहिए। तभी उनकी कालोनी के लिए जरूरत के लिहाज से भविष्य में बहेतर सुविधाएं विकसित हो सकेंगी। इसलिए शहर की जनसंख्या का सटीक आंकलन सुनिश्चित करने के लिए उन्हें विशेष रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि निवास स्थान की स्थिति चाहे जो भी हो, सभी निवासी इसमें भाग लेने के पात्र हैं। इसके साथ ही अधिकारियों ने जनगणना के नाम पर हो रही धोखाधड़ी की गतिविधियों के बारे में भी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि कुछ जालसाज जनगणना प्रक्रिया में सहायता करने के बहाने निवासियों से ओटीपी और बैंक विवरण जैसी संवेदनशील जानकारी निकालने का प्रयास कर रहे हैं। जनगणना संबंधी कार्यों के लिए कोई भी अधिकृत अधिकारी ओटीपी, यूपीआई पिन या किसी भी प्रकार का भुगतान नहीं मांगेगा।' उन्होंने लोगों को सलाह दी है कि वे ऐसी किसी भी घटना की सूचना तुरंत साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दें। अधिकारियों ने बताया कि एमसीडी वार्डों के सभी निवासी, निवास स्थान की स्थिति की परवाह किए बिना, जनगणना पोर्टल पर स्वैच्छिक स्व-गणना कवायद में भाग ले सकते हैं।

दिल्ली यूनिवर्सिटी के नॉर्थ कैंपस की सुरक्षा होगी और मजबूत, जोन-2 में तैनात होंगे 154 नए सुरक्षा कर्मी

नई दिल्ली, एजेंसी। डीयू में सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए प्रशासन ने अधिक सुरक्षा गार्ड तैनात करने का निर्णय लिया है। डीयू में पिछले कुछ दिनों से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर छात्र और शिक्षकों ने कई बार डीयू प्रशासन से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की अपील की थी। हंसराज कॉलेज फेस्ट से लेकर छात्रसंघ चुनाव के दौरान हुए हुड़दंग, कालेज कार्यक्रमों में बाहरी तत्वों की दखलअंदाजी और लगातार मिल रही बम धमकियों ने नॉर्थ कैंपस की शैक्षणिक व्यवस्था और माहौल को प्रभावित किया है। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन ने सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। हालांकि, यह सुविधा केवल डीयू के जोन-2 के लिए होगी। दिल्ली विश्वविद्यालय ने नॉर्थ कैंपस के जोन-2 क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए लगभग सात करोड़ रुपये वार्षिक लागत का ई-टेंडर जारी किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन के तहत सार्वजनिक क्षेत्र में अनुभव रखने वाली पंजीकृत सुरक्षा एजेंसियों से तकनीकी और वित्तीय सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएंगे हैं। नॉर्थ कैंपस के जोन-2 सोशल साइंस, फैकल्टी आफ ला, लाईब्रेरी और पटेल चेस्ट से लेकर छात्र रोड तक इलाका आता है। प्रशासन के अनुसार, जोन-2 क्षेत्र में विश्वविद्यालय परिसरों, कालेजों और संबंधित संपत्तियों की चौबीसों घंटे सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 148 सुरक्षा गार्ड और 6 सुरक्षा सुपरवाइजर तैनात किए जाएंगे। इनकी जिम्मेदारी केवल प्रवेश और निकास बिंदुओं की निगरानी तक सीमित नहीं होगी, बल्कि कालेज परिसरों में नियमित निरीक्षण, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर, छात्रों की सुरक्षा, कार्यक्रमों के दौरान व्यवस्था बनाए रखना और विवाद की स्थिति में तत्काल हस्तक्षेप करना भी होगा। प्रारंभिक अनुबंध अवधि दो वर्ष की होगी, जिसे एजेंसी के संतोषजनक प्रदर्शन के आधार पर एक-एक वर्ष के लिए अधिकतम दो वर्ष तक बढ़ाया जा सकेगा। विश्वविद्यालय के उत्तर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को तीन जोनों जोन-1, जोन-2 और जोन-3 में विभाजित किया गया है।जोन-1 और जोन-3 में पहले से सुरक्षा प्रबंध अपेक्षाकृत मजबूत हैं, जबकि जोन-2 के लिए अलग से व्यापक सुरक्षा व्यवस्था विकसित की जा रही है।

2900 डीटीसी के कर्मचारियों का दर्द, ना घर का खर्च ना इलाज के लिए पैसे; तीन विभागों में उलझकर लेट होता है वेतन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में डीटीसी में महिला सुरक्षा को लेकर लगे होमगार्ड का वेतन तीन-तीन विभागों में उलझ रहा है, ऐसे में उन्हें वेतन दो से तीन माह देरी से मिलता है। वेतन देरी से मिलने से होमगार्ड अनिल (बदला हुआ नाम) के बच्चों की पढ़ाई तो राजेश की पत्नी का इलाज प्रभावित हो रहा है। होमगार्ड कमलेश मिश्रा के पास घर के खर्च के लिए पैसे नहीं होने से दुकानदार का उधार हो गया है, कुछ अन्य होमगार्ड की अन्य तरह की समस्याएं हैं। मगर इससे प्रशासन को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। वेतन देरी से मिलने की यह समस्या एक या दो माह की नहीं है, बल्कि पिछले कई सालों से बनी हुई है। दरअसल, डीटीसी में लगे होमगार्ड का वेतन तीन विभागों से होकरी गुजरता है। पूरी व्यवस्था पर नजर डालें तो डीटीसी के संबंधित डिपो के मनेजर द्वारा पहले वेतन की फाइल बनाई जाती है। यहां से यह फाइल होमगार्ड के जिला स्टाफ अधिकारी के पास से जांच होने के बाद होमगार्ड मुख्यालय जाती है जहां से डीटीसी मुख्यालय भेजी जाती है। वहां से परिवहन विभाग और वहां से फंड होमगार्ड मुख्यालय हो भेजा जाता है। इन विभाग में कई लापरवाह बाबुओं की टेबल से भी यह फाइल गुजरती है जो उनकी टेबल पर ही कई कई दिनों तक पड़ी रहती है। ऐसे में वेतन मिलने में देरी होती है। सूत्रों की मानें तो डीटीसी के डिपो से ही फाइल देरी से चलती है जो 10 तारीख तक भेजी जाती है और अधिकारियों की लापरवाही से हर एक उस होमगार्ड का परिवार प्रभावित होता है, जिसका खर्च ही उसके इस वेतन से चलता है। ऐसा एक नहीं डीटीसी में काम कर रहे 2900 होमगार्ड के परिवारों के साथ हो रहा है। जिन्हें फरवरी से वेतन नहीं मिला है। इतना ही नहीं इन लोगों का डेढ़ साल का एरियर की फाइल भी ऐसे ही किसी लापरवाह बाबू की टेबल पर धूल फांक रही है। ये लोग एरियर की फाइल खोज खोज कर परेशान हैं। होमगार्ड के वेतन देरी पर डीटीसी के एक वरिष्ठ अधिकारी कहते हैं कि उनकी ओर से कोई देरी नहीं होती है। स्टाफ सत्यापान के बाद फाइल समय से भुगतान के लिए भेजी जाती है। वहीं, होमगार्ड मुख्यालय ने कहा कि वे लोग एक भी दिन की देरी नहीं करते हैं और फंड आते ही वेतन जारी कर दिया जाता है।

एमसीडी के मास्टरप्लान से चमकेगी दिल्ली, 48 करोड़ की मशीनरी से खत्म किए जाएंगे गंदगी के 'डार्क स्पॉट'

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में प्रतिदिन की सफाई व्यवस्था से अछूते रहने वाले डार्क स्पॉट को खत्म करने के लिए एमसीडी ने 48 करोड़ की मशीनरी लगाने का निर्णय लिया है। शुरुआती तौर पर छह माह के लिए यह मशीनरी लगाई जाएगी। इसके परिणाण सही आने पर इसका विस्तार किया जाएगा। इस मशीनरी का उद्देश्य उन स्थानों या उन शिकायतों का समाधान करना होगा जिसमें प्रतिदिन होने वाली सफाई के बावजूद भी निपटारा नहीं किया जाता है। या यूं कहें घर-घर से कूड़ा उठाने के लिए लगाई गई एजेंसियों की शर्तों से अतिरिक्त यह शिकायतें आती है। इन शिकायतों का समाधान करने के लिए उन स्थानों की पहचान कर वहां सफाई की जाएगी। एमसीडी के अनुसार 12 में 10 जोन में यह व्यवस्था लागू की जाएगी। जबकि शेष दो जोन में यह पहले ही लागू कर दी गई है। जिसमें 32 करोड़ की मशीनरी तैनात करने की प्रक्रिया चल रही है। एमसीडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि निगम ने हर जोन में डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने के लिए एजेंसिया लगा रखी है लेकिन कई बार एमसीडी और कंपनी के बीच कौन सा कूड़ा उठाना है और कौन सा कूड़ा नहीं उठाना है कि शर्तों का मामला फंस जाता है। क्योंकि कुछ जगह पर पेड़ों की छंटाई होती है तो वहां पर वह ग्रीन कचरा उठाने की जिम्मेदारी इन एजेंसियों की नहीं होती। इसी प्रकार कई बार नाले या नाली की सफाई करने के दौरान निकाली गई गाद उठाने की जिम्मेदारी भी इन एजेंसियों के पास नहीं होती है। अलग-अलग जोन में अलग शर्तें हैं। ऐसे में शर्तों के झगड़े में कई बार शिकायतें काफी समय तक लंबित हो जाती है और इलाकों में गंदगी बढ़ती है। इसको देखते हुए हमने हर जोन में आंकलन किया है कि वहां पर आने वाली शिकायतों के आधार पर मशीनरी को छह माह के लिए खरीदने की योजना बनाई है। जिसकी मंजूरी निगमायुक्त ने अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए दे दी है। क्योंकि अब निगम आयुक्त 50 करोड़ तक की योजनाओं को स्वयं ही मंजूर कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि निगम को हर दिन करीब 700 शिकायतें अलग-अलग समस्याओं की मिलती है। ज्यादातर शिकायतें इसमें स्वच्छता से जुड़ी होती है। निगम को उम्मीद है कि जब यह मशनरी लगेगी तो शिकायतों में कमी आएगी। गंदगी का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि एमसीडी वैसे तो प्रतिदिन अब 12800 मीट्रिक टन कूड़ा उठाता है लेकिन जब वह सफाई अभियान चलाता है तो इस कूड़े की मात्रा 15 हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन भी पहुंच जाती है। यानि बहुत बड़ी मात्रा में कूड़ा ऐसा होता हो उठने से रह जाता है। निगम की कोशिश इसी कूड़े को उठाकर रिहायशी, व्यावसायिक समेत दूसरे इलाकों को साफ करना है। किस जोन में क्या क्या लगाई जाएगी मशीनरी पश्चिम जोन : 50 छोटे वाहन (एलएमवी) और 30 मध्यम वाहन (एमएमवी) के साथ बैकहो लोडर किराए पर लिए जाएंगे। शाहदरा (दक्षिण) जोन : 52 छोटे वाहन, टिपर ट्रक और अन्य मशीनरी लगाई जाएगी। नजफगढ़ जोन : सड़कों और फुटपाथों पर जमा कचरे को हटाने के लिए 25 एमएमवी, आठ हाइवा और बैकहो लोडर लगाए जाएंगे।

गलती की तो फिर शुरू हो सकते हैं हमले, ईरान को ट्रंप का सख्त संदेश; परमाणु क्षमता पर भी नजर

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान के ताजा प्रस्ताव को लेकर अमेरिका का रुख फिलहाल सतर्क लेकिन सख्त नजर आ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि दोनों देशों के बीच बातचीत आगे बढ़ रही है, लेकिन अभी किसी अंतिम निष्कर्ष पर पहुंचना बाकी है। उन्होंने संकेत दिए कि प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है, पर इसे स्वीकार करना आसान नहीं होगा।

ट्रंप ने बातचीत की स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा 'हम ईरान के मामले में अच्छी प्रगति कर रहे हैं। वे समझौता करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें अपने नेतृत्व को लेकर स्पष्टता नहीं है। मैं इस प्रस्ताव पर नजर रख रहा हूं। उन्होंने सौदे की रूपरेखा साझा की है और अब वे इसका पूरा विवरण देने वाले हैं।' उनके इस बयान से साफ है कि अमेरिका ईरान के प्रस्ताव को पूरी तरह खारिज नहीं कर रहा, लेकिन हर पहलू को बारीकी से परखा जा रहा है। ईरान की सैन्य ताकत, खासकर उसकी मिसाइल निर्माण क्षमता को लेकर ट्रंप ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि ईरान की बची हुई मिसाइल क्षमता को पूरी तरह खत्म कर दिया जाए। ट्रंप ने इस पर कहा 'मैं इसे पूरी तरह खत्म करना चाहूंगा। ऐसा करने से वे दोबारा अपनी क्षमता बढ़ाने की शुरुआत नहीं कर पाएंगे।' ट्रंप ने यह भी साफ किया कि अगर ईरान की ओर से कोई आक्रामक या गलत कदम उठाया जाता है, तो अमेरिका सैन्य कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने कहा 'अगर वे कोई गलत कदम उठाते हैं या अनुचित व्यवहार करते हैं तो कार्रवाई की जा सकती है। फिलहाल स्थिति पर नजर रखी जा रही है, लेकिन यह संभावना पूरी तरह से बनी हुई है।' पोस्ट में जानकारी दी कि वे जल्द ही ईरान द्वारा भेजे गए प्रस्ताव की समीक्षा करेंगे। हालांकि, उन्होंने इस प्रस्ताव को लेकर संदेह भी जताया। उन्होंने लिखा 'मैं जल्द ही उस योजना की समीक्षा करूंगा जो ईरान ने हमें भेजी है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि इसे स्वीकार करना आसान होगा, क्योंकि पिछले 47 वर्षों में जो कुछ हुआ है, उसके लिए उन्होंने अभी तक पर्याप्त कीमत नहीं चुकाई है।'

लेबनान के प्रधानमंत्री की नफरत भड़काने से दूरी की अपील; दक्षिण लेबनान में इस्राइली हमले तेज

बेरूत, एजेंसी। अमेरिका ने जर्मनी में तैनात अपने लगभग 5,000 सैनिकों को वापस बुलाने का निर्णय लिया है। इस कदम के बाद जर्मनी अपनी सुरक्षा में अमेरिका पर निर्भरता को लेकर दोबारा विचार कर रहा है। इस फैसले के साथ-साथ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा यूरोपीय संघ में बनी कारों पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी से जर्मनी को हर साल करीब 15 अरब डॉलर तक का नुकसान हो सकता है। इससे यूरोप की आर्थिक और रक्षा रणनीति पर भी असर पड़ने की आशंका है।

अमेरिका ने जर्मनी में तैनात अपने लगभग 5,000 सैनिकों को वापस बुलाने का निर्णय लिया है। इस कदम के बाद जर्मनी अपनी सुरक्षा में अमेरिका पर निर्भरता को लेकर दोबारा विचार कर रहा है। विश्लेषकों के अनुसार, इस फैसले के साथ-साथ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा यूरोपीय संघ में बनी कारों पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी से जर्मनी को हर साल करीब 15 अरब डॉलर तक का नुकसान हो सकता है। इससे यूरोप की आर्थिक और रक्षा रणनीति पर भी असर पड़ने की आशंका है। लेबनान की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी के अनुसार, इस्राइली सेना ने दक्षिणी लेबनान के बिंत ज्बैल जिले के बुर्ज कलाविया इलाके पर हवाई हमला किया है। साथ ही इलाके में भारी तोपखाने से गोलाबारी भी की गई। एजेंसी ने यह भी बताया कि सीमा से लगे गांव ख़ियाम में कई घरों में आग लगाने की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। पश्चिम एशिया में 28 फरवरी से शुरू हुई जंग फिलहाल युद्ध विराम की

छांव में है। पर्दे के पीछे से अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत के प्रयास किए जा रहे हैं। इस बीच ईरान के जंजन शहर के पास बम फटने से रिवोल्यूशनरी गार्ड के 14 सदस्यों की मौत हो गई। ये बम युद्ध के समय के थे जो उस वक्त नहीं फटे थे। सात अप्रैल को हुए युद्ध विराम के बाद यह सबसे बड़ा हादसा है।

खराब एसी में अमेरिका में बढ़ रही थीं आग लगने की घटनाएं, इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी पर लगा जुर्माना

न्यू जर्सी , एजेंसी। न्यू जर्सी की कंपनी रॉयल सोवरेन इंटरनेशनल इंक को यूजर को 395,786 का मुआवजा देने और 8 मिलियन का आपराधिक जुर्माना भरने की सजा सुनाई गई है।

अमेरिकी उपभोक्ता उत्पाद सुरक्षा आयोग को खतरनाक एयर कंडीशनर के बारे में रिपोर्ट न करने के लिए यह कार्रवाई की गई। इन एसी से 40 से ज्यादा आग लगने की घटनाएं हुईं और एक व्यक्ति की मौत भी हो गई।

कंपनी ने कितने एसी आयात किए: 2008 से 2014 के बीच कंपनी ने चीन में निर्मित 33,000 से ज्यादा खराब एयर कंडीशनर आयात किए और अमेरिका में बेचे। इनमें खराब ड्रेन मोटर लगी थी, जिसके कारण शॉर्ट सर्किट होकर आग लग जाती थी और आग तेजी से फैल जाती थी। कंपनी ने 2021 में इन मॉडलों को वापस मंगाया था।

अगस्त 2025 में कंपनी ने आपराधिक मामले में अपना दोष स्वीकार कर लिया। उपभोक्ता उत्पाद सुरक्षा अधिनियम के तहत कंपनी पर आरोप था कि उसने जानबूझकर एयर कंडीशनर से जुड़ी खतरनाक जानकारी सीपीएससी को तुरंत नहीं दी।

कंपनी ने उपभोक्ता उत्पाद सुरक्षा अधिनियम को कैसे किया गुमराह: नवंबर 2010 में रॉयल सोवरेन ने उपभोक्ता उत्पाद सुरक्षा अधिनियमको गुमराह किया। कंपनी ने एजेंसी को बताया कि उसे एयर कंडीशनर से जुड़ी सिर्फ दो आग लगने की घटनाओं की जानकारी है और अब वह उन्हें नहीं बेच रही है। जबकि वास्तव में कंपनी को कम से कम 16 आग लगने की घटनाओं की जानकारी थी और वह लगातार इन एसी को बेचती रही।

धुएं में सांस लेने से मौत: अगस्त 2016 में एक महिला की धुएं में सांस लेने से मौत हो गई और उसके दो बच्चे घायल हो गए। यह घटना उनके घर में लगे रॉयल सोवरेन एयर कंडीशनर में आग लगने के कारण हुई थी। आपराधिक मामले के अलावा, कंपनी ने अमेरिका सरकार के साथ सिविल समझौता भी किया। इसके तहत कंपनी को 16,025,000 का सिविल जुर्माना देना पड़ा, जो उपभोक्ता उत्पाद सुरक्षा अधिनियमके तहत तय अधिकतम राशि है। कंपनी ने अब उपभोक्ता उत्पादों की मार्केटिंग, बिक्री और वितरण से जुड़े सभी कामकाज हमेशा के लिए बंद कर दिए हैं। जस्टिस डिपार्टमेंट के क्रिमिनल डिवीजन के असिस्टेंट अटॉर्नी जनरल ए. टायसन डुवा, डिस्ट्रिक्ट ऑफ न्यू जर्सी के यू.एस. अटॉर्नी पीटर रॉबर्ट फ्रेजर और यू.एस. कंज्यूमर प्रोडक्ट सेफ्टी कमीशन के एक्टिंग चेयरमैन पीटर ए. फेल्डमैन ने इस घोषणा की जानकारी दी। क्रिमिनल डिवीजन के ट्रायल अटॉर्नी एथन कैरोल ने मामले की पैरवी की। उपभोक्ता उत्पाद सुरक्षा अधिनियम की रेनी मैकक्यून और न्यू जर्सी की असिस्टेंट अमेरिकी अटॉर्नी फातिमे मेका कैनो ने भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

लोगों में जागरूकता फैलाने न्यायाधीश उतरे सड़क पर

90 दिवसीय आउटरीच कार्यक्रम का हुआ आयोजन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड राज्य विधिक प्राधिकरण के निर्देश पर लोगों में कानूनी साक्षरता और जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 90 दिवसीय व्यापक आउटरीच कार्यक्रम का शुभारंभ रविवार को प्रभात फेरी निकाल कर किया गया। प्रभात फेरी प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डालसा दुर्गेश चंद्र अवस्थी के नेतृत्व में सिविल कोर्ट धनबाद से निकलकर रणधीर वर्मा चौक, तक गई, जिसके बाद प्रभात फेरी वहां से वापस सिविल कोर्ट आई। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए न्यायाधीश ने कहा कि 90 दिनों तक न्यायिक पदाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम हर एक क्षेत्र में जाकर कानूनी जागरूकता फैलाएगी उन्होंने बताया कि नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100, डायन बिसाही मामले को लेकर हेल्पलाइन नंबर 181 सहित अन्य हेल्पलाइन नंबर के विषय में लोगों को बताया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन हेल्पलाइन नंबर पर एक बार जरूर कॉल करें और जानने का प्रयास करें कि यह काम करता है या नहीं। वही कार्यक्रम के विषय में जानकारी देते हुए अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि इस 90 दिनो के कार्यक्रम के दौरान न्यायिक पदाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम जिसमें लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम की टीम, एनजीओ , पैनल अधिवक्ता,पीएलवी शामिल हैं डोर टू डोर जाकर लोगों को कानून व विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी देंगे। साथ ही विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों में छात्र छात्राओं के बीच वाद विवाद, निबंध, पेंटिंग, भाषण, प्रभात फेरी आदि का आयोजन किया जाएगा। बाल विवाह, साइबर ठगी, ड्रग, डायन बिसाही, बाल मजदूरी आदि के बारे लोगों को जागरूक किया जाएगा। महिला, दिव्यांगजन, एसटी-एससी, वृद्धजन आदि की मदद की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी पीएलवी एक दूसरे के सहयोग से कार्य को पूरा करेंगे। उन्होंने बताया कि नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों में जागरूकता लाने का प्रयास किया जाएगा। इस मौके पर अपर प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय, ए मोईज, जिला एवं सत्र न्यायाधीश पारस कुमार सिन्हा , प्रफुल्ल कुमार , कुमार साकेत , श्री बिकेश,अवर न्यायाधीश निर्मला बारला, समा रोशनी कुल्लू , परमानंद उपाध्याय, संतोषिनी मुर्मु ,अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी अभिजीत पांडे, रेलवे के विशेष न्यायिक दंडाधिकारी मनोज कुमार , प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी ऋषि कुमार, शिवानी शर्मा , अर्पिता नारायण समेत तमाम न्यायिक पदाधिकारी एलएडीसीएस चीफ कुमार विमलेंदु, डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक कांउसिल नीरज गोयल ,शैलेन्द्र झा ,सुमन पाठक, कन्हैया लाल ठाकुर, डालसा सहायक अरुण कुमार, सौरव सरकार, राजेश सिंह, एनसीसी की पांचवीं वाहिनी टीम, मीडिएटर अधिवक्ता की टीम ,पारा लीगल वालंटियर समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

खेल के माध्यम से बाल विवाह रोकथाम, किशोरी नेतृत्व पर दो दिवसीय प्रशिक्षण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सहयोगिनी द्वारा बोकारो जिला अंतर्गत कस्टमर प्रखंड के दांत किया आंगनबाड़ी केंद्र में खेल-खेल के माध्यम से बाल विवाह रोकथाम तथा लड़कियों के नेतृत्व क्षमता को लेकर दो दिनों से प्रशिक्षण का आज शुरूआत किया गया कार्यक्रम की प्रथम सत्र को संबोधित करते हुए सहयोगिनी की समन्वय कुमारी किरण ने कहा कि खेल को सिर्फ खेल नहीं, बल्कि सीखने और सोचने का एक तरीका मानना चाहिए. ।खेल के जरिए हम लड़कियों से जेंडर, शक्ति , समाज के नियम, शरीर, सहमति और अपने अधिकारों पर चर्चा कर नेतृत्व क्षमता का विकास किया जाएगा। यह काम रिसर्च प्ले टू पावर से जुड़ा है। जिसमें यह समझने की कोशिश की जा रही है कि खेल कैसे बाल विवाह, जबरन विवाह को रोकने में मदद कर सकता है। इस दौरान सभी किशोरियों के के साथ विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया गया खेल-खेल के माध्यम से उनके बीच छिपी प्रतिभा को निकलते हुए उनके नेतृत्व क्षमता का विकास करने का कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने बताया कि सहयोगिनी द्वारा कसमार प्रखंड के 30 गांव में लड़कियों के नेतृत्व क्षमता तथा उनके बीच होने वाली हिंसा को समाप्त करने के लिए लगातार कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बढ़ते बाल विवाह को अंकुश लगाने के लिए किशोरियों का नेतृत्व क्षमता के साथ-साथ उनके अभिभावक तथा विभिन्न स्टेकहोल्डर के साथ चरणबद्ध तरीके से गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। सहयोगिनी की एनिमेटर मंजू देवी ने बताया कि गांव में किशोरी क्लब का गठन किया गया है जिसके माध्यम से उनके बीच होने वाले हिंसा तथा बाल विवाह के मामलों को रोका जाता है। साथ ही उन्हें सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से भी जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान पंडा पंचायत की 40 किशोरियों के साथ विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान पायल कुमारी, स्वाति कुमारी, अनिता कुमारी आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

एसपी ने कई थानों का किया औचक निरीक्षण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पुलिस अधीक्षक बोकारो नाथू सिंह मीणा ने आज बी एस सिटी ,पिंडराजोरा,पेटरवार,कसमार व जरीडीह थाना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान थाना क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति ,सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई एवं सीरिस्ता के कार्यों की समीक्षा की गई। उपस्थित पदाधिकारियों से पूछताछ कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। आम जनता की समस्याओं का त्वरित व विधिवत समाधान करने का निर्देश दिया गया।सभी लंबित कांडों, वारंट, इस्तेहार व कुर्की का ससमय निष्पादन हेतु निर्देशित किए। पासपोर्ट , चरित्र सत्यापन संबंधित मामलों को समयबद्ध तरीके से निष्पादन हेतु निर्देशित किया गया। प्रत्येक थाना में सप्ताह में एक दिन थाना दिवस का आयोजन अनिवार्य रूप से करने के संबंध में भी निर्देशित किया गया। साथ ही एसपी ने नीट परीक्षा के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए सभी परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया व सुरक्षा,चेकिंग के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

अपहृत नाबालिग बरामद, आरोपी गिरफ्तार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चीराचास थान पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। अपहरण के मामले में नाबालिग को सकुशल बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। चीराचास थाना कांड संख्या 26/25 में दर्ज मामले के तहत अपहृत नाबालिग को 2 मई को विधिवत बरामद किया गया। विगत 9 फरवरी 2025 को चिराचास थाना क्षेत्र के नंदुआ स्थान की रहने वाली सुशीला देवी ने अपनी नाबालिक भतीजी के अपहरण किए जाने का मामला दर्ज कराया गया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी संतोष कुमार गोस्वामी उर्फ लादेन, उम्र करीब 29 वर्ष को धनबाद रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी चास थाना क्षेत्र के जोधाडीह मोड़ इलाके का रहने वाला बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी करने में जुटी है। चास एसडीपीओ प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि मामला अपहरण का दर्ज कराया गया था। लेकिन डिजिटल साक्ष्य के मुताबिक यह बात पता चला है कि दोनों के बीच सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती हुई थी और उसे बहला फुसला कर ले जाने का काम किया गया था।

तोपचांची में डायलिसिस सेंटर शुरू करने को लेकर उपायुक्त ने किया निरीक्षण

धनबाद/बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। तोपचांची में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में एक अहम पहल की जा रही है।

इसी कड़ी में रविवार को उपायुक्त आदित्य रंजन ने प्रस्तावित डायलिसिस सेंटर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने फेब्रिकेटेड अस्पताल में तैयार हो रहे सेंटर का जायजा लिया और मौके पर मौजूद अधिकारियों को कई जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने डायलिसिस सेंटर के आसपास लगी दुकानों को तत्काल हटाने का निर्देश दिया, ताकि मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और अस्पताल परिसर साफ-सुथरा बना रहे। उन्होंने बताया कि फिलहाल यहां 3 बेड का डायलिसिस सेंटर शुरू किया जा रहा है, जिससे धनबाद सहित आसपास के जिलों के मरीजों को काफी राहत मिलेगी। उपायुक्त ने कहा कि यह सेंटर क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

बोकारो एयरपोर्ट संचालन को लेकर प्रशासन आया एक्शन मोर्ड

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो एयरपोर्ट संचालन को लेकर जिला प्रशासन अब पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आ रहा है। दुंदीबाग क्षेत्र में शनिवार को माइकिंग कर लोगों को जमीन खाली करने का सख्त निर्देश दिया गया। यह कार्रवाई प्रस्तावित बोकारो एयरपोर्ट परियोजना के तहत की जा रही है, ताकि निर्माण कार्य में किसी प्रकार की बाधा न आए। उपायुक्त की समीक्षा बैठक के बाद प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया तेज कर दी है। इसी क्रम में बोकारो स्टील प्लांट प्रबंधन ने दुंदीबाग बाजार क्षेत्र में पहुंचकर माइकिंग के जरिए लोगों से तत्काल स्थल खाली करने को कहा। प्रशासन ने बीएसएल को 15 मई तक पूरे क्षेत्र की बैरिकेडिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है, साथ ही पुलिस पिकेट की भी व्यवस्था की जा रही है। यह पूरी कार्रवाई प्रस्तावित प्रीकास्ट बाउंड्री वॉल निर्माण को ध्यान में रखकर की जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, एयरपोर्ट परियोजना से जुड़े कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए जमीन को अतिक्रमण मुक्त करना जरूरी है।

आज से शुरू होगा बाउंड्री वॉल निर्माण

बीएसएल के महाप्रबंधक प्रभारी (सुरक्षा) आलोक चावला के अनुरोध पर अनुमंडल प्रशासन, चास ने 4 मई 2026 से दुंदीबाग बाजार क्षेत्र में प्रीकास्ट बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य शुरू कराने की तैयारी कर ली है। निर्माण के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दंडाधिकारियों और पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। दो अधिकारियों को प्रभारी दंडाधिकारी के रूप में तैनात किया गया है, जबकि एक आवासीय दंडाधिकारी पूरे अभियान की निगरानी करेंगे।

पुलिस और प्रशासन मिलकर संभालेंगे मोर्चा

थाना प्रभारी, बीएस सिटी को निर्देश दिया गया है कि वे प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर विधि-व्यवस्था बनाए रखें। साथ ही बीएसएल प्रबंधन को भी प्रशासन के साथ मिलकर निर्माण कार्य में हर संभव सहयोग करने को कहा गया है।

एयरपोर्ट परियोजना को लेकर बढ़ी हलचल

दुंदीबाग क्षेत्र में चल रही यह कार्रवाई बोकारो एयरपोर्ट परियोजना को गति देने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है। प्रशासन और बीएसएल की संयुक्त पहल से यह साफ संकेत मिल रहा है कि लंबे समय से लंबित एयरपोर्ट संचालन को लेकर अब तैयारियां निर्णायक चरण में पहुंच चुकी हैं।

धनबाद में एयरपोर्ट के लिए अब राज्य सरकार करेगी केंद्र सरकार को पत्राचार

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद में एयरपोर्ट निर्माण के लिए अब राज्य सरकार। केंद्र सरकार को पत्राचार करेगी। यह बातें निरसा विधायक अरुप चटर्जी ने रविवार को सर्किट हाउस में कही। इस मामले में 7 मई को निरसा विधायक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलेंगे। निरसा विधायक अरुप चटर्जी ने उम्मीद जताई है कि अगले एक माह में राज्य सरकार से धनबाद उपायुक्त को पत्र प्रेषित होगा जिसके बाद जमीन चिन्हितिकरण की प्रक्रिया तेज कर दी जाएगी.उन्होंने बताया धनबाद के तोपचांची इलाके को प्राथमिकता में लेकर जमीन चिन्हित करने का प्रयास तेज किया जायेगा।धनबाद में एयरपोर्ट की मांग को लेकर मिशन एयरपोर्ट धनबाद निरंतर संघर्षरत है।आज मिशन एयरपोर्ट धनबाद और जीटा के पदाधिकारियों ने सर्किट हाउस में निरसा विधायक अरुप चटर्जी को मांग पत्र सौंपकर धनबाद में एयरपोर्ट निर्माण को गति देने में सहयोग की मांग की।अरुप चटर्जी ने कहा कि एयरपोर्ट के लिए शुरूआती दौर में 110 एकड़ जमीन की आवश्यकता पड़ेगी। मिशन एयरपोर्ट तथा जीटा की भी मांग है कि एयरपोर्ट तोपचांची क्षेत्र में बने। श्री राम सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व मिशन एयरपोर्ट के उपाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने बताया कि एयरपोर्ट निर्माण कि मांग को लेकर लगातार हस्ताक्षर अभियान भी चलाया जा रहा है और अबतक एयरपोर्ट के समर्थन में दस हजार हस्ताक्षर लोगों से कराए भी गए है।

बोकारो स्टील राष्ट्रीय मजदूर संघ की बैठक में यूनियन के विस्तार पर मंथन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध बोकारो स्टील राष्ट्रीय मजदूर संघ की एक बैठक यूनियन कार्यालय सेक्टर 3 में हुई। अध्यक्षता यूनियन के उपाध्यक्ष तपन गिरी और संचालन यूनियन के महामंत्री विनोद कुमार ने किया। बैठक में मुख्य रूप से भारतीय मजदूर संघ स्टील उद्योग के सह प्रभारी हिमांशु बल उपस्थित रहे। सर्वप्रथम सभी कार्यकर्ताओं ने हिमांशु बल को पुष्प गुच्छ देकर स्टील सह उद्योग प्रभारी बनाए जाने पर उनको बधाई एवं शुभकामनाएं दी। बैठक में यूनियन का विस्तार कैसे किया जाए, इस पर चर्चा की गई। बैठक में नए लेबर कोड पर भी चर्चा किया गया। 39 महीना के बकाया एरियर के विषय में उन्होंने अपने कार्यकताओं से स्पष्ट कहा कि 39 महीने का एरियर प्रबंधन को देना ही होगा। इसके लिए बीएमएस हर संभव कोशिश करेगा उन्होंने संगठन के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा किया साथ ही साथ आज की परिस्थिती में मजदूरों के सामने आने वाले चुनौती और उसका निराकरण कैसे किया जाए इसपर भी अपना विचार उन्होंने दिया। बैठक में मुख्य रूप से स्टील फेडरेशन के महामंत्री सह एन जे सी एस सदस्य रंजय कुमार, बीएमएस बोकारो जिला मंत्री अवधेश राय यूनियन के महामंत्री विनोद कुमार,कार्यकारी अध्यक्ष राम सुमेर सिंह, कोषाध्यक्ष कृष्णा प्रसाद केवट, मंत्री रमेश कुमार मिश्रा, आशीष कुमार, हसनैन बाबू शशि भूषण सिंह, अरविंद कुमार सिंह, विवेक कुमार,मनोज कुमार महतो, धर्मेंद्र बेहरा, अशोक सोरेन आदि की उपस्थिति रही।

कदाचार रहित व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई नीट यूजी परीक्षा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रविवार को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एन.टी.ए.) द्वारा आयोजित नीट (यूजी) परीक्षा 2026 कदाचार रहित व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। सुबह 10 बजे से ही जिले के परीक्षा केंद्रों के बाहर परीक्षार्थियों एवं उनके अभिभावकों की भीड़ जुटने लगी थी। एन.टी.ए. से प्राप्त निदेर्शानुसार परीक्षा केंद्रों में परीक्षार्थियों का प्रवेश पूर्वाह्न 11.00 से 1.30 बजे तक दिया गया। सभी परीक्षार्थियों ने क्रमवार परीक्षा केंद्र में प्रवेश के बाद निबंधन कराया एवं बायोमेट्रिक अटेंडेंस के बाद परीक्षा कक्ष में गये। ससमय परीक्षा शुरू हुआ। जिले के सभी परीक्षा केंद्रों पर वरीय पदाधिकारी, दंडाधिकारी एवं पुलिस बल तैनात रहें। नियंत्रण कक्ष में भी पदाधिकारी दिन भर मुस्तैद रहें। जिले में नीट (यूजी) परीक्षा 2026 में कुल 2882 परीक्षार्थी शामिल होने थे, जिसमें 2796 परीक्षार्थी शामिल हुए एवं 86 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें। जानकारी हो कि, नीट परीक्षा को लेकर जिले में 08 परीक्षा केंद्र क्रमशः केंद्रीय विद्यालय नंबर वन सेक्टर फोर, श्री महावीर जी प्लस टू हाई स्कूल बिजुलिया, डिस्ट्रिक्ट रामरूद्रा सीएम एसओई चास बोकारो, सर्वोदय प्लस टू विद्यालय पिंड्राजोरा, प्लस टू हाई स्कूल पेटरवार, पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर 03, केंद्रीय विद्यालय सीटीपीएस चंद्रपुरा बोकारो, एवं अपग्रेडेड राजकीयकृत प्लस टू हाई स्कूल लकरखंदा को बनाया गया था।

उपायुक्त ने किया बाघमारा सहित अन्य प्रखंडों का दौरा

तालाब, सड़क, स्वास्थ्य केंद्र सहित की 30 से अधिक विकास कार्यों के प्रगति की समीक्षा

धनबाद/बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने रविवार को जिले के बाघमारा, तोपचांची, गोविंदपुर तथा बलियापुर प्रखंड का दौरा कर प्रखंडों में चल रहे तालाब, सड़क, स्वास्थ्य केंद्र निर्माण सहित 30 से अधिक विकास कार्यों की समीक्षा की। सर्वप्रथम उन्होंने बाघमारा के रंगुनी पंचायत में इमली तालाब निर्माण का दौरा किया। इसके बाद तोपचांची के ब्रह्मांडिहा पंचायत में चरकोनिया तालाब, सिद्धबाद तालाब तथा गरगरिया तालाब निर्माण कार्य की गुणवत्ता की समीक्षा की। उन्होंने तोपचांची बाजार में बन रहे डायलिसिस यूनिट, जीतपुर दुर्गा मंडप से चैता बस्ती के बीच सड़क निर्माण, एसएसडी +2 हाई स्कूल रोवाम में 6 एसीआर का निर्माण, पावपुर में स्वास्थ्य उप-केंद्र निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। तोपचांची से उपायुक्त गोविंदपुर पहुंचे। गोविंदपुर में उन्होंने आरएस मोर कॉलेज में एनईईटी परीक्षा केंद्र का भ्रमण किया। इसके बाद आरएस मोर कॉलेज पुस्तकालय का विकास, रिजलीबांध तालाब का नवीनीकरण, जमडीहा आरईओ सड़क से कुब्रीटांड़ चैनपुर आदिवासी टोला के बीच सड़क निर्माण, भितिया स्टेडियम के नवीनीकरण और निर्माण, गोविंदपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में बीपीएचयू का निर्माण, उदयपुर में स्वास्थ्य उप-केंद्र का निर्माण कार्यों की समीक्षा की। तत्पश्चात उपायुक्त बलियापुर प्रखंड पहुंचे। यहां बीबीएम कॉलेज में लाइब्रेरी का विकास, बीआईटी सिंदरी में एनईईटी परीक्षा केंद्र का भ्रमण, सिंदरी कॉलेज में लाइब्रेरी के विकास कार्यों की समीक्षा की। इसके बाद उन्होंने बलियापुर-झरिया रोड (जयरामपुर मोड़ पर) को भगरमपुर-रानी रोड से जोड़ने वाली सड़क का निर्माण, आमटाल में बड़ा तालाब, चांदकुइयां गोलमारा में चरकोनिया तालाब, आमटाल पंजानियाटांड में बाबू गड़िया तालाब, बलियापुर ब्लॉक के आमटाल-धोखरा पंचायत में एक मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के प्रस्ताव की समीक्षा की। यहां से उपायुक्त बेलगड़िया टाउनशिप गए। जहां प्रशासनिक भवन में जेआरडीए के पदाधिकारियों के साथ व्यवस्था का जायजा लिया। साथ में बेलगड़िया निवासियों के साथ वातालाप किया एवं उनकी आवश्यकताओं से रबरू हुए। उपायुक्त ने बलियापुर हाई स्कूल, बरदाहा का नवीनीकरण और निर्माण, दूधिया में एक 'अमृत सरोवर' का निर्माण, पारसबानिया में एक स्वास्थ्य उप-केंद्र निर्माण कार्य के प्रगति की भी समीक्षा की। उपायुक्त ने संबंधित विभागों को कार्य की गुणवत्ता बनाए रखने एवं समय पर सभी कार्य पूरा करने का निर्देश दिया।

युवक पर जानलेवा हमला, सोने की चेन लूट कर फरार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चास थाना क्षेत्र में जिम से बाहर निकले एक युवक पर जानलेवा हमला और छिनतई की सनसनीखेज घटना सामने आई है। बदमाशों ने धारदार हथियारों से हमला कर युवक को गंभीर रूप से घायल कर दिया और सोने की चेन छीन ली। पीड़ित हर्ष कुमार पांडे ने जिम में एक विशेष समुदाय के युवकों को धर्म विरोधी गाना बजाने से मना करने का काम किया था। जिसको लेकर जानलेवा हमला करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी गई है। घटना 1 मई की शाम करीब साढ़े बजे की है, जब बेंदीटांड़ कॉलोनी निवासी हर्ष पांडेय नंदूआ स्थान स्थित बॉडी स्टेशन जिम से बाहर निकल रहा था। इसी दौरान पहले से घात लगाए महताब अंसारी, आरिफ अंसारी और 8 से 10 अज्ञात लोगों ने अचानक उन पर हमला कर दिया। हमलावरों के पास लोहे की रॉड, कुल्हाड़ी, चाकू और भुजाली जैसे धारदार हथियार थे। हमले में हर्ष पांडेय गंभीर रूप से घायल हो गया। उनके सिर और नाक से खून बहने लगा। बताया जा रहा है कि मारपीट के दौरान बदमाशों ने करीब 20 ग्राम सोने की चेन भी छीन ली। आसपास मौजूद लोगों के हस्तक्षेप के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। आरोप है कि जाते-जाते एक आरोपी ने पिस्तौल दिखाकर युवक को जान से मारने की धमकी भी दी। इस घटना के बाद पीड़ित और उसका परिवार दहशत में है। मामले में चास थाना में लिखित शिकायत दी गई है और पुलिस से आरोपियों की गिरफ्तारी व सुरक्षा की मांग की गई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। देखना होगा कि आरोपियों की गिरफ्तारी कब तक हो पाती है।

मजदूरों के आश्रितों को 20-20 लाख का मुआवजा और मिलेगी नौकरी

धनबाद/बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बीसीसीएल के मुनीडीह स्थित भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की वाशरी में शनिवार को हुए हादसे में चार मजदूरों की जान चली गई थी. स्लरी (कोयले का गीला कचरा) लोडिंग के दौरान यह हादसा हुआ था. हादसे के बाद आक्रोशित परिजन और मजदूर नेता शव को वाशरी गेट पर रखकर मुआवजे और नौकरी की मांग पर अड़े रहे. देर रात से लेकर सुबह करीब 4 बजे तक चली मैराथन वार्ता के बाद बीसीसीएल प्रबंधन और यूनियन के बीच सहमति बन गई. समझौते के तहत सभी मृतकों के आश्रितों को कुल 20-20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी. इसमें 10 लाख रुपये 10 दिनों के भीतर और बाकी के 10 लाख रुपये 20 दिनों के अंदर देने का आश्वासन दिया गया है. साथ ही अंतिम संस्कार के लिए 75 हजार रुपये अलग से दिए जाएंगे। परिजनों को राहत देने के लिए एक और अहम फैसला लिया गया है, हर प्रभावित परिवार के एक सदस्य को मुनीडीह वाशरी की आउटसोर्सिंग में नौकरी दी जाएगी. इसके अलावा बच्चों की पढ़ाई के लिए डी ए वी स्कूल में नामांकन के लिए भी मदद की जाएगी. हादसे की गंभीरता को देखते हुए उच्च स्तरीय जांच का भी निर्णय लिया गया है. एक स्वतंत्र टीम गठित कर एस ओ पी तैयार किया जाएगा, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके.पीड़ित परिवारों को मिली राहत फिलहाल इस समझौते से पीड़ित परिवारों को कुछ राहत जरूर मिली है, लेकिन अब नजर इस बात पर रहेगी कि बीसीसीएल प्रबंधन अपने वादों को कितनी तेजी से जमीन पर उतारता है. दाह संस्कार के लिए 75 हजार रुपये दिये। वहीं मामले को लेकर मुनीडीह ओपी प्रभारी मनिता कुमारी ने कहा कि बीसीसीएल प्रबंधन के साथ यूनियन नेताओं और ग्रामीणों की सकारात्मक वार्ता हुई है.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145865
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com

CMYK